'हनुमान अंश' की बंपर सफलता पर बोलीं अनुप्रिया नागर- 'उम्मीद से कहीं ज्यादा हुई कमाई, दर्शकों का आभार'

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 34
न्यूनतम - 28

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 255 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर सोमवार 14 सितम्बर 2026 ● भाद्रपद शुक्ल 3 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रूपया

घर-घर विराजेंगे विघ्नहर्ता,बप्पा के स्वागत को आतुर भक्त

देश भर में आज से मचेगी गणेशोत्सव की धूम

उज्जैन (एजेंसी)। देशभर में कल 14 सितंबर से 10 दिवसीय गणेशोत्सव की शुरुआत होगी। इसी दिन हरतालिका तीज का व्रत भी है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस बार तृतीया युक्त चतुर्थी का संयोग बन रहा है, जो धार्मिक दृष्टि से विशेष माना गया है। हरतालिका तीज पर पूजन-व्रत से सुख-सौभाग्य और पति की दीर्घायु की कामना की जाती है। कल चतुर्थी से ही 10 दिवसीय गणेशोत्सव की शुरुआत होगी। इस दौरान उज्जैन के प्रसिद्ध चिंतामन गणेश और बड़े गणेश मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना चलेगी, जिसमें देश-विदेश से आए श्रद्धालु शामिल होंगे।

तृतीया-चतुर्थी का संयोग विशेष फलदायी

ज्योतिषाचार्य अमर डिब्बावाला ने बताया कि शास्त्रीय मत में यदि हरतालिका तीज, चतुर्थी के साथ आती है तो इसे सामान्य से अधिक फलदायी माना जाता है। तृतीया युक्त चतुर्थी को सुख-सौभाग्य, परिवार की समृद्धि और पति की दीर्घायु के लिए विशेष माना गया है। इस बार गणेश चतुर्थी सोमवार को पड़ रही है। सोमवार के स्वामी भगवान शिव माने गए हैं और चतुर्थी तिथि के स्वामी भगवान गणेश हैं। ऐसे में गणेश जी के साथ शिव जी के भक्तों के लिए इस दिन का विशेष महत्व है। मान्यता है कि गणेश पूजा से बुद्धि, विवेक, सुख-समृद्धि और कार्यों में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं। भगवान गणेश की पूजा में हरी और ताजी दूर्वा चढ़ाना शुभ माना जाता है। भगवान को लाल फूल, विशेषकर गुड़हल, लाल चंदन, सिंदूर और लाल या पीले वस्त्र अर्पित किए जाते हैं। पूजा में शमी के पत्ते भी चढ़ाएं। भोग में मोदक, लड्डू, फल, नारियल और अन्य मिठाइयां रखी जा सकती हैं। गणेश पूजा में तुलसी दल नहीं रखना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

बीमार होने की अफवाहों को मायावती ने किया खारिज

● कहा-बिल्कुल ठीक हूं,आकाश ससुर के दिमाग से चल रहे

लखनऊ (एजेंसी)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपनी बीमारी की खबरों को खारिज कर दिया है। उन्होंने लखनऊ में प्रेस कॉफ्रेंस में कहा-मैं पूरी तरह स्वस्थ हूं। अपना काम कर रही हूं। मायावती बोलीं- पार्टी से निकाले गए लोग यह भ्रम फैला रहे हैं कि मैं बीमार हूं इसलिए बड़े मामलों पर भी सीधे एक्स पर ट्वीट करके जानकारी दे रही हूं। इसी वजह से आज मैं आपके सामने आई हूं। उन्होंने कहा- इसका सबूत है कि पार्टी के इंचार्ज आलोक कुमार के पास शनिवार रात 10.04 बजे भतीजे आकाश आनंद का फोन आया।

घुसपैठ कर रहे बांग्लादेशी तस्कर को बीएसएफ ने मारा

● बीजीबी ने कबूला सच,तारिक रहमान सरकार निशाने पर

ढाका/नई दिल्ली (एजेंसी)। बीएसएफ ने भारत की सीमा में घुसपैठ करने वाले एक बांग्लादेशी तस्कर को मार गिराया है। रिपोर्ट के मुताबिक ये तस्कर बांग्लादेश के ठाकुरगाव के पीरगंज उपजिले में सीमा के पास मारा गया है। प्रोथोम आलो ने बताया है कि बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) की गोलीबारी में घायल हुए बांग्लादेशी तस्कर की इलाज के दौरान मौत हो गई।

गोवा में एएपी ने जीएफपी के साथ किया गठबंधन

● अरविंद केजरीवाल ने खुद किया ऐलान, साथ में लड़ेंगे

पणजी (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने गोवा में गोवा फॉरवर्ड पार्टी के साथ गठबंधन का ऐलान किया है। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर इस गठबंधन की घोषणा की। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि गोवा के लोगों के लिए गणेश चतुर्थी के मौके पर यह एक बड़ा तोहफा है। उन्होंने बताया कि आम आदमी पार्टी और गोवा फॉरवर्ड पार्टी के गठबंधन का नाम गोवा फर्स्ट होगा। केजरीवाल ने कहा कि गोवा में इस गठबंधन की जरूरत इसलिए महसूस हुई क्योंकि पिछले कई वर्षों से लोगों के सामने सीमित राजनीतिक विकल्प रहे हैं। उन्होंने कहा कि गोवा के मतदाता कभी बीजेपी तो कभी कांग्रेस को सत्ता में चुनते रहे हैं।

'नई दिल्ली डिक्लेरेशन' साझा विजन को देगा नई दिशा

पीएम मोदी बोले,18वें ब्रिक्स समिट के समापन का किया ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का समापन हो गया। समापन सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ब्रिक्स सिर्फ देशों का समूह नहीं बल्कि समाधान का इकोसिस्टम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि नई दिल्ली डिक्लेरेशन साझा विजन को नई दिशा देगा। पीएम ने आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी सदस्य देशों का आभार जताया।

प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मेलन में शामिल सभी सदस्यों का आभार जताया। पीएम मोदी ने कहा कि आपके महत्वपूर्ण विचारों और सुझावों ने हमारे सहयोग को व्यापकता भी दी है और गहराई भी दी है। आप सबकी मौजूदगी ब्रिक्स की बढ़ती उपयुक्तता, उदारता और समावेशिता का प्रमाण है।

पीएम मोदी ने अगले होस्ट के तौर पर चीन को दी बधाई

पीएम मोदी ने ब्रिक्स के अगले होस्ट के तौर पर चीन को एक बार फिर बहुत-बहुत शुभकामनाएं दीं। नई दिल्ली समिट को सफल बनाने के लिए मैं आप सभी का और आप सबकी टीम्स का विशेष रूप से अभिनंदन करता हूं।

ब्रिक्स समाधान का एक इकोसिस्टम

पीएम मोदी ने कहा, पिछले दो दिनों की हमारी चर्चाओं ने हमारा विश्वास और मजबूत किया है कि ब्रिक्स केवल देशों का समूह नहीं, समाधान का एक इकोसिस्टम है। हम आशा करते हैं इस समिट से उसमें जोड़े गए नई दिल्ली डिक्लेरेशन हमारे साझा विजन और भविष्य के सहयोग को स्पष्ट दिशा देगा। हमें सभी परिणाम को समयबद्ध ऐक्शन और अंतिम पायदान पर प्रभाव से जोड़ना होगा। उन्होंने कहा हमारे फ्रेमवर्क फाइल्स से आगे बढ़कर वास्तविक जीवन में प्रभाव पैदा करें, इसके लिए हम सब मिलकर काम करेंगे।

राहुल गांधी से मिले मलेशियाई पीएम, साथ में किया नाश्ता

नेता प्रतिपक्ष को गुड फ्रेंड बताया, हर भारत दौरे पर मिलते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में चल रहे 18वें ब्रिक्स समिट के बीच मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने रविवार को विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से मुलाकात की। इस दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी भी मौजूद रहीं। यह मीटिंग ब्रिक्स समिट के इतर हुई। सभी ने साथ में ब्रेकफास्ट किया। लेकिन मुलाकात कहां पर हुई, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। कांग्रेस और पीएम इब्राहिम ने एक्स पर तस्वीरें भी शेयर की हैं। इब्राहिम ने लिखा- आज सुबह ब्रेकफास्ट पर अपने अच्छे दोस्त राहुल गांधी से एक बार फिर मिलने का मौका मिला। हमने हाल के अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर अपने विचार शेयर किए।

डिनर में पीएम इब्राहिम ने किशोर कुमार का गाना गाया

शनिवार को उन्होंने 'समावेशी वैश्विक शासन और बहुपक्षवाद को मजबूत करना' विषय पर आयोजित सत्र में हिस्सा लिया। डिनर में भी शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने किशोर दा का मशहूर गाना 'ख्वाब हो तुम या कोई हकीकत...' गाया।

8 सालों में राहुल से भारत में तीसरी बार मिले इब्राहिम

मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम पिछले 8 सालों के दौरान तीन बार भारत आए। हर बार उन्होंने राहुल गांधी से मुलाकात जरूर की। राहुल गांधी और अनवर इब्राहिम की पहली मुलाकात जनवरी 2019 में नई दिल्ली में हुई थी। उस समय अनवर मलेशिया के प्रधानमंत्री नहीं थे। वे देश के पूर्व उपप्रधानमंत्री के तौर पर हिस्सा लेने भारत आए थे।

भारत का पीएम पाकिस्तान में अंदर तक घुसकर मारेगा

● अमित शाह बोले-इससे पहले यह कौन सोच सकता था

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को मुंबई में कहा कि पीएम मोदी ने हर क्षेत्र में बदलाव लाने का काम किया है। पहले कौन सोच सकता था कि आतंकवादी हमले की स्थिति में भारत का प्रधानमंत्री पाकिस्तान की सीमा में घुसकर जवाब देने को तैयार होगा। चाहे सर्जिकल स्ट्राइक हो, एयर स्ट्राइक हो या ऑपरेशन सिंदूर, हमारे नेता नरेंद्र मोदी ने ऐसी रक्षा नीति बनाई है जिससे भारत पर हमला करने के बारे में सोचते ही हमारे दुश्मनों को दो बार सोचना पड़ता है। अमित शाह मुंबई में 52वें इंडिया जेम एंड ज्वेलरी अवॉर्ड्स समारोह में शामिल हुए थे। उसके बाद उन्होंने भाजपा के सेवा संकल्प अभियान की लॉन्चिंग की। शाह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरकार की उपलब्धियां भी गिनाईं।

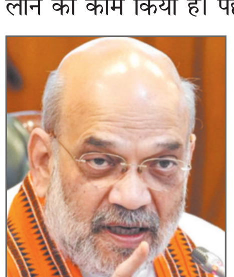

अब उत्तराखंड में पहाड़ के नीचे दौड़ेगी ट्रेन

● 11 किलोमीटर लंबी सुरंग हो गई आर-पार

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के पहाड़ों में रेल पहुंचाने की महत्वाकांक्षी योजना ने शुक्रवार को एक और बड़ा पड़ाव पार कर लिया। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना के तहत टिहरी जिले के ढालवाला में बन रही पहली एस्केप टनल का ब्रेकथ्रू पूरा हो गया।

यानी सुरंग के दोनों छोर आखिरकार आपस में जुड़ गए। इस ब्रेकथ्रू के साथ ही 10.847 किलोमीटर लंबी एस्केप टनल-1 पूरी तरह आर-पार हो गई है। यह देश की दूसरी सबसे लंबी रेलवे सुरंग है। यह उपलब्धि इसलिए भी अहम है क्योंकि 125 किलोमीटर लंबी ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना उत्तराखंड के बेहद कठिन और पहाड़ी इलाके से होकर गुजर रही है।

125 किलोमीटर की रेल लाइन

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना की सबसे बड़ी खासियत और चुनौती इसकी सुरंगें हैं। पूरी परियोजना में कुल 28 सुरंगों का निर्माण किया जाना है। अधिकारियों के मुताबिक इनमें से 22 सुरंगों का काम पूरा हो चुका है। यानी परियोजना की कुल 28 सुरंगों में से करीब 78 फीसदी सुरंगें पूरी हो चुकी हैं।

पर्यटन को भी मिलेगा बढ़ावा

125 किलोमीटर लंबी यह रेल लाइन पहाड़ी क्षेत्रों के लिए सिर्फ एक नया परिवहन साधन नहीं होगी। इससे सड़क मार्ग पर निर्भरता कम करने, यात्रा को अधिक सुविधाजनक बनाने और पर्वतीय क्षेत्रों की कनेक्टिविटी मजबूत करने में मदद मिल सकती है। ऋषिकेश से कर्णप्रयाग तक रेल कनेक्टिविटी मजबूत होने का असर स्थानीय लोगों के साथ-साथ तीर्थयात्रियों और पर्यटकों पर भी पड़ने की उम्मीद है।

हजारों लोगों ने रास्ते में खड़े होकर फूल बरसाकर स्वागत किया

वनतारा से तेरह महीने के बाद कोल्हापुर लौटी हथिनी महादेवी

कोल्हापुर (एजेंसी)। हथिनी माधुरी, जिसे कोल्हापुर में महादेवी के नाम से जाना जाता है, करीब 13 महीने बाद गुजरात के वनतारा से महाराष्ट्र के कोल्हापुर लौट आई है। यहां नांदणी गांव स्थित जैन मठ पहुंचने पर शनिवार रात हजारों लोगों ने फूल बरसाकर उसका स्वागत किया। महादेवी को जुलाई 2025 में हाई पावर कमेटी के निर्देश पर गुजरात के जामनगर स्थित रिलायंस फाउंडेशन के एनिमल सेंटर वनतारा भेजा गया था। कोल्हापुर में लोग इसका विरोध कर रहे थे। मामला बॉम्बे हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। 9 सितंबर 2026 को हाई पावर कमेटी ने नांदणी की व्यवस्था का निरीक्षण करने के बाद माधुरी को वापस कोल्हापुर भेजने का आदेश दिया था।

रात करीब 2 बजे मठ पहुंची महादेवी

महादेवी को वनतारा से गुरुवार शाम करीब 5 बजे रवाना किया गया था। करीब 1,160 किलोमीटर लंबा सफर तय करने के बाद वह शनिवार रात करीब 2 बजे नांदणी जैन मठ पहुंची। उसके पहुंचने की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में लोग वहां जमा हो गए। लोगों ने फूल बरसाकर उसका स्वागत किया। हालांकि, उसकी सेहत और सफर की थकान को देखते हुए स्वागत कार्यक्रम को सीमित रखा गया। महादेवी को भीड़ के बीच ज्यादा देर रखने के बजाय सीधे उसके लिए तैयार किए गए शेल्टर में पहुंचाया गया।

इंडोनेशिया में 243 यात्रियों वाला जहाज डूबा

● 102 लोगों को बचाया गया, एक की मौत,140 की तलाश जारी

बाली (एजेंसी)। इंडोनेशिया में 243 लोगों को लेकर जा रहा एक यात्री जहाज रविवार को डूब गया। इसमें 1 की मौत हुई है। हादसे के बाद करीब 140 यात्री और क्रू मेंबर लापता बताए जा रहे हैं। रेस्क्यू टीम ने अलग-अलग जहाजों की मदद से 102 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है, जबकि एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया है।

अमान्य मदरसों के खिलाफ बंगाल सरकार का ऐक्शन

● वेस्ट बंगाल में बंद होंगे बिना मान्यता वाले 252 मदरसे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बिना मान्यता प्राप्त मदरसों के खिलाफ शभेंदु सरकार ने बड़ा ऐक्शन लिया है। इसके तहत राज्य में किए गए सर्वे के बाद सरकार ने पहले चरण में 252 अमान्य (खारिजी) मदरसों को बंद करने का नोटिस जारी किया है, जबकि 100 अन्य मदरसों से इस संबंध में जवाब मांगा गया है। बता दें कि राज्य सरकार ने हाल ही में पश्चिम बंगाल के मदरसों की जांच-पड़ताल का एक बड़ा अभियान शुरू किया था। अल्पसंख्यक मामलों और मदरसा शिक्षा विभाग की तरफ से किए गए इस पहले चरण के सर्वे के बाद कुल 2396 अमान्य मदरसों की पहचान की गई थी। अब इसी सर्वे के आधार पर सरकार ने कार्रवाई करते हुए 252 ऐसे मदरसों पर ताला लगाने की तैयारी शुरू कर दी है, जिनके पास सही मान्यता नहीं है।

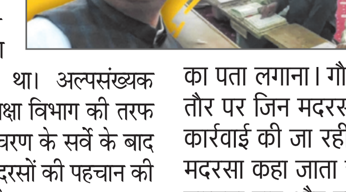

22 जिलों में कराया गया सर्वे

अमान्य मदरसों के खिलाफ शुभेंदु सरकार की तरफ से कोलकाता समेत राज्य के कुल 22 जिलों में यह विशेष सर्वे कराया गया था। इस सर्वे के दौरान कई महत्वपूर्ण पहलुओं की गहराई से जांच की गई। मान्यता प्राप्त और गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों की सटीक संख्या का पता लगाना। गौरतलब है कि आम तौर पर जिन मदरसों को बंद करने की कार्रवाई की जा रही है, उन्हें खारिजी मदरसा कहा जाता है। ये ऐसे गैर-मान्यता प्राप्त और स्वतंत्र इस्लामी शिक्षण संस्थान होते हैं जो किसी भी राज्य या सरकारी मदरसा शिक्षा बोर्ड से जुड़े नहीं होते।

अनमोल वचन

मनुष्य का अपना विचार ही उसका सबसे बड़ा मित्र और शत्रु है। मनुष्य के अच्छे विचार ऊँचा तथा नीच विचार मनुष्य को नीचा बना देते हैं। जैसे उसके विचार होंगे, उसके कार्य भी वैसे ही होंगे। यह बात सभी को है कि बुरे विचार ही सभी बुराइयों और समस्त पापों की जड़ हैं। वे लोक-परलोक दोनों को बिगाड़ देते हैं। हम जैसा सोचेंगे, वैसे ही हमारे विचार होंगे। जैसे हमारे विचार होंगे, वैसे ही हमारे कर्म होंगे। इसलिए, अपने तथा दूसरों के हितों को ध्यान में रखते हुए कुविचारों को मन में स्थान न दें। किसी के अहित के बारे में कभी मन में विचार नहीं आना चाहिए। किसी का अहित न करना भगवान की सबसे बड़ी सेवा है। यदि स्वयं के मंगल की कामना है तो मन में कभी किसी के अमंगल के विचार मन में नहीं आने चाहिये। आप हृदय से सबका हित चाहेंगे तो आपका भी अंतिम मंगलमय हो जायेगा। जो कभी मन, वाणी और कर्म से किसी का अहित नहीं करते, प्रभु की कृपा उन पर सदा बनी रहती है।

24 लाख की सड़क के लोकार्पण के बाद उठे सवाल, जगह-जगह धंसने का आरोप

दहचंद में राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप ने किया था 280 मीटर इंटरलॉकिंग सड़क का लोकार्पण, ग्रामीण बोले–रात के अंधेरे में कराया गया निर्माण, इंटरलॉक के नीचे मानकों के विपरीत मिट्टी डालने का आरोप

मुजफ्फरनगर। चरथावल विधानसभा क्षेत्र के गांव दहचंद में करीब 24 लाख रुपये की लागत से बनी 280 मीटर लंबी इंटरलॉकिंग सड़क के लोकार्पण के बाद ही निर्माण की गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। रविवार को राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप ने इस सड़क का लोकार्पण किया था, लेकिन अब गांव के ही लोगों ने सड़क निर्माण में मानकों की अनदेखी किए जाने का आरोप लगाते हुए इसकी जांच की मांग उठाई है। ग्रामीणों का दावा है कि सड़क जगह-जगह से धंस गई है और नाली निर्माण भी मानक के अनुरूप नहीं कराया गया।

लोकार्पण के बाद ग्रामीणों ने खोली निर्माण की पोल

दहचंद निवासी नितिन शर्मा और हरिओम शर्मा ने सड़क निर्माण को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि करीब 24 लाख रुपये की लागत से तैयार कराई गई सड़क की वास्तविक स्थिति मौके पर देखी जा सकती है। उनका आरोप है कि सड़क के कई हिस्से धंस चुके हैं, जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं।

रात के अंधेरे में सड़क बनाने का आरोप

ग्रामीण नितिन शर्मा और हरिओम शर्मा का आरोप है कि ठेकेदार द्वारा सड़क का निर्माण रात के अंधेरे में कराया गया। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्य किस तरह और किन परिस्थितियों में कराया गया,

इसकी जांच की जाए तो कई तथ्य सामने आ सकते हैं।

इंटरलॉक के नीचे मिट्टी डालने का आरोप

हरिओम शर्मा ने आरोप लगाया कि सड़क पर पहले से मौजूद आरसीसी सड़क के ऊपर इंटरलॉकिंग लगाई गई है। उनका दावा है कि इंटरलॉकिंग के नीचे जिस सामग्री का इस्तेमाल होना चाहिए था, उसके स्थान पर मिट्टी डाली गई। ग्रामीणों के अनुसार, यही वजह है कि सड़क कई स्थानों पर दबने और धंसने लगी है। ग्रामीणों का कहना है कि 24 लाख रुपये की लागत से बनी सड़क के कुछ हिस्सों की हालत देखकर इसकी गुणवत्ता का अंदाजा लगाया जा सकता है। आरोप है कि सड़क बनने के बाद ही कई जगह से धंसने लगी है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से मौके पर सड़क की खुदाई कर नीचे डाली गई सामग्री की जांच कराने की मांग की है, ताकि निर्माण में इस्तेमाल सामग्री की वास्तविकता सामने आ सके।

नाली निर्माण पर भी उठाए सवाल

ग्रामीणों ने सड़क के साथ बनाई गई नालियों को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि जल निकासी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं की गई है और नाली का निर्माण भी सही तरीके से नहीं कराया गया। बरसात के दौरान जल निकासी की व्यवस्था ठीक नहीं रही तो नई सड़क के आसपास पानी भरने और सड़क को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। गांव में सड़क निर्माण को लेकर आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम में राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता देने की बात कही थी। सड़क को गांव के लिए महत्वपूर्ण सुविधा बताया गया था। लेकिन लोकार्पण के तुरंत बाद ग्रामीणों द्वारा निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाए जाने से मामला चर्चा में आ गया है। नितिन शर्मा समेत ग्रामीणों ने मांग की है कि सड़क की निष्पक्ष तकनीकी जांच कराई जाए। सड़क की मोटाई, इंटरलॉक के नीचे डाली गई सामग्री, बेस की गुणवत्ता, नाली निर्माण और सड़क के धंसने की स्थिति की जांच मौके पर कराई जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि निर्माण मानकों के अनुरूप हुआ है तो जांच से स्थिति स्पष्ट हो जाएगी और यदि कहीं अनियमितता हुई है तो जिम्मेदारों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

शहर कोतवाली पुलिस ने 1 किलो 50 ग्राम किलो गांजे के साथ युवक गिरफ्तार

रेलवे लाइन के पास चेकिंग के दौरान कोतवाली नगर पुलिस के हत्थे चढ़ा आरोपी, एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर भेजा जेल

मुजफ्फरनगर। जनपद में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली नगर पुलिस ने एक आरोपी को गांजे की बड़ी खेप के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1 किलो 50 ग्राम गांजा बरामद करने का दावा किया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश करने के बाद जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

बुढ़ाना-शाहपुर रोड पर चल रही थी चेकिंग, रेलवे लाइन के पास दबोचा

पुलिस के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक नगर के निकट पर्यवेक्षण तथा सहायक पुलिस अधीक्षक नगर/क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में नशे के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत शनिवार को कोतवाली नगर पुलिस टीम बुढ़ाना-शाहपुर रोड पर रेलवे लाइन के पास चेकिंग और गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने संदिग्ध गतिविधि के आधार पर एक युवक को रोककर उसकी तलाशी ली। पुलिस के मुताबिक तलाशी के दौरान युवक के कब्जे से 1 किलो 50 ग्राम गांजा बरामद हुआ। बरामदगी के बाद पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की और उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने आरोपी की पहचान सचिन सैनी निवासी लद्दावाला, थाना कोतवाली नगर के रूप में की है।

एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ डीपीएस एक्ट, थाना कोतवाली नगर में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी के खिलाफ नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेजा जा रहा है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी शातिर किस्म का अपराधी बताया गया है। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान पुलिस लगातार संदिग्ध व्यक्तियों और नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़े लोगों की निगरानी कर रही है। इसी क्रम में यह कार्रवाई की गई। गांजे के साथ आरोपी को गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक शशि, चन्द्रपाल सिंह, कांस्टेबल सुल्तान सिंह और रिजर्व आर्म्ड कांस्टेबल अश्विन आर्या शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और नशीले पदार्थों की तस्करी में संलिप्त लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

शहीद चौक पर अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी

सुहैल मेडिकल स्टोर के सामने पड़ा मिला करीब 45 वर्षीय व्यक्ति का शव, पोस्टमार्टम को भेजा

मुजफ्फरनगर। खालापार थाना क्षेत्र के शहीद चौक पर रविवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब सुहैल मेडिकल स्टोर के सामने एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा मिला। सड़क किनारे शव मिलने की सूचना कुछ ही देर में आसपास के क्षेत्र में फैल गई और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर खालापार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर उसकी पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन काफी प्रयास के बावजूद मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी। बताया गया कि मृतक की उम्र करीब 45 वर्ष है। उसने काले रंग की शर्ट और काले रंग का लोअर पहन रखा था। प्रथम दृष्टया शव मिलने की सूचना से क्षेत्र में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गईं। पुलिस ने मौके पर मौजूद लोगों से मृतक के संबंध में जानकारी जुटाई और आसपास के इलाके में भी उसकी पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन कोई व्यक्ति मृतक की पहचान नहीं कर सका।

शरीर पर बने खास निशानों से होगी पहचान की कोशिश

पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती फिलहाल मृतक की पहचान करना है।

इसी को देखते हुए मृतक के कपड़ों और शरीर पर मौजूद पहचान चिह्नों की जानकारी सार्वजनिक की गई है। पुलिस के मुताबिक मृतक के दाहिने हाथ में राखी बंधी हुई है। इसके अलावा उसके बाएं बाजू पर तिल का निशान है, जबकि दाहिने बाजू पर बिच्छू का चित्र बना हुआ है। पुलिस को उम्मीद है कि मृतक के शरीर पर मौजूद ये विशेष निशान उसकी पहचान कराने में महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। माना जा रहा है कि मृतक के परिजन, रिश्तेदार, परिचित या आसपास के किसी क्षेत्र में रहने वाले लोग इन निशानों के आधार पर उसे पहचान सकते हैं।

काले कपड़े पहने मिला शव, इलाके में मची हलचल

शहीद चौक शहर के व्यस्त इलाकों में शामिल है। ऐसे स्थान पर मेडिकल स्टोर के सामने अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से आसपास के दुकानदारों और राहगीरों में भी चर्चा शुरू हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली और शव को अपने कब्जे में लिया। पुलिस ने आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ की कि क्या किसी ने मृतक को पहले क्षेत्र में देखा था या उसके बारे में कोई जानकारी है। इसके साथ ही पुलिस मृतक की पहचान के लिए अन्य संभावित माध्यमों से भी जानकारी जुटा रही है।

पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा शव

खालापार चौकी प्रभारी असगर अली ने बताया कि शहीद चौक पर सुहैल मेडिकल स्टोर के सामने एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है। मृतक की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरने के बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मौत के कारणों के संबंध में स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल पुलिस का प्राथमिक प्रयास मृतक की पहचान कराने का है। पहचान होने के बाद ही उसके संबंध में आगे की कार्रवाई और जांच को दिशा मिल सकेगी।

पुलिस ने जारी किया हुलिया, पहचान होने पर सूचना देने की अपील

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति का कोई परिजन या परिचित लापता है और उसका हुलिया मृतक से मेल खाता है, तो तत्काल खालापार थाना पुलिस से संपर्क किया जाए। पुलिस के मुताबिक मृतक की उम्र करीब 45 वर्ष है, उसने काले रंग की शर्ट और काले रंग का लोअर पहन रखा था। दाहिने हाथ में राखी, बाएं बाजू पर तिल और दाहिने बाजू पर बिच्छू का निशान उसकी प्रमुख पहचान है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि मृतक के हुलिए और पहचान चिह्नों के आधार पर यदि किसी को उसके संबंध में कोई जानकारी मिलती है तो बिना देरी पुलिस को सूचना दें। पुलिस का कहना है कि मृतक की पहचान होते ही उसके परिवार तक सूचना पहुंचाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

भुम्मा गांव में कलयुगी बेटों की शर्मनाक करतूत: जमीन और जेवर के लिए बुजुर्ग मां को पीटा, दो बेटों पर केस दर्ज

कृषि व आवासीय जमीन और जेवरात अपने नाम कराने का बनाया दबाव

मीरापुर (मुजफ्फरनगर)। थाना मीरापुर क्षेत्र के ग्राम भुम्मा में रिश्तों को तार-तार कर देने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां संपत्ति और जेवरात हड़पने की नीयत से दो कलयुगी बेटों ने अपनी ही वृद्ध मां के साथ बेरहमी से मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता की तहरीर के आधार पर मीरापुर पुलिस ने दोनों नामजद आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर में ग्राम भुम्मा निवासी बुजुर्ग महिला सत्तो देवी पत्नी स्व. रामकुमार ने बताया कि उनके नाम लगभग चार बीघा कृषि भूमि और एक बीघा आवासीय भूमि है। पीड़िता के छह पुत्र और दो पुत्रियां हैं। आरोप है कि गत 9 सितंबर की सुबह लगभग 6 से 7 बजे के बीच उनके दो पुत्र–हरि और ललित उनके पास आए और पूरी कृषि व आवासीय जमीन अपने नाम दानपत्र कराने तथा घर में रखे कीमती जेवरात सौंपने का अनुचित दबाव बनाने लगे। सत्तो देवी ने बताया कि उनकी एक पुत्री अभी अविवाहित है और एक पुत्र प्रशांत नाबालिग है। उन्होंने दोनों बेटों से कहा कि वह अपनी बेटी की शादी और नाबालिग बेटे के उज्ज्वल भविष्य तथा जिम्मेदारियों को ध्यान में रखते हुए पूरी जमीन उनके नाम नहीं कर सकती हैं। मां के इनकार करते ही दोनों बेटे आपा खो बैठे और उन्होंने अपनी वृद्ध मां को गाली-गलौज करते हुए धमकाना और लात-घूंसों व डंडों से बर्बरतापूर्वक पीटना शुरू कर दिया। बेटों द्वारा किए गए इस जानलेवा हमले में बुजुर्ग महिला के हाथों में गंभीर चोटें आईं और हड्डियों में क्रैक (अस्थि भंग) हो गया। महिला का आरोप है कि जाते-जाते दोनों बेटों ने यह धमकी भी दी कि यदि उन्होंने जल्द ही जमीन और जेवर उनके नाम नहीं किए,

भाकियू नेता के खिलाफ ग्रामीणों का धरना, पुलिस के नाम पर परेशान करने का आरोप

रोनी हरजीपुर में सर्व समाज के लोगों ने जताया विरोध, थाना प्रभारी ने मौके पर पहुंचकर सुनी ग्रामीणों की समस्याएं, निष्पक्ष कार्रवाई और चोरी की घटनाओं पर अंकुश की मांग

मुजफ्फरनगर। चरथावल क्षेत्र के गांव रोनी हरजीपुर में भारतीय किसान यूनियन नेता एवं जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि विकास शर्मा के खिलाफ ग्रामीणों ने धरना-प्रदर्शन कर विरोध जताया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गांव के लोगों को पुलिस के नाम पर परेशान किया जा रहा है। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने मामले में निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति को गलत तरीके से परेशान नहीं किया जाना चाहिए तथा दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

धरने की सूचना पर थाना प्रभारी पहुंचे

ग्रामीणों के धरने की सूचना मिलने पर चरथावल थाना प्रभारी सत्यनारायण दहिया पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने धरनारत ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने थाना प्रभारी के सामने अपनी शिकायतें रखते हुए मामले में निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों का कहना था कि पुलिस को प्रत्येक मामले में तथ्यों की निष्पक्ष जांच करने के बाद ही कार्रवाई करनी चाहिए। उनका आरोप था कि पुलिस के नाम पर गांव के

लोगों को परेशान करने की स्थिति पर रोक लगनी चाहिए।

गलत काम करने वालों पर हो कार्रवाई

धरना स्थल पर ग्रामीणों ने कहा कि गांव में यदि कोई व्यक्ति गलत कार्य कर रहा है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन किसी निर्दोष व्यक्ति को परेशान नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने पुलिस से हर शिकायत की निष्पक्ष जांच कर पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने की मांग की। ग्रामीणों ने थाना प्रभारी से गांव में कानून-व्यवस्था को लेकर भी चर्चा की और पुलिस की ओर से प्रभावी कार्रवाई किए जाने की मांग रखी।

चोरी की घटनाओं पर भी जताई चिंता

ग्रामीणों ने गांव में बढ़ रही चोरी की घटनाओं को लेकर भी नाराजगी जताई। उनका कहना था कि लगातार चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में चिंता का माहौल है। ग्रामीणों ने पुलिस से रात के समय गश्त बढ़ाने और चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने की मांग की। थाना प्रभारी सत्यनारायण दहिया ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उन्हें मामले में आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिया।

सर्व समाज के लोग धरने में शामिल

धरना-प्रदर्शन में सर्व समाज के लोगों ने भाग लिया। प्रदर्शन के दौरान किसान मजदूर संगठन के सहारनपुर मंडल उपाध्यक्ष बबली शर्मा, भारतीय किसान यूनियन सेवक के प्रदेश अध्यक्ष प्रशांत राणा, ग्राम प्रधान विनोद फौजी, योगेश शर्मा, संदीप पुंडीर, योगेश पुंडीर, विक्की राणा, मेहताब और साजिद समेत अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।

विकास शर्मा ने आरोपों को बताया गलत

वहीं, भाकियू नेता एवं जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि विकास शर्मा ने ग्रामीणों द्वारा लगाए गए आरोपों को गलत बताया। उन्होंने कहा कि स्थानीय राजनीति के चलते उनके खिलाफ इस तरह के आरोप लगाए जा रहे हैं। विकास शर्मा ने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि मामले को राजनीतिक रंग देने का प्रयास किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि पुलिस को हर मामले में निष्पक्षता के साथ पीड़ित को न्याय दिलाना चाहिए। साथ ही उन्होंने गांव में चोरी की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताते हुए पुलिस से चोरी की वारदातों पर रोक लगाने और प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की।

दोनों पक्षों की बात सामने आने के बाद मामले पर नजर

रोनी हरजीपुर गांव में हुए धरना-प्रदर्शन के बाद मामला स्थानीय स्तर पर चर्चा में है। एक ओर ग्रामीणों ने विकास शर्मा के खिलाफ आरोप लगाते हुए निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है, वहीं विकास शर्मा ने इन आरोपों को स्थानीय राजनीति से प्रेरित और गलत बताया है। अब पुलिस जांच और दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर आगे की स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है।

पुरकाजी बाईपास पर ट्रक ने ई-रिक्शा को मारी जोरदार टक्कर, महिला की मौत

शादी समारोह में शामिल होने आ रहा था परिवार, हादसे में महिला की मौके पर ही मौत; 10 वर्षीय जैनब गंभीर घायल, जिला अस्पताल रेफर

मुजफ्फरनगर। पुरकाजी क्षेत्र में रविवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में ई-रिक्शा सवार 40 वर्षीय महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 10 वर्षीय बालिका गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसा पुरकाजी बाईपास पर राजपुर रोड से हाईवे पर ई-रिक्शा के चढ़ने के दौरान हुआ। सामने से तेज गति से आ रहे ट्रक ने ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ई-रिक्शा कई फीट दूर जाकर जा गिरा।

शादी में शामिल होने पुरकाजी आ रहा था परिवार

जानकारी के अनुसार थाना देवबंद क्षेत्र के गांव राजूपुर निवासी गुलजार रविवार को अपने परिजनों के साथ पुरकाजी में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने के लिए अपने साले के घर आ रहे थे। परिवार के लोग ई-रिक्शा में सवार थे। दोपहर करीब तीन बजे ई-रिक्शा राजपुर रोड से पुरकाजी बाईपास स्थित हाईवे पर चढ़ रहा था।

सामने से आए ट्रक ने मारी जोरदार टक्कर

बताया गया कि इसी दौरान सामने से तेज गति से आ रहे ट्रक ने ई-रिक्शा को अपनी चपेट में ले लिया। ट्रक की टक्कर लगते ही ई-रिक्शा बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर कई फीट दूर जा गिरा। हादसा होते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई और आसपास मौजूद लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े।

तसलीमा ने मौके पर ही तोड़ा दम

हादसे में ई-रिक्शा में सवार गुलजार की पत्नी तसलीमा (40) गंभीर रूप से घायल हो गईं। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

वहीं गुलजार की 10 वर्षीय भतीजी जैनब भी हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गई।

गंभीर हालत में जैनब जिला अस्पताल रेफर

घायल जैनब को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद मौके पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

कार्रवाई से किया इनकार, शव गांव ले गए परिजन

हादसे के बाद पुलिस ने मामले की जानकारी जुटाई।

बताया गया कि मृतका तसलीमा के परिजनों ने फिलहाल किसी तरह की कानूनी कार्रवाई करने से इनकार कर दिया। इसके बाद परिजन मृतका का शव अपने गांव राजूपुर ले गए। हादसे के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है।

हाईवे पर हादसे से मचा हड़कंप

पुरकाजी बाईपास पर हाईवे से जुड़ने वाले मार्ग पर हुए इस हादसे ने एक बार फिर तेज रफ्तार वाहनों और हाईवे पर यातायात व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर बेहद तेज थी, जिसके चलते ई-रिक्शा काफी दूर जा गिरा। हादसे में एक महिला की जान चली गई और मासूम बालिका गंभीर रूप से घायल हो गई।

353 कुंतल राशन के गबन का आरोप, निलंबित कोटेदार पर मुकदमा

मुजफ्फरनगर। बघरा विकासखंड के मुकन्दपुर गांव में सरकारी राशन वितरण में गंभीर अनियमितताओं के मामले में निलंबित उचित दर विक्रेता कपिल कुमार के खिलाफ तितावी थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। विभागीय जांच में कार्डधारकों से ई-पॉश मशीन पर अंगूठा लगवाने के बाद खाद्यान्न नहीं देने, निर्धारित मात्रा से कम राशन देने, अंत्योदय कार्डधारकों को चीनी नहीं देने और निर्धारित कीमत से अधिक वसूली करने के आरोप सामने आए हैं। इसके अलावा निलंबन के बाद मुकन्दपुर और संबद्ध गांव नूनाखेड़ा का 353.23 कुंतल अवशेष खाद्यान्न संबंधित विक्रेताओं को हस्तगत नहीं कराने का मामला भी सामने आया है। विभाग ने इसे खाद्यान्न की कालाबाजारी/डायवर्जन मानते हुए आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के तहत कार्रवाई कराई है।

119 कार्डधारकों के बयान दर्ज

मामले की शिकायत ग्राम मुकन्दपुर के पूर्व प्रधान मनोज कुमार ने की थी। उपजिलाधिकारी सदर के निर्देश पर पूर्ति विभाग और क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी की संयुक्त टीम ने 29 जुलाई को गांव में जांच की। इस दौरान मुकन्दपुर के करीब 25 और संबद्ध गांव नूनाखेड़ा के 94, कुल 119 कार्डधारकों के बयान लिए गए। जांच रिपोर्ट के अनुसार, कार्डधारकों के बयानों और उचित दर दुकान के निरीक्षण में राशन वितरण से जुड़ी कई अनियमितताएं सामने आईं।

अंगूठा लगवाकर राशन नहीं देने का आरोप

जांच में आरोप सामने आया कि कुछ कार्डधारकों से ई-पॉश मशीन पर अंगूठा लगवाने के बावजूद उन्हें खाद्यान्न नहीं दिया गया। जिन कार्डधारकों को राशन मिला, उन्हें भी निर्धारित मानक के अनुसार खाद्यान्न नहीं दिए जाने की शिकायत की गई। पूरा राशन मांगने पर कार्डधारकों से अभद्र व्यवहार किए जाने का आरोप भी लगाया गया।

54 की जगह 60 रुपये में तीन किलो चीनी

विभागीय जांच में अंत्योदय कार्डधारकों को चीनी वितरण में भी अनियमितता सामने आई। कुछ कार्डधारकों को चीनी नहीं देने तथा जिनको चीनी दी गई, उनसे तीन किलो चीनी की निर्धारित कीमत 54 रुपये के बजाय 60 रुपये वसूलने का आरोप लगाया गया।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादकः
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222, मो. 9412211222
e-mail Address : royalbulletin@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शपथकर्ता का पुत्र अनुज कुमार शपथकर्ता के कहने सुनने में नहीं है तथा न ही शपथकर्ता की कोई बात सुनता है और उसका चाल चलन भी शपथकर्ता के परिवार के प्रति बहुत गलत व क्रूरतापूर्ण है। मैं अपने पुत्र अनुज कुमार पुत्र स्व0 वीरसिंह निवासी मोहल्ला दक्षिणी चमारान कस्बा व थाना पुरकाजी जिला मुजफ्फरनगर के कारनामों से काफी तंग व परेशान हो गई हूँ, इसलिए मैं दुखी होकर अनुज कुमार को अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रही हूँ। आज के बाद से अनुज कुमार के किसी भी कृत्य या लेन देन से मेरा व मेरे परिवार का कोई लेना देना नहीं होगा। मैंने व मेरे परिवार ने अनुज कुमार से अपने सम्बन्ध विच्छेद कर लिये हैं तथा मैंने अनुज कुमार को अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है।

शपथकर्ता
श्रीमती रजो पत्नी स्व. वीर सिंह
निवासी मकान नंबर 23, मौहल्ला दक्षिणी चमारान कस्बा व थाना पुरकाजी, जिला मुजफ्फरनगर।

बाल कटवाने पहुंचे दिव्यांग युवक को नाई की दुकान पर बेरहमी से पीटा, सिर पर सरिया मारकर किया लहूलुहान, मुकदमा दर्ज

नंबर को लेकर हुआ विवाद तो आरोपियों ने लात–घूंसों और लाठी–डंडों से हमला किया, बैसाखियां भी गिरीं–बेहोश होकर जमीन पर गिरा युवक

मुजफ्फरनगर। भोपा थाना क्षेत्र के गांव तिस्सा में बाल कटवाने के लिए नाई की दुकान पर पहुंचे दोनों पैरों से दिव्यांग युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि दुकान पर अपनी बारी आने का इंतजार कर रहे युवक ने जब नंबर को लेकर विरोध किया तो दो भाइयों ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि हमलावरों ने युवक को लात-घूंसों और लाठी-डंडों से पीटा तथा एक आरोपी ने दुकान से लोहे का सरिया उठाकर उसके सिर पर वार कर दिया। सिर में गंभीर चोट लगने के बाद युवक खून से लथपथ होकर बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ा। मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

काफी देर तक अपनी बारी का करता रहा इंतजार

पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार देवबंद निवासी नदीम ने बताया कि उसका साला आशु पुत्र भूरा गांव तिस्सा का रहने वाला है और दोनों पैरों से दिव्यांग है। उसके परिवार में उसका एक अन्य भाई भी दिव्यांग है तथा वह देख नहीं सकता। बताया गया कि 9 सितंबर की रात करीब साढ़े आठ बजे आशु गांव तिस्सा के बाजार में मुरसलिम और शहजाद पुत्रगण जफर की नाई की दुकान पर बाल कटवाने के लिए पहुंचा था। आरोप है कि दुकान पर पहुंचने के बाद आशु काफी देर तक अपनी बारी आने का इंतजार करता रहा। जब काफी समय बीतने के बावजूद उसका नंबर नहीं आया तो उसने दुकान पर मौजूद लोगों से पूछा कि उसका नंबर कब आएगा। आरोप है कि उसे कुछ देर बाद आने के लिए कहा गया, जिसके बाद वह वहां से चला गया। वापस लौटने पर भी नहीं आया नंबर, विरोध करने पर भड़के आरोपी तहरीर के मुताबिक कुछ देर बाद आशु दोबारा नाई की दुकान पर पहुंचा। इसके बाद भी वह काफी देर तक अपनी बारी का इंतजार करता रहा, लेकिन आरोप है कि दुकान पर मौजूद दोनों भाई उसे छोड़कर अन्य लोगों के बाल काटने में लगे रहे। इस पर आशु ने अपनी बारी को लेकर विरोध जताया। आरोप है कि इसी बात पर मुरसलिम ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और अचानक उसकी छाती पर जोरदार लात मार दी। लात लगने से दिव्यांग आशु जमीन पर गिर पड़ा और उसकी बैसाखियां भी इधर-उधर जा गिरीं। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि आशु के जमीन पर गिरने के बाद मुरसलिम और शहजाद ने उसके साथ लात-घूंसों तथा लाठी-डंडों से मारपीट शुरू कर दी। दिव्यांग होने के कारण आशु खुद को बचाने में भी असमर्थ रहा। आरोप है कि दोनों ने उसे बुरी तरह पीटा। मारपीट के दौरान मुरसलिम ने कथित रूप से दुकान के अंदर से लोहे का सरिया उठा लिया और आशु के सिर पर हमला कर दिया। सरिया लगने से उसके सिर में गंभीर चोट आई और वह खून से लथपथ हो गया। सिर में चोट लगने के बाद बेहोश होकर गिरा

रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
सोमवार 14 सितम्बर 2026 पृष्ठ 3

इवान अस्पताल में एक करोड़ के गबन का आरोप, पूर्व अकाउंटेंट गिरफ्तार

आयुष्मान भारत योजना के भुगतान में हेरफेर कर वित्तीय फजीवाड़े का आरोप; परिजनों और पूर्व कर्मचारियों समेत पांच के खिलाफ मुकदमा, फरार आरोपियों की तलाश जारी

मुजफ्फरनगर। भोपा रोड स्थित इवान मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल के लेखा विभाग में सामने आए कथित वित्तीय फजीवाड़े के मामले में नई मंडी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व अकाउंटेंट को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी पर अपने साथियों के साथ मिलकर अस्पताल के वित्तीय लेन-देन में करीब एक करोड़ रुपये का गबन करने का आरोप है। मामले में आयुष्मान भारत योजना के भुगतान में हेरफेर कर रकम का हिसाब-किताब बदलने की बात भी सामने आई है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

दो साल से अस्पताल के लेखा विभाग में था अकाउंट एग्जीक्यूटिव

पुलिस के अनुसार, अस्पताल के

मुख्य कार्यकारी अधिकारी विजय कुमार जैन ने 25 जून को नई मंडी थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। शिकायत में बताया गया कि अक्षय बंसल पुत्र मनोज बंसल पिछले करीब दो वर्षों से अस्पताल के लेखा विभाग में अकाउंट एग्जीक्यूटिव के पद पर कार्यरत था।

आरोप है कि अस्पताल में काम करने के दौरान अक्षय बंसल को वित्तीय लेन-देन से जुड़ी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिली हुई थीं। वह अस्पताल के रिसेप्शन, कैंटीन और टीपीए से संबंधित वित्तीय लेन-देन का काम देखता था। लेखा-जोखा खंगाला तो सामने आई वित्तीय गड़बड़ी शिकायत के मुताबिक, करीब चार महीने पहले अस्पताल की स्वामी मंजू जैन ने अस्पताल के लेखा-जोखे की जांच कराई। इस दौरान करीब दो लाख रुपये की रकम का हिसाब नहीं मिलने पर मामले ने तूल पकड़ा। इसके बाद तत्कालीन अकाउंटेंट अक्षय बंसल से पूछताछ की गई। आरोप है कि जांच आगे बढ़ने पर अस्पताल के वित्तीय रिकॉर्ड में बड़े स्तर पर गड़बड़ी सामने आई। रिकॉर्ड की पड़ताल के दौरान आयुष्मान भारत योजना से संबंधित भुगतान में भी कथित हेरफेर किए जाने की जानकारी सामने आई। आयुष्मान भुगतान को शून्य दिखाने का आरोप मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि आयुष्मान भारत योजना के तहत होने वाले वित्तीय लेन-देन में हेरफेर कर कुछ भुगतान को रिकॉर्ड में शून्य दिखाया गया। अस्पताल प्रबंधन का आरोप है कि इसी तरह के कथित फजीवाड़े के माध्यम से अस्पताल की रकम को गलत तरीके से इधर-उधर किया गया। जांच के दौरान अस्पताल के रिकॉर्ड और वित्तीय लेन-देन की पड़ताल में कथित गड़बड़ी का दायरा बढ़ता गया और करीब एक करोड़ रुपये के गबन का आरोप सामने आया। स्वजन और पूर्व कर्मचारियों के साथ मिलकर षड्यंत्र का आरोप अस्पताल प्रबंधन ने आरोप लगाया कि अक्षय बंसल ने अपने स्वजन तथा अस्पताल की पूर्व कर्मचारी तृप्ति गुप्ता समेत अन्य लोगों के साथ मिलकर कथित षड्यंत्र रचा। आरोप है कि सभी ने मिलकर अस्पताल के वित्तीय कोष से करीब एक करोड़ रुपये की रकम का गबन किया। मामले में पुलिस ने अकाउंटेंट अक्षय बंसल, उसके पिता मनोज बंसल, उसकी माता श्मती बंसल, पूर्व कर्मचारी तृप्ति गुप्ता और पूर्व लेखाकार अमित गुप्ता के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। गबन की रकम और वित्तीय रिकॉर्ड की जांच में जुटी पुलिस मामला करीब एक करोड़ रुपये के कथित वित्तीय गबन से जुड़ा होने के कारण पुलिस अब अस्पताल के वित्तीय रिकॉर्ड, आयुष्मान योजना से जुड़े भुगतान और अन्य लेन-देन की भी जांच कर रही है।

दहचंद में विकास की नई राह, 24 लाख की इंटरलॉकिंग सड़क का लोकार्पण

राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप ने 280 मीटर लंबी सड़क का किया उद्घाटन, बोले- गांवों की बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता

मुजफ्फरनगर। चरथावल विधानसभा क्षेत्र के गांव दहचंद में रविवार को विकास कार्यों को नई गति मिली। गांव में करीब 24 लाख रुपये की लागत से तैयार 280 मीटर लंबी इंटरलॉकिंग सड़क का राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप ने लोकार्पण किया। सड़क के निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलने के साथ ही लंबे समय से चली आ रही रास्ते की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने राज्यमंत्री का स्वागत किया और विकास कार्य के लिए आभार जताया।

ग्रामीणों से संवाद कर जानीं समस्याएं

लोकार्पण के बाद राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप ने ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उनसे बातचीत की और गांव की समस्याओं तथा जरूरतों की जानकारी ली। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण को गांव के लिए महत्वपूर्ण सुविधा बताते हुए क्षेत्र में अन्य विकास कार्यों की भी मांग रखी। मंत्री ने ग्रामीणों की बात सुनते हुए भरोसा दिलाया कि क्षेत्र के विकास से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाएगा।

सड़क के साथ जल निकासी और पेयजल पर भी जोर

राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास का सीधा असर आम लोगों के जीवन पर पड़ता है। इसलिए गांवों में सड़क, जल निकासी, पेयजल और अन्य जरूरी बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं का लाभ केवल कागजों तक

सीमित न रहे, बल्कि अधिक से अधिक ग्रामीणों तक पहुंचे, यही सरकार और जनप्रतिनिधियों का प्रयास है।

दहचंद में सड़क बनने से ग्रामीणों में खुशी

280 मीटर लंबी इंटरलॉकिंग सड़क के निर्माण से ग्रामीणों में भी खुशी का माहौल दिखाई दिया। ग्रामीणों का कहना था कि गांव में बेहतर सड़क सुविधा होने से रोजमर्रा के आवागमन में काफी सहूलियत होगी। बारिश के दौरान रास्तों पर होने वाली परेशानियों से भी राहत मिलने की उम्मीद है। ग्रामीणों ने विकास कार्य के लिए राज्यमंत्री का आभार जताते हुए क्षेत्र में इसी तरह अन्य जरूरी कार्य कराए जाने की मांग की।

चरथावल क्षेत्र में विकास कार्य जारी रखने का भरोसा

नरेंद्र कश्यप ने कहा कि चरथावल विधानसभा क्षेत्र में विकास की प्रक्रिया लगातार जारी रहेगी। गांवों में जहां जिस सुविधा की आवश्यकता है, वहां प्राथमिकता के आधार पर विकास कार्य कराने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों के स्नेह, सम्मान और आशीर्वाद के लिए उनका आभार जताते हुए कहा कि जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना उनकी प्राथमिकता है।

राज्यमंत्री ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विकास कार्यों को तेजी मिली है। गांवों तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लगातार काम कराया जा रहा है।

इसी क्रम में चरथावल विधानसभा क्षेत्र के गांवों में भी आवश्यकता के अनुसार सड़क, जल निकासी, पेयजल और अन्य विकास कार्य कराए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में जुटे भाजपा पदाधिकारी और ग्रामीण

लोकार्पण कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारियों के अलावा जनप्रतिनिधि, ग्राम प्रधान, क्षेत्र के प्रमुख लोग और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने राज्यमंत्री का स्वागत करते हुए सड़क निर्माण को गांव के लिए उपयोगी विकास कार्य बताया। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के विकास और ग्रामीणों की समस्याओं को लेकर भी चर्चा हुई। जनप्रतिनिधियों ने भरोसा दिलाया कि क्षेत्र में विकास कार्यों की गति आगे भी जारी रहेगी।

आवारा कुत्तों के आतंक से मिलेगी शहरवासियों को राहत, शुरू हुआ पहला एबीसी और रेबीज टीकाकरण केंद्र

पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने किया केंद्र का शुभारंभ, नसबंदी के साथ आवारा कुत्तों को लगाया जाएगा रेबीज का टीका, कलेक्ट्रेट, पुलिस लाइन, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और जिला अस्पताल समेत भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में चलेगा अभियान

मुजफ्फरनगर। शहर में बढ़ती आवारा कुत्तों की संख्या और उनके हमलों से परेशान लोगों को अब राहत मिलने की उम्मीद जगी है। पशु जन्म नियंत्रण और पशु संरक्षण के साथ जनसुरक्षा की दिशा में नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर ने महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। रविवार को पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने शहर के पहले एनिमल बर्थ कंट्रोल एवं रेबीज वैक्सीनेशन सेंटर का शुभारंभ किया। पचेंडा रोड स्थित इस केंद्र का संचालन नगर पालिका के समन्वय से जीव दया फाउंडेशन द्वारा किया जाएगा। केंद्र शुरू होने के साथ ही शहर में आवारा कुत्तों की नसबंदी और रेबीज टीकाकरण का अभियान बड़े स्तर पर चलाने की तैयारी शुरू कर दी गई है।

नसबंदी के साथ रेबीज का टीकाकरण, वैज्ञानिक तरीके से नियंत्रित होगी संख्या

आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या लंबे समय से शहरवासियों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। जगह-जगह झुंड में घूमने वाले कुत्तों से राहगीरों, बच्चों और बुजुर्गों को हमले का खतरा बना रहता है। इसके अलावा कुत्तों के काटने से रेबीज संक्रमण का खतरा भी रहता है। इसी समस्या को देखते हुए शुरू किए गए एबीसी एवं रेबीज टीकाकरण केंद्र में विशेषज्ञ पशु चिकित्सकों की देखरेख में आवारा कुत्तों की नसबंदी की जाएगी और उन्हें रेबीज का टीका लगाया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य केवल आवारा कुत्तों की संख्या को नियंत्रित करना ही नहीं, बल्कि उन्हें रेबीज जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखना भी है। इससे एक ओर कुत्तों के अनियंत्रित प्रजनन पर रोक लगाने में मदद मिलेगी, वहीं दूसरी ओर रेबीज संक्रमण के खतरे को कम करने की दिशा में भी काम होगा। पालिकाध्यक्ष ने कहा- मानवीय और वैज्ञानिक तरीके से होगा समाधान

केंद्र के शुभारंभ के अवसर पर पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने कहा कि शहर में आवारा कुत्तों की समस्या का समाधान मानवीय और वैज्ञानिक तरीके से किया जाना जरूरी है। एबीसी और टीकाकरण केंद्र की शुरूआत इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि पशु कल्याण के साथ-साथ शहरवासियों की सुरक्षा भी नगर पालिका की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत आवारा कुत्तों की नसबंदी और रेबीज टीकाकरण कराया जाएगा। इसके लिए नगर पालिका

प्रशासन और केंद्र की टीम के बीच समन्वय बनाकर कार्य किया जाएगा, ताकि अभियान को व्यवस्थित और प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जा सके।

पहले चरण में शहर के उन प्रमुख स्थानों को अभियान में शामिल किया जाएगा, जहां लोगों की आवाजाही अधिक रहती है और आवारा कुत्तों की मौजूदगी भी देखी जाती है। इसके तहत कलेक्ट्रेट, पुलिस लाइन, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, जिला अस्पताल समेत अन्य प्रमुख सार्वजनिक एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अभियान चलाया जाएगा।नगर पालिका और एबीसी केंद्र की टीम इन क्षेत्रों में आवारा कुत्तों को पकड़कर निर्धारित प्रक्रिया के तहत उनकी नसबंदी और टीकाकरण करेगी। इसके बाद नियमानुसार उनकी देखभाल और वापसी की व्यवस्था की जाएगी। अभियान के विस्तार के साथ शहर के अन्य इलाकों को भी इसमें शामिल किया जाएगा।

पालिका का अपना एबीसी और शेल्टर सेंटर बनाने की तैयारी पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने बताया कि मौजूदा केंद्र के साथ-साथ नगर पालिका परिषद की ओर से अपना एबीसी एवं शेल्टर सेंटर स्थापित करने की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए भूमि की तलाश की जा रही है। स्थायी केंद्र स्थापित होने के बाद आवारा पशुओं के लिए नसबंदी, टीकाकरण, उपचार और देखभाल से जुड़ी व्यवस्थाओं को और व्यापक स्तर पर संचालित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि स्थायी व्यवस्था बनने से शहर में पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम को लगातार और प्रभावी तरीके से चलाने में मदद मिलेगी। साथ ही घायल अथवा बीमार पशुओं की देखभाल के लिए भी बेहतर व्यवस्था विकसित की जा सकेगी। पालिकाध्यक्ष ने शहरवासियों से इस अभियान में सकारात्मक सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि आवारा कुत्तों की समस्या केवल नगर पालिका या किसी एक संस्था की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसके समाधान के लिए समाज की सहभागिता भी जरूरी है। उन्होंने इसे स्वच्छ, स्वस्थ और सुरक्षित मुजफ्फरनगर की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए लोगों से अभियान में सहयोग करने की अपील की। एबीसी एवं रेबीज टीकाकरण केंद्र के शुभारंभ कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता विवेक बालियान और गौरव स्वरूप, क्षेत्रीय सभासद पूजा पाल और कपिल पाल, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनु चौधरी, मुख्य खाद्य एवं सफाई निरीक्षक योगेश कुमार तथा केंद्र संचालक डॉ. देवेश बालियान मौजूद रहे। इसके अलावा सत्यवीर सिंह, डॉ. ऋषभ अग्रवाल, राज वत्स और कार्तिक राठी समेत अन्य लोग भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

मीरापुर पुलिस का शिकंजा, नाबालिग बहनों के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

मीरापुर। थाना मीरापुर क्षेत्र के ग्राम कासमपुर भुम्मा से 8 सितंबर को लापता हुई दो नाबालिग बहनों के मामले में पुलिस ने दुष्कर्म के आरोप में वांछित चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी राजीव शर्मा ने बताया कि दोनों बहनें अचानक घर से गायब हो गई थीं। परिजनों ने उनकी काफी तलाश की, जिसके बाद 11 सितंबर को दोनों को पंजाब के व्यास आश्रम से बरामद कर मीरापुर लाया गया था। परिजनों ने थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस जांच में नाबालिग बहनों के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आने के बाद थाना मीरापुर में आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। थाना प्रभारी राजीव शर्मा के

अनुसार, दोनों आरोपी कहीं भागने की फिराक में कुतुबपुर झाल के पास खड़े थे। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना पर पुलिस टीम ने नहर पटरी से दोनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रितिक पुत्र बृजवीर सिंह निवासी राजपुर कला, थाना जानसठ तथा शुभम पुत्र करतार सिंह निवासी कासमपुर भुम्मा, थाना मीरापुर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार दोनों एससी/एसटी एक्ट के मामले में भी वांछित चल रहे थे। वैधानिक कार्रवाई के बाद दोनों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा।

शक्ति क्लब की श्री रामलीला महोत्सव की ध्वज यात्रा से पूर्व हुआ विधिवत पूजन

45वें वर्ष के आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह, जय श्रीराम और बजरंगबली के जयकारों से गूंजा वातावरण

मुजफ्फरनगर। शक्ति क्लब रजिस्टर्ड द्वारा आयोजित श्री रामलीला महोत्सव के 45वें वर्ष के शुभारंभ को लेकर धार्मिक एवं उत्साहपूर्ण माहौल में ध्वज यात्रा से पूर्व विधिवत पूजा-अर्चना की गई। पूजन कार्यक्रम में श्रद्धालुओं, रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों एवं गणमान्य लोगों ने भाग लेकर भगवान श्रीराम और हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। ध्वज यात्रा से पूर्व आयोजित पूजन कार्यक्रम में सपा नेता राकेश शर्मा एवं व्यापारी नेता विजेंद्र गोयल ने विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की। इसके उपरांत हनुमान जी के स्वरूप में सजे अखिलेश पाल का तिलक कर उनका अभिनंदन किया गया। पूजन के दौरान धार्मिक मंत्रोच्चार

एवं भगवान श्रीराम तथा हनुमान जी के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। श्री रामलीला महोत्सव के 45वें वर्ष को लेकर आयोजकों में विशेष उत्साह दिखाई दिया। कमेटी पदाधिकारियों ने बताया कि रामलीला महोत्सव को इस वर्ष भव्य, आकर्षक और श्रद्धापूर्वक आयोजित करने के लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। ध्वज यात्रा के साथ ही महोत्सव के कार्यक्रमों का विधिवत शुभारंभ किया जा रहा है। आयोजन को लेकर क्षेत्र के श्रद्धालुओं में भी खासा उत्साह है। पूजन कार्यक्रम में कमेटी अध्यक्ष पवन पाल, सचिव संजीव दीक्षित, कोषाध्यक्ष सरदार राजेंद्र सिंह एडवोकेट, शिवकुमार शर्मा, रविकांत शर्मा सभासद, नितिन विजेंद्र पाल, संयोजक डॉ. सत्येंद्र कुमार, नीरज शर्मा, अरविंद दीक्षित, गौरीकांत त्यागी, शैलेंद्र नेगी, मीडिया प्रभारी नवनीत कौशिक, राजीव अरोड़ा, महिपाल धीमान एवं ओमपाल कश्यप सहित रामलीला कमेटी से जुड़े पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

आयोजकों ने कहा कि श्री रामलीला महोत्सव की परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाते हुए 45वें वर्ष का आयोजन श्रद्धा और भव्यता के साथ किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम और हनुमान जी के जयकारे लगाए, जिससे वातावरण पूरी तरह धार्मिक रंग में रंग गया।

600 किलोवाट सौर ऊर्जा संयंत्र से उद्योग, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण को नई दिशा

मोरवेल ट्यूब्स की हरित पहल बनी उद्योग जगत के लिए मिसाल, हर माह करीब 60 हजार यूनिट स्वच्छ बिजली का उत्पादन

मुजफ्फरनगर। औद्योगिक विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण का संतुलन कायम करने की दिशा में मोरवेल ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड ने उल्लेखनीय पहल की है। कंपनी ने अपने परिसर में 600 किलोवाट क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर हरित ऊर्जा की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाया है। करीब 2.50 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस सौर ऊर्जा परियोजना का विधिवत उद्घाटन 16 जनवरी 2025 को जनपद के जिलाधिकारी उमेश कुमार मिश्रा ने किया था। उद्घाटन अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी संदीप भगिया, नेडा अधिकारी भजन सिंह के अलावा जनपद आई आई एम चैप्टर से जुड़े अनेक गणमान्य उद्योगपति एवं सदस्य मौजूद रहे। इस परियोजना के माध्यम से मोरवेल

ट्यूब्स ने यह संदेश दिया है कि औद्योगिक उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी प्राथमिकता दी जा सकती है। इस हरित पहल के पीछे मोरवेल ट्यूब्स के मैनेजिंग डायरेक्टर एफ. सी. मोघा की दूरदर्शी सोच और पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता महत्वपूर्ण रही। उनका मानना है कि किसी उद्योग की वास्तविक सफलता केवल उत्पादन और मुनाफे से नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण तथा समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने से भी तय होती है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को धरातल पर उतारने में उनके दोनों पुत्रों रजत कुमार मोघा एवं देवांशु कुमार मोघा तथा कंपनी की पूरी टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। परिवार और प्रबंधन के सामूहिक प्रयास से 600 किलोवाट का यह सौर ऊर्जा संयंत्र सफलतापूर्वक स्थापित हुआ। हर माह करीब 60 हजार यूनिट स्वच्छ बिजली मोरवेल ट्यूब्स का सौर ऊर्जा संयंत्र कंपनी की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के साथ आर्थिक बचत में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। संयंत्र से हर माह करीब 60 हजार यूनिट स्वच्छ बिजली का उत्पादन होने का अनुमान है।

कंपनी के अनुसार 6.80 रुपये प्रति यूनिट की दर से यह लगभग 4.08 लाख रुपये प्रतिमाह की सीधी ऊर्जा लागत बचत के बराबर है। इस प्रकार सालाना करीब 48.96 लाख रुपये की ऊर्जा लागत में कमी आने का अनुमान है।

सौर ऊर्जा के उपयोग से कंपनी की पारंपरिक बिजली पर निर्भरता भी कम हो रही है।

सम्राट मिहिर भोज जयंती पर 35 गांवों के 300 विद्यार्थियों को मिला करियर मार्गदर्शन

गुर्जर छात्रावास में आयोजित हुआ वृहद करियर काउंसलिंग एवं प्रेरणा सत्र, विशेषज्ञों ने बताए सफलता के रास्ते

मुजफ्फरनगर। सम्राट आदिवराह मिहिर भोज जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को रामपुर तिराहा स्थित गुर्जर छात्रावास परिसर में गुर्जर सद्भावना सभा, मुजफ्फरनगर के तत्वावधान में एक दिवसीय वृहद करियर काउंसलिंग एवं प्रेरणा सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनपद के करीब 35 गांवों के डिग्री कॉलेज एवं इंटर कॉलेजों में अध्ययनरत 300 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें करियर चयन, उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी दी। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों एवं सभा पदाधिकारियों ने सम्राट मिहिर भोज के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित करके किया। वक्ताओं ने कहा कि सम्राट मिहिर भोज का जीवन शौर्य, सुशासन, राष्ट्रभक्ति और ज्ञान की प्रेरणा देता है। आज के युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर शिक्षा और विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने का संकल्प लेना चाहिए।

वक्ताओं ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में सही समय पर मिलने वाला मार्गदर्शन भविष्य की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, जरूरत उन्हें सही अवसर और उचित मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की है। इसी उद्देश्य से करियर काउंसलिंग एवं प्रेरणा सत्र आयोजित किया गया। करियर काउंसलिंग सत्र में शिक्षा, प्रशासनिक सेवाओं, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, कृषि, प्रबंधन एवं विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों से संवाद किया। विशेषज्ञों ने 10वीं और 12वीं के बाद उपलब्ध करियर विकल्प, सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी, डिजिटल युग में रोजगारपरक कौशल, इंटरव्यू की तैयारी और मानसिक तनाव प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। सवाल-जवाब सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी रुचि और भविष्य

को लेकर विभिन्न सवाल पूछे। विशेषज्ञों ने उनकी जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए विषय और क्षमता के अनुरूप करियर का चुनाव करने की सलाह दी। विद्यार्थियों से कहा गया कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए लक्ष्य निर्धारित कर नियमित अध्ययन, अनुशासन और निरंतर प्रयास को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं।

विद्यार्थियों को शिविर तक लाने वाले शिक्षकों का सम्मान

कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को शिविर तक लाने तथा उन्हें करियर मार्गदर्शन से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले शिक्षकों का भी सम्मान किया गया। अतिथियों एवं सभा पदाधिकारियों ने शिक्षकों को स्मृति चिह्न एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।

वक्ताओं ने कहा कि शिक्षक केवल विद्यार्थियों को शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि उनके व्यक्तित्व और भविष्य के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं और आधुनिक रोजगार के अवसरों से जोड़ने में शिक्षकों का योगदान बेहद महत्वपूर्ण है।

तहसील स्तर पर भी शिविर आयोजित करने पर जोर

कार्यक्रम में अतिथियों ने गुर्जर सद्भावना सभा की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे निःशुल्क करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाने चाहिए। वक्ताओं ने भविष्य में तहसील स्तर पर भी करियर काउंसलिंग शिविर आयोजित करने पर जोर दिया, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीण छात्र-छात्राओं को विशेषज्ञों का मार्गदर्शन मिल सके।

कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता अभिषेक चौधरी गुर्जर, पुष्पेंद्र कुमार, डीएवी कॉलेज के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. कलम सिंह, गुर्जर सद्भावना सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल सिंह, मंडल अध्यक्ष वेदपाल सिंह गुर्जर, जय किसान आंदोलन के जिलाध्यक्ष, वरिष्ठ समाजसेवी पवन चौहान, नगर अध्यक्ष इच्छाराम, सेठपाल, सुरेशपाल अमीन और सभा के उपाध्यक्ष मनोज चौधरी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। अंत में आयोजकों ने अतिथियों, विशेषज्ञों, शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं का आभार जताया। राष्ट्रगान एवं प्रीतिभोज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

संपादकीय

भारत के एजेंडे में वैश्विक दक्षिण, व्यापार और शांति, मोदी की कूटनीति पर दुनिया की नजर

ब्रिक्स 2026 में भारत आर्थिक सहयोग, वैश्विक दक्षिण की आवाज और शांति के मुद्दों को प्रमुखता देगा। मोदी-पुतिन और मोदी-शी जिनपिंग की बैठक से वैश्विक कूटनीति और भारत-चीन संबंधों पर नजर रहेगी। देश की राजधानी में आयोजित किया जा रहा ब्रिक्स शिखर सम्मेलन उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग और वैश्विक व्यवस्था में विकासशील देशों की भूमिका को मजबूत करने का एक महत्त्वपूर्ण अवसर है। ऐसे समय में जब दुनिया आर्थिक अनिश्चितता, युद्ध, व्यापारिक तनाव और बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों के दौर से गुजर रही है, तब ब्रिक्स की प्रासंगिकता और बढ़ गई है।भारत के लिए यह मंच अपने राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाने के साथ-साथ वैश्विक दक्षिण की आवाज को सशक्त रूप देने की दृष्टि से भी अहम है। सम्मेलन से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच शुक्रवार को हुई बैठक में भी भारत की प्राथमिकताओं और प्रतिबद्धताओं को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया गया।इस दौरान मुख्य रूप से वर्ष 2030 तक वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर सौ अरब डालर तक पहुंचाने तथा रक्षा, ऊर्जा और दुर्लभ खनिजों के क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करने पर जोर दिया गया। यह इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में भारत को व्यापारिक सहयोग के मोर्चे पर अंतरराष्ट्रीय संबंधों को विस्तार देने और नए बाजार तलाशने की जरूरत है। ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका से शुरू हुए ब्रिक्स समूह का विस्तार अब कई अन्य देशों तक हो चुका है। ब्रिक्स भारत के लिए केवल आर्थिक एवं व्यापारिक सहयोग का मंच नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन की दृष्टि से विकासशील देशों की आवाज बुलंद करने का माध्यम भी है।भारत की नीति दुनिया की आर्थिक व्यवस्था को अधिक न्यायपूर्ण और संतुलित बनाने की रही है, जिसके तहत अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं में विकासशील देशों को उनकी आर्थिक क्षमता और जनसंख्या के अनुरूप अधिक प्रतिनिधित्व मिलने की वकालत की जाती रही है। स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने, भुगतान प्रणालियों को मजबूत करने और आर्थिक सहयोग को आसान बनाने जैसे विषय भी भारत के लिए महत्त्वपूर्ण हैं और इन मुद्दों पर शिखर सम्मेलन में भी प्रमुखता से चर्चा होने की उम्मीद है।इसके अलावा, भारत हमेशा से वैश्विक शांति का पक्षधर रहा है और प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन के साथ बैठक में दोहराया कि किसी भी समस्या का समाधान केवल युद्ध नहीं हो सकता है। साथ ही कहा कि रूस-यूक्रेन संघर्ष को खत्म करने के शांति प्रयासों में भारत हर संभव मदद के लिए तैयार है।भारत ऐसे समय में ब्रिक्स को अधिक प्रभावी मंच के रूप में आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है, जब वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक परिस्थितियां लगातार बदल रही हैं।

यदि कोई इमारत नियमों के विरुद्ध बन रही थी तो निर्माण के दौरान संबंधित नगर निगम अधिकारी कहां थे? यदि वहां व्यावसायिक गतिविधियां चल रही थी तो फायर विभाग ने सुरक्षा का आकलन क्यों नहीं किया? बिजली और पानी के कनेक्शन किस आधार पर मिले? पुलिस और स्थानीय प्रशासन की नजर उस भवन पर क्यों नहीं पड़ी? और यदि सब कुछ नियमों के अनुसार था तो फिर हादसा हुआ कैसे? यही वे प्रश्न हैं, जिनका जवाब केवल ठेकेदार या किसी छोटे कर्मचारी को दोषी ठहराकर नहीं दिया जा सकता। सत्य निकेतन की त्रासदी इसलिए भी गंभीर है क्योंकि दिल्ली में पीजी संस्कृति तेजी से बढ़ी है। देशभर से राजधानी में पढ़ने, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने और रोजगार तलाशने आने वाले हजारों युवा ऐसी इमारतों में रहते हैं, जहां कमरे छोटे हैं, गलियां संकरी हैं, सीढ़ियां संकरी हैं और सुरक्षा मानकों की स्थिति अक्सर संदिग्ध रहती है। मकान मालिक के लिए कमरों की संख्या बढ़ाना कारोबार है लेकिन उस कमरे में रहने वाला छात्र अपने सपने लेकर वहां आता है।

मौत का इंतजार करती इमारतें और गहरी नींद सोता प्रशासन

(योगेश कुमार गोयल)

यदि कोई इमारत नियमों के विरुद्ध बन रही थी तो निर्माण के दौरान संबंधित नगर निगम अधिकारी कहां थे? यदि वहां व्यावसायिक गतिविधियां चल रही थी तो फायर विभाग ने सुरक्षा का आकलन क्यों नहीं किया? बिजली और पानी के कनेक्शन किस आधार पर मिले? पुलिस और स्थानीय प्रशासन की नजर उस भवन पर क्यों नहीं पड़ी?

दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के सत्य निकेतन में जो हृदयविदारक घटना घटित हुई है, वह केवल एक पांच मंजिला इमारत के भरभराकर गिरने की घटना नहीं बल्कि राजधानी की उस व्यवस्था का ढ़हना है, जिसकी नींव नागरिकों की सुरक्षा, कानून के शासन और प्रशासनिक जवाबदेही पर टिकी होनी चाहिए थी। जिस इमारत में कुछ घंटे पहले तक देश के अलग-अलग हिस्सों से आए युवा अपने भविष्य के सपने बुन रहे थे, देखते ही देखते वह ईंट, सीमेंट और लोहे के मलबे में बदल गई। धूल का गुबार तो छंट जाएगा, मलबा भी हट जाएगा, सड़कें फिर सामान्य हो जाएंगी लेकिन उन परिवारों के जीवन में जो शून्य पैदा हुआ है, वह कभी नहीं भर सकेगा। 'हॉस्टल डेज' नामक लड़कों के लिए बने पीजी की इस पांच मंजिला इमारत में हादसे के वक्त कई छात्र अपने कमरों में थे, जिनके मलबे में दबे होने की आशंका है। बताया जा रहा है कि इमारत लगभग 40-50 वर्ष पुरानी थी और हादसे के समय बेसमेंट में मरम्मत तथा खुदाई का काम चल रहा था। यही तथ्य इस त्रासदी को और भयावह बना देता है।

सवाल केवल यह नहीं है कि इमारत क्यों गिरी बल्कि असली सवाल यह है कि इतनी पुरानी और संवेदनशील इमारत में बेसमेंट की खुदाई और निर्माण संबंधी गतिविधियां आखिर चल कैसे रही थी? हर बड़े भवन हादसे के बाद एक ही कहानी दोहराई जाती है। प्रशासन कहता है कि जांच होगी, कुछ छोटे अधिकारियों पर कार्रवाई होती है और कुछ दिनों बाद पूरा मामला फाइलों के नीचे दब जाता है। फिर किसी दूसरे इलाके में कोई और इमारत गिरती है, कहीं आग लगती है, कोई बेसमेंट मौत का कुआं बन जाता है और हम फिर वही प्रश्न पूछते रह जाते हैं कि आखिर जिम्मेदार कौन है? सच तो यह है कि भारत के शहरों में कोई बहुमंजिला अवैध निर्माण रातों-रात खड़ा नहीं होता। जमीन का उपयोग बदलता है, नक्शा बनता है, निर्माण शुरू होता है,

मंजिलें बढ़ती हैं, बिजली-पानी के कनेक्शन मिलते हैं और अंततः उस इमारत में व्यावसायिक गतिविधियां शुरू हो जाती हैं। इस पूरी प्रक्रिया में अनेक विभागों और अधिकारियों की भूमिका होती है। ऐसे में यह कहना कि प्रशासन को कुछ पता ही नहीं था, जिम्मेदारी से बचने का सबसे आसान बहाना है।

यदि कोई इमारत नियमों के विरुद्ध बन रही थी तो निर्माण के दौरान संबंधित नगर निगम अधिकारी कहां थे? यदि वहां व्यावसायिक गतिविधियां चल रही थी तो फायर विभाग ने सुरक्षा का आकलन क्यों नहीं किया? बिजली और पानी के कनेक्शन किस आधार पर मिले? पुलिस और स्थानीय प्रशासन की नजर उस भवन पर क्यों नहीं पड़ी? और यदि सब कुछ नियमों के अनुसार था तो फिर हादसा हुआ कैसे? यही वे प्रश्न हैं, जिनका जवाब केवल ठेकेदार या किसी छोटे कर्मचारी को दोषी ठहराकर नहीं दिया जा सकता। सत्य निकेतन की त्रासदी इसलिए भी गंभीर है क्योंकि दिल्ली में पीजी संस्कृति तेजी से बढ़ी है। देशभर से राजधानी में पढ़ने, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने और रोजगार तलाशने आने वाले हजारों युवा ऐसी इमारतों में रहते हैं, जहां कमरे छोटे हैं, गलियां संकरी हैं, सीढ़ियां संकरी हैं और सुरक्षा मानकों की स्थिति अक्सर संदिग्ध रहती है। मकान मालिक के लिए कमरों की संख्या बढ़ाना कारोबार है लेकिन उस कमरे में रहने वाला छात्र अपने सपने लेकर वहां आता है। जब छह कमरों की अनुमति वाली इमारत में 25 से अधिक कमरे बना दिए जाते हैं, जब बेसमेंट को पार्किंग के बजाय व्यावसायिक गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जब एक ही निकास मार्ग पर सैंकड़ों लोगों की सुरक्षा निर्भर कर दी जाती है, तब यह केवल नियमों का उल्लंघन नहीं रहता, यह मानव जीवन के साथ खिलवाड़ बन जाता है।

दिल्ली में अतीत की त्रासदियां भी हमें बार-बार चेताती रही हैं। 1997 का उपहार सिनेमा अग्निकांड हो या हाल के वर्षों में सामने आए बेसमेंट, कोचिंग सेंटर और व्यावसायिक इमारतों से जुड़े हादसे, हर घटना के बाद सुरक्षा मानकों पर सवाल उठे। बंद दरवाजे, अवरुद्ध निकास, अवैध निर्माण, अग्निशमन उपकरणों की अनुपलब्धता और प्रशासनिक उदासीनता बार-बार त्रासदियों की पृष्ठभूमि में दिखाई देती रही है। फिर भी व्यवस्था की स्मृति इतनी कमजोर है कि कुछ दिनों बाद सब कुछ फिर पुराने ढ़र्रे पर लौट आता है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि सस्पेंशन हमेशा छोटे कर्मचारी का ही क्यों होता है? यदि किसी इलाके में वर्षों तक अवैध निर्माण चलता रहा, यदि नियमों के विपरीत इमारतें खड़ी होती रही और उनमें पीजी, कोचिंग सेंटर, दुकानें या अन्य व्यावसायिक गतिविधियां चलती रही तो उस पूरे प्रशासनिक तंत्र की जवाबदेही तय होनी चाहिए, जिसने इसे होने दिया। तत्कालीन अवैध निर्माण प्रभारी, संबंधित वरिष्ठ अधिकारी, जोनल स्तर के जिम्मेदार अधिकारी और संबंधित विभागों की भूमिका की निष्पक्ष जांच क्यों न हो? यदि मिलीभगत प्रमाणित होती है तो कार्रवाई भी उसी अनुपात में कठोर क्यों न हो?

समस्या किसी एक इमारत की नहीं है। दिल्ली और देश के तमाम शहरों में हजारों ऐसी इमारतें हैं, जो बाहर से सामान्य दिखाई देती हैं लेकिन भीतर से मौत के जाल में बदल चुकी हैं। कहीं बेसमेंट में अवैध निर्माण है, कहीं बिना वेंटिलेशन के कोचिंग सेंटर, कहीं संकरी सीढ़ियां, कहीं बंद खिड़कियां, कहीं लोहे की ग्रिलें और कहीं एक ही प्रवेश-निकास द्वार। अग्निशमन उपकरण कई जगह केवल निरीक्षण के समय दिखाने के लिए रखे जाते हैं और आपातकालीन निकास कागजों पर मौजूद रहते हैं, वास्तविकता में नहीं। ऐसी स्थिति में हादसा होने पर दमकल की गाड़ियां भी संकरी गलियों में फंस जाती हैं। बचाव दल के पास पहुंचने का रास्ता नहीं होता और अंदर फंसे लोगों के पास बाहर निकलने का रास्ता नहीं होता। फिर कुछ ही मिनटों में एक इमारत कब्रिस्तान में बदल जाती है।

अब जरूरत केवल दोषी खोजने की नहीं, व्यवस्था बदलने की है। दिल्ली की सभी पुरानी बहुमंजिला और व्यावसायिक इमारतों का व्यापक सुरक्षा ऑडिट होना चाहिए। पीजी, हॉस्टल, कोचिंग सेंटर और बेसमेंट में संचालित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की अनिवार्य जांच होनी चाहिए। फायर एनओसी की प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल, पारदर्शी और समयबद्ध हो। अवैध निर्माण पर केवल जुर्माना लगाकर उसे वैध बनाने की प्रवृत्ति समाप्त होनी चाहिए। गंभीर उल्लंघन वाली इमारतों को तत्काल सील और आवश्यकतानुसार ध्वस्त किया जाना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण यह कि जिम्मेदारी ऊपर तक जानी चाहिए। किसी दुर्घटना के बाद दो-चार छोटे कर्मचारियों को निलंबित कर देना प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, अक्सर जिम्मेदारी से बचने का तरीका बन जाता है। यदि किसी अधिकारी की लापरवाही, मिलीभगत या भ्रष्ट आचरण के कारण लोगों की जान जोखिम में पड़ी है तो उसके विरुद्ध कठोर आपराधिक कार्रवाई होनी चाहिए। पद जितना बड़ा हो, जवाबदेही भी उतनी ही बड़ी होनी चाहिए।

सत्य निकेतन का मलबा केवल ईंट-पत्थरों का ढ़ेर नहीं है। उसके नीचे प्रशासनिक दावों की विश्वसनीयता, भवन सुरक्षा के नियमों और नागरिकों के भरोसे की भी परीक्षा हो रही है। इस त्रासदी को 'हादसा' कहकर आगे बढ़ जाना सबसे बड़ा अपराध होगा। हादसा वह होता है, जिसे रोका न जा सके लेकिन जिस दुर्घटना की जमीन अवैध निर्माण, नियमों की अनदेखी, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही से तैयार होती है, उसे केवल हादसा कहना सच्चाई को छोटा करना है। यदि इस बार भी जांच के नाम पर खानापूर्ति हुई, छोटे कर्मचारियों पर गाज गिराकर बड़े जिम्मेदार बच निकले और कुछ लाख रुपये के मुआवजे को न्याय का विकल्प बना दिया गया तो अगली त्रासदी केवल समय की प्रतीक्षा करेगी।

पाकिस्तान की तबियत बिगड़ी ! ब्रिक्स में मोदी का शक्ति प्रदर्शन देख इस्लामाबाद में जबरदस्त खलबली

(नीरज कुमार दुबे)

इस्लामाबाद के लिए दिल्ली का यह सम्मेलन इसलिए असहज करने वाला है क्योंकि यहां चीन, ईरान और सऊदी अरब जैसे उसके अपने रणनीतिक साझेदार भी मौजूद हैं। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्टें दर्शा रही हैं कि इस्लामाबाद की कुटिल नजर भारत-चीन संबंधों के संभावित सुधार पर टिकी हुई हैं।

नई दिल्ली में आयोजित हो रहे 18वें ब्रिक्सशिखर सम्मेलन की गूंज वैसे तो पूरी दुनिया में सुनाई दे रही है लेकिन पाकिस्तान के सत्ता और रक्षा प्रतिष्ठान में इसे लेकर जबरदस्त सन्नाटा छाया हुआ है। सन्नाटा इसलिए है क्योंकि शहबाज शरीफ से लेकर असीम मुनीर तक, आसिफ अली जरदारी से लेकर ख्वाजा आसिफ तक और इशाक डार से लेकर पाकिस्तान के अन्य बड़बोले नेताओं तक की नजरें टीवी चैनलों पर लगी हुई हैं और जैसे जैसे वैश्विक नेता एक एक कर दिल्ली की धरती पर उतर रहे हैं वैसे वैसे पाकिस्तान हुक्मरानों का गला सूखता जा रहा है।

हम आपको बता दें कि इस्लामाबाद के लिए दिल्ली का यह सम्मेलन इसलिए असहज करने वाला है क्योंकि यहां चीन, ईरान और सऊदी अरब जैसे उसके अपने रणनीतिक साझेदार भी मौजूद हैं। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्टें दर्शा रही हैं कि इस्लामाबाद की कुटिल नजर भारत-चीन संबंधों के संभावित सुधार पर टिकी हुई हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय से भी बाकायदा चीन-भारत बढ़ती नजदीकी पर सवाल पूछा गया, जिस पर उसने कहा कि चीन के साथ उसकी आल वेदर साझेदारी किसी तीसरे देश के साथ चीन के संबंधों से प्रभावित नहीं होगी। लेकिन यही स्पष्टीकरण बताता है कि सवाल कितना महत्वपूर्ण हो चुका है।

पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा झटका मोदी-शी जिनपिंग की मुलाकात होने वाली है। सात साल बाद शी जिनपिंग का भारत आना अपने आप में बड़ा संकेत है। सीमा विवाद के बाद दोनों देशों ने धीरे-धीरे संवाद बहाल किया है और अब व्यापार, निवेश, सीमा प्रबंधन तथा रणनीतिक संवाद पर आगे बढ़ने की कोशिश हो रही है। पाकिस्तान के लिए समस्या यह है कि उसकी सुरक्षा रणनीति लंबे समय से इस धारणा पर टिकी रही है कि भारत को दो मोर्चों पर एक साथ दबाव में रखा जा सकता है। लेकिन अगर बीजिंग और नई दिल्ली टकराव से प्रतिस्पर्धी सह-अस्तित्व की ओर बढ़ते हैं, तो इस्लामाबाद का वह रणनीतिक गणित कमजोर पड़ सकता है। साथ ही पाकिस्तान इसलिए भी परेशान है कि यदि भारत और चीन के संबंध सुधरे तो भविष्य के भारत-पाक संघर्ष में बिना बीजिंग के सहयोग के इस्लामाबाद के लिए मैदान में कुछ घंटे टिक पाना भी मुश्किल हो जायेगा। दूसरा मोर्चा मोदी-पुतिन समीकरण है। दोनों नेताओं की बैठक में स्-400 की अंतिम यूनिट की डिलीवरी और अगली पीढ़ी के बारहमास पर चर्चा हो रही है। भारत को चार एस-400 रेजिमेंट मिल चुकी हैं और पांचवीं की डिलीवरी पर रूस ने अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। पाकिस्तान के लिए यह इसलिए चिंता का विषय है क्योंकि भारत की वायु-रक्षा और लंबी दूरी की मारक क्षमता में रूसी सहयोग उसकी सैन्य गणना को और कठिन बनाता है। आने वाले समय में बारहमास के उन्नत संस्करण और संयुक्त उत्पादन पर बातचीत इस तस्वीर को और गंभीर बना सकती है। हम आपको याद दिला दें कि पिछले साल हुए भारत-पाक सैन्य संघर्ष के दौरान रूस की एस-400 ने पाकिस्तान के लगभग सभी हमलों को निष्क्रिय कर दिया था। उस समय पाकिस्तान ने चीन और तुर्की से रक्षा उपकरण लेकर भारत पर निशाने साधे थे लेकिन एस-400 के आगे कोई नहीं टिक पाया था। ऐसे में पाकिस्तान की नजरें इस बात पर बनी हुई हैं कि भारत और रूस के बीच क्या नये रक्षा समझौते होने जा रहे हैं।

पाकिस्तान की तीसरी चिंता सऊदी अरब और चौथी ईरान को लेकर है। ब्रिक्स की मेज पर सऊदी अरब और ईरान दोनों हैं, जबकि पश्चिम एशिया अब भी संघर्ष की आग में झुलस रहा है। पाकिस्तान के लिए यह बेहद असहज परिस्थिति है क्योंकि एक तरफ वह सऊदी अरब के साथ अपने सुरक्षा संबंधों को महत्वपूर्ण मानता है, दूसरी तरफ भारत के खाड़ी देशों के साथ रिश्ते लगातार गहरे हो रहे हैं। इसी बीच ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन भारत पहुंचे हैं और मोदी के साथ उनकी द्विपक्षीय वार्ता भी हो रही है। पाकिस्तान की चिंता यहां यह है कि सऊदी अरब के साथ वह हाल ही में मक्का पैक्ट में शामिल हुआ है। ऐसे में यदि भारत और सऊदी अरब के संबंध और मजबूत होते हैं तो मक्का पैक्ट के पैकेट की हवा पूरी तरह निकल जायेगी। साथ ही ईरानी राष्ट्रपति से मोदी की बातचीत के बाद यदि पश्चिम एशिया के हालात में सुधार होता है तो पाकिस्तान की उस पूरी कूटनीतिक कवायद पर पानी फिर जायेगा जिसके तहत कभी अमेरिका और ईरान को इस्लामाबाद बुलाकर वार्ता कराई गयी तो कभी शहबाज शरीफ और असीम मुनीर भागे भागे तेहरान और वाशिंगटन के चक्कर लगाते रहे।

मायावती ने आकाश को क्यों दिखाई 'जमीन' ?

उन्होंने आरोप लगाया कि आकाश आनंद और अशोक सिद्धार्थ पार्टी और बहुजन आंदोलन के हित से ज्यादा पारिवारिक रिश्तों और निजी हितों को महत्व दे रहे हैं। मायावती का सबसे तीखा सवाल आकाश की सोशल मीडिया गतिविधियों को लेकर था। उनका कहना था कि आकाश पहले उनके पोस्ट को लगातार रीपोस्ट करके अपनी राजनीतिक निष्ठा जताते रहे हैं, लेकिन सिद्धार्थ से जुड़े हालिया पोस्ट को उन्होंने रीपोस्ट नहीं किया, जबकि मायावती के मुताबिक वह पोस्ट खुद आकाश के राजनीतिक हित में था।

(नीरज कुमार दुबे)

बसपा सुप्रीमो ने आकाश की 'दोहरी मानसिकता' पर सवाल खड़ा कर दिया। उनका तर्क था कि अगर आकाश के लिए पार्टी और बहुजन आंदोलन से ज्यादा अहम पारिवारिक रिश्ते हैं तो फिर वह पार्टी के लिए प्रभावी ढंग से काम कैसे कर सकते हैं?

बहुजन समाज पार्टी की सियासत में एक बार फिर ऐसा उलटफेर हुआ है, जिसने पार्टी के साथ-साथ उत्तर प्रदेश की चुनावी राजनीति में भी हलचल तेज कर दी है। जिस कवायद को आकाश आनंद के सियासी भविष्य की राह साफ करने की कोशिश माना जा रहा था, वही कुछ घंटों में उनके बहुजन समाज पार्टी से पूरी तरह बाहर होने की पटकथा बन गई। हम आपको बता दें कि बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी से 'पूरी तरह आजाद' कर दिया है।

खास बात यह है कि मायावती ने यह फैसला आकाश के ससुर और पूर्व राज्यसभा सांसद अशोक सिद्धार्थ के राजनीति से संन्यास की घोषणा के तत्काल बाद लिया। यानी जिस शर्त को आकाश की वापसी और राजनीतिक सक्रियता के रास्ते की आखिरी बाधा माना जा रहा था, वह शर्त पूरी हुई, लेकिन नतीजा उम्मीद के ठीक उलट निकला। अशोक सिद्धार्थ ने गुरुवार सुबह भावुक संदेश के जरिए राजनीति से संन्यास का ऐलान किया। उन्होंने साफ कहा कि मायावती का आदेश उनके लिए पारिवारिक और राजनीतिक रिश्तों से ऊपर है। उन्होंने यह भी कहा कि आकाश ने करीब दो दशक मायावती की देखरेख और मार्गदर्शन में बिताए हैं और उनके भीतर मायावती का 'खून' बहता है। सिद्धार्थ ने खुद पर आकाश को प्रभावित या गुमराह करने के आरोपों को भी खारिज किया और कहा कि उनके जैसे सामान्य कार्यकर्ता की इतनी हैसियत ही कहां कि वह आकाश को गुमराह कर सके।

लेकिन बसपा सुप्रीमो के तेवर इससे नरम नहीं हुए। मायावती ने अपने दस सूत्रीय संदेश में साफ कर दिया कि मामला केवल संगठनात्मक जिम्मेदारी का नहीं है, बल्कि निष्ठा, परिवार और राजनीतिक प्राथमिकताओं का है। उन्होंने आरोप लगाया कि आकाश आनंद और अशोक सिद्धार्थ पार्टी और बहुजन आंदोलन के हित से ज्यादा पारिवारिक रिश्तों और निजी हितों को महत्व दे रहे हैं। मायावती का सबसे तीखा सवाल आकाश की सोशल मीडिया गतिविधियों को लेकर था। उनका कहना था कि आकाश पहले उनके पोस्ट को लगातार रीपोस्ट करके अपनी राजनीतिक निष्ठा जताते रहे हैं, लेकिन सिद्धार्थ से जुड़े हालिया पोस्ट को उन्होंने रीपोस्ट नहीं किया, जबकि मायावती के मुताबिक वह पोस्ट खुद आकाश के राजनीतिक हित में था।

यहीं से बसपा सुप्रीमो ने आकाश की 'दोहरी मानसिकता' पर सवाल खड़ा कर दिया। उनका तर्क था कि अगर आकाश के लिए पार्टी और बहुजन आंदोलन से ज्यादा अहम पारिवारिक रिश्ते हैं तो फिर वह पार्टी के लिए प्रभावी ढंग से काम कैसे कर सकते हैं? मायावती ने अशोक सिद्धार्थ के राजनीति छोड़ने के फैसले को सही कदम बताया, लेकिन साथ ही यह भी कह दिया कि फैसला देर से लिया गया। उनका आरोप था कि अगर सिद्धार्थ को अपने दामाद के उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की सचमुच चिंता होती तो वह उसी वक्त राजनीति छोड़ने की घोषणा कर देते। देरी को मायावती ने सिद्धार्थ की महत्वाकांक्षा और नीयत पर सवाल उठाने का आधार बनाया।

दरअसल, आकाश आनंद पिछले कुछ वर्षों में बसपा की अगली पीढ़ी के चेहरे के तौर पर तेजी से उभरे थे। मायावती ने उन्हें राष्ट्रीय समन्वयक जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी थी। लेकिन आकाश की राजनीतिक भूमिका बार-बार बदलती रही। तीन सितंबर को उन्हें राष्ट्रीय समन्वयक पद से हटाया गया और अब पार्टी से ही 'आजाद' कर दिया गया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों की आहट तेज हो चुकी है। बसपा के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि मायावती के बाद पार्टी का चेहरा कौन होगा और संगठन को नई पीढ़ी तक कैसे पहुंचाया जाएगा। आकाश आनंद को इसी संक्रमण का संभावित चेहरा माना जा रहा था। अब उनके बाहर होने से बसपा की उत्तराधिकार की पूरी रणनीति फिर सवालों के घेरे में है।

इस बीच मायावती के छोटे भाई के बेटे ईशान आनंद की हाल के महीनों में उनके साथ बढ़ती मौजूदगी भी सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई है। इससे बसपा में अगली पीढ़ी की कमान को लेकर अटकलें और तेज हो सकती हैं।

देखा जाये तो उत्तर प्रदेश की राजनीति में मायावती का यह फैसला महज एक पारिवारिक विवाद नहीं माना जाएगा। 2027 में मुकाबला बहुकोणीय होने की स्थिति में बसपा का हर फैसला उसके वोट बैंक, संगठन और सोशल इंजीनियरिंग पर असर डालेगा। आकाश जैसे युवा चेहरे की विदाई से पार्टी को जहां नई पीढ़ी से जुड़ने में चुनौती मिल सकती है, वहीं मायावती के सामने अब यह साबित करने की चुनौती होगी कि बसपा किसी एक उत्तराधिकारी के भरोसे नहीं, बल्कि उनके अपने राजनीतिक नियंत्रण और संगठनात्मक ढांचे पर खड़ी है।

फिलहाल संदेश साफ है कि ससुर ने राजनीति छोड़ी, लेकिन दामाद की कुर्सी नहीं बची। और मायावती की बसपा में रिश्ते नहीं, राजनीतिक निष्ठा अंतिम कसौटी है। 2027 के रण में इस फैसले की असली कीमत और असर तब सामने आएगा, जब हाथी मैदान में उतरेगा।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

शामली में समाज सेवा, स्वास्थ्य जांच अभियान, धार्मिक अनुष्ठान और प्रशासनिक गतिविधियों की रही धूम

जिलेभर में स्वास्थ्य विभाग की जांच, रक्तदान शिविर, चश्मा वितरण, पर्युषण पर्व, गणेशोत्सव तैयारी और राजनीतिक हलचलें रहीं केंद्र में

शामलीः जिले में सामाजिक सरोकारों, स्वास्थ्य सेवाओं, धार्मिक अनुष्ठानों और राजनीतिक हलचलों से भरी कई गतिविधियां आयोजित की गईं। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक एक ओर जहां निशुल्क चश्मा वितरण शिविर और पर्यावरण जागरूकता अभियान चलाए गए, वहीं स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सघन चेकिंग अभियान चलाकर गैर-पंजीकृत अस्पतालों पर शिकंजा कसा। इसके अलावा धार्मिक स्थलों पर पर्युषण पर्व की आराधना हुई और आगामी गणेशोत्सव को लेकर भी तैयारियां तेजी से शुरू कर दी गई हैं।उत्तर प्रदेश डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ जनपद शामली की ओर से स्वर्गीय इं. आरके दत्त की पुण्यतिथि के अवसर पर रक्तदान शिविर लगाने की घोषणा की गई है। महासंघ के जनपद अध्यक्ष इंजी. दीप्तेश तोमर ने जानकारी देते हुए बताया कि यह रक्तदान शिविर 15 सितंबर को सुबह 11 बजे से लोक निर्माण विभाग परिसर स्थित एकता सदन, डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ भवन में शुरू होगा। उन्होंने बताया कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य अस्पताल में भर्ती जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना है। इसके साथ ही आम जनता के बीच रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना और समाज में सेवा भाव को बढ़ावा देना भी इस आयोजन का लक्ष्य है। इंजी. दीप्तेश तोमर ने जिले के सभी अभियंताओं, संघ के सदस्यों और स्थानीय नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर रक्तदान करें। आयोजकों ने कहा कि एक तंदुरुस्त व्यक्ति द्वारा दिया गया खून किसी भी गंभीर मरीज की जान बचाने में बेहद अहम साबित हो सकता है।अवैध क्लीनिकों पर स्वास्थ्य विभाग की छापेमारी और निशुल्क नेत्र जांच शिविर

जिले में अवैध क्लीनिकों और झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग की टीम ने रविवार को कड़ा रुख अपनाया। गैर-कानूनी क्लीनिक और झोलाछाप के

नोडल अधिकारी डॉ. दीपक चौधरी की अगुवाई में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शहर में कई स्थानों पर अचानक पहुंचकर निरीक्षण किया। जांच के दौरान नोडल अधिकारी मोहल्ला सलेक विहार पहुंचे, जहां उन्होंने आनंद हॉस्पिटल और जीवन रक्षा हॉस्पिटल का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय अस्पतालों में कई तरह की कमियां पाई गईं, जिन्हें तुरंत ठीक करने के निर्देश दिए गए। नोडल अधिकारी ने अस्पतालों में तैनात डॉक्टरों के बारे में जानकारी मांगी और उनकी डिग्रियों की भी जांच की।जांच के समय मौके पर कोई भी डॉक्टर उपस्थित नहीं मिला। इस पर कड़ी नाराजगी जताते हुए डॉ. दीपक चौधरी ने अस्पताल संचालकों को निर्देश दिया कि वे तुरंत डॉक्टरों को मौके पर बुलाएं। जब अस्पताल संचालकों ने बताया कि डॉक्टर बाहर गए हुए हैं, तो नोडल अधिकारी ने स्पष्ट तौर पर कहा कि बिना डॉक्टर की मौजूदगी के किसी भी मरीज को अस्पताल में भर्ती न किया जाए। इसके बाद उन्होंने अस्पतालों के ऑपरेशन थिएटर और मरीजों के वार्डों का जायजा लिया। वार्डों में सफाई व्यवस्था और दूसरी कमियां दिखने पर उन्हें तत्काल प्रभाव से सुधारने की चेतावनी दी गई। नोडल अधिकारी ने सख्त लहजे में कहा कि यदि बिना रजिस्ट्रेशन के अस्पताल चलता पाया गया, तो विभागीय कार्रवाई की जाएगी और गंभीर लापरवाही सामने आने पर सीधे एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की इस अचानक हुई कार्रवाई से बिना रजिस्ट्रेशन अस्पताल चलाने वाले लोगों में हड़कंप मचा रहा।दूसरी तरफ, लोक स्वास्थ्य सेवा ट्रस्ट शामली की ओर से हॉस्पिटल रोड पर स्थित पालिका मार्केट में निशुल्क 103वें चश्मा वितरण शिविर का आयोजन किया गया। इस सेवा शिविर की शुरूआत ट्रस्ट के अध्यक्ष कुलदीप गोयल ने की। शिविर के दौरान कुल 96 जरूरतमंद लोगों की आंखों की जांच की गई, जिनमें से 62 लोगों को बिना किसी शुल्क के चश्मे बांटे गए। शिविर में पहुंचे नेत्र विशेषज्ञ डॉ. अब्दुल बासित ने कंप्यूटर मशीन की मदद से मरीजों की आंखों की जांच की और उन्हें जरूरी परामर्श दिया। ट्रस्ट के अध्यक्ष कुलदीप गोयल ने बताया कि सहयोगियों की मदद से यह शिविर लगातार आयोजित किए जा रहे हैं ताकि गरीब और जरूरतमंद लोगों को आंखों की जांच और चश्मे की सुविधा मुफ्त मिल सके। इस मौके पर ट्रस्ट के सचिव संजय कुमार त्यागी, सचिन गौतम एडवोकेट, रवि संगल, नरेंद्र और नाबिल समेत कई अन्य लोग उपस्थित रहे। पर्यावरण को बचाने और लोगों को इसके प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से लायंस क्लब शामली सिनर्जी की ओर से एक विशेष अभियान चलाया गया। क्लब की ओर से शहर के सेंट आरसी कॉन्वेंट स्कूल और सेंट द्रोणा पब्लिक स्कूल कांधला में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रोजेक्ट कन्वीनर पारस जैन और प्रोजेक्ट चेयरमैन भारत संगल की अगुवाई में यह पूरा कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस दौरान दोनों स्कूलों में पौधे लगाए गए और छात्रों को पौधे वितरित भी किए गए।

गोगामाढ़ी में सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का हुआ शुभारंभ

थानाभवन। श्री शिव गोरक्षनाथ मंदिर गोगामाढ़ी के प्रांगण में शनिवार से श्री हनुमान चालीसा के सस्वर सामूहिक पाठ के कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बालयोगी ब्रह्मनिष्ठ स्वामी रामनरेशदास जी महाराज ने विधिवत दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का सस्वर पाठ किया और धार्मिक वातावरण भक्तिमय हो गया। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं ने भगवान हनुमान के जयकारे लगाए तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की।

आयोजकों के अनुसार सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का कार्यक्रम 12 सितंबर 2026 से आयोजित किया जा रहा है । कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को धार्मिक एवं आध्यात्मिक गतिविधियों से जोड़ना तथा सामूहिक रूप से प्रभु का स्मरण करना है।

कार्यक्रम में डॉ. सुमेर चंद, सभासद विनोद कुमार सैनी, श्री राधेश्याम दीवान, विपुल कुमार, ऋषिपाल, विकसित, पंकज गोयल, सहेन्द्र कुमार, बालमुकुंद, हिम्मत सिंह, राजेश सैनी, राजेश, सुखराम, गौरव सैनी सहित अनेक श्रद्धालु एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

घर और दुकान में चोरी का खुलासाः थानाभवन पुलिस ने दो आरोपियों को दबोचा, तार के बंडल और नकदी बरामद

थानाभवन। थाना थानाभवन क्षेत्र में घर और इलेक्ट्रॉनिक्स-हार्डवेयर की दुकान में हुई चोरी की दो वारदातों का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी के दो पिट्ठू बैग, बिजली के तार के दो बंडल और कुल 9,800 रुपये की नकदी बरामद की है। गिरफ्तार दोनों आरोपी सहारनपुर जनपद के ननौता थाना क्षेत्र के गांव पांडूखेड़ी के रहने वाले हैं।

थाना प्रभारी निरीक्षक बिजेंद्र सिंह रावत ने बताया कि 6/7 जुलाई की रात गांव अम्बहेटा याकूबपुर निवासी मनोज कुमार के घर में अज्ञात चोरों ने घुसकर आभूषण और नकदी चोरी कर ली थी। इसके बाद 6/7 सितंबर की रात गांव हिंड निवासी शहजाद अली की इलेक्ट्रॉनिक्स एवं हार्डवेयर की दुकान को निशाना बनाया गया। चोर दुकान में लगा सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर, वाईफाई और बिजली के तार के बंडल चोरी कर ले गए थे। दोनों मामलों में मुकदमे दर्ज होने के बाद पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी थी। रविवार को अपराधियों की गिरफ्तारी के अभियान के तहत पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए अरुण पुत्र अनिल और भगवत उर्फ भूरा पुत्र अमर सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपियों के पास से एक मामले से संबंधित 1300 रुपये, दो पिट्ठू बैग और 1.5 एमएम व 1 एमएम बिजली के तार के बंडल बरामद हुए। वहीं दूसरे मामले से संबंधित 8500 रुपये नकद बरामद किए गए हैं।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। कार्रवाई करने वाली टीम में उपनिरीक्षक वीरेंद्र सिंह राणा, अरविंद कुमार, हेड कांस्टेबल नीरज कश्यप और कांस्टेबल विकास मलिक शामिल रहे।

शामली का चर्चित आयुष मलिक धर्मांतरण मामलाः इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दिया आयुष को 16 सितंबर को पेश करने का आदेश

दोस्त की याचिका पर हाईकोर्ट का बड़ा आदेश, पिता पर लगा है बंधक बनाने का आरोप

शामलीः उत्तर प्रदेश के शामली जिले के चर्चित आयुष मलिक धर्मांतरण मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक बड़ा और बेहद अहम आदेश जारी किया है। अदालत ने इस मामले से जुड़ी एक याचिका पर सुनवाई करते हुए निर्देश दिया है कि आयुष मलिक को आगामी 16 सितंबर को हर हाल में कोर्ट के सामने पेश किया जाए।इलाहाबाद हाईकोर्ट में यह याचिका आयुष मलिक के दोस्त मोहम्मद सुल्तान की तरफ से दाखिल की गई है। मोहम्मद सुल्तान ने अपनी इस याचिका में आयुष के पिता देवराज मलिक पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। याचिकाकर्ता का कहना है कि आयुष के पिता देवराज मलिक ने अपने ही बेटे को जबरन बंधक बनाकर अपने पास रखा हुआ है। हालांकि, पिता देवराज मलिक ने इन सभी आरोपों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। देवराज मलिक का कहना है कि उनका बेटा

किसी के कब्जे में नहीं है और न ही उसे बंधक बनाया गया है, बल्कि वह तो हर रोज सामान्य रूप से अपनी दुकान पर काम करने के लिए जाता है।इस मामले की गंभीरता को देखते हुए हाईकोर्ट ने जिला प्रशासन और आयुष के पिता देवराज मलिक दोनों को कड़े निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा है कि तय की गई तारीख यानी 16 सितंबर को आयुष को अदालत के समक्ष पेश किया जाए। अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा कि एक युवक को उसकी मर्जी के खिलाफ अवैध हिरासत में रखने और इस पूरे मामले में जिला प्रशासन की भूमिका होने के जो आरोप लगाए गए हैं, वे बेहद गंभीर प्रकृति के हैं। इसी वजह से इस मामले की तुरंत और बिना किसी देरी के सुनवाई करना बहुत जरूरी है। अदालत ने अपने आदेश में यह भी साफ कर दिया है कि अगर तय की गई तारीख पर आयुष मलिक को कोर्ट के सामने पेश नहीं किया जाता है, तो संबंधित अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में हलफनामा दाखिल करना पड़ेगा। इस हलफनामे में उन्हें साफ-साथ बताना होगा कि वे आयुष को कोर्ट के सामने क्यों नहीं ला पाए और उसे पेश करने के लिए प्रशासन की तरफ से क्या-क्या कदम उठाए गए थे।दूसरी तरफ, आयुष के पिता देवराज मलिक ने पहले ही इस मामले में कानूनी कदम उठाए थे। देवराज मलिक ने बीते 6 जून को शामली के शहर कोतवाली में एक लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस रिपोर्ट में उन्होंने आरोप लगाया था कि जिम ट्रेनर चांदनी कुरैशी ने उनके बेटे आयुष को अपने प्रेमजाल में फंसाया और फिर उसकी संपत्ति को हड़पने के इरादे से उसका धर्म परिवर्तन करवा दिया। पिता देवराज मलिक की शिकायत के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए जिम ट्रेनर चांदनी कुरैशी, उसके पिता इस्लाम कुरैशी और तीन मौलवियों समेत कुल आठ लोगों के खिलाफ अलग-अलग धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चांदनी कुरैशी और उसके पिता इस्लाम कुरैशी समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया था।

इसके बाद ही आयुष के दोस्त मोहम्मद सुल्तान ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया और बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की। इस याचिका में आरोप लगाया गया कि जिला प्रशासन की मदद से आयुष की निजी आजादी को छीना गया है और उसे उसके पिता ने अवैध रूप से अपनी हिरासत में रखा हुआ है। याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट में यह दावा भी किया कि आयुष ने बिना किसी दबाव के, अपनी खुद की मर्जी से हिंदू धर्म को छोड़कर इस्लाम धर्म अपनाया था

हसनपुर लुहारी में दो दिवसीय गोगा मेले का शुभारंभ

गोगा म्हाड़ी पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, सतीश सैनी ने फीता काटकर किया उद्घाटन

थानाभवन। थानाभवन ब्लॉक क्षेत्र के गांव हसनपुर लुहारी स्थित गोगा म्हाड़ी पर रविवार को दो दिवसीय गोगा मेले का शुभारंभ हुआ। मेले का उद्घाटन पूर्व प्रधान पति एवं समाजसेवी सतीश सैनी ने फीता काटकर किया। मेले के पहले दिन सुबह से ही गोगा जी के दरबार में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। श्रद्धालुओं ने गोगा जी की म्हाड़ी पर निशान और प्रसाद चढ़ाकर परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। आसपास के गांवों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने गोगा जी के जयकारे लगाते हुए दर्शन किए। मंदिर परिसर में दिनभर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। महिलाओं और बच्चों में मेले को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। मेले में विभिन्न प्रकार के झूले, खिलौनों, खान-पान और अन्य सामान की दुकानें सजाई गई हैं।

बच्चों ने झूलों का आनंद लिया, जबकि श्रद्धालुओं ने मेले में खरीदारी भी की। मेले के चलते गांव में पूरे दिन उत्सव जैसा माहौल बना रहा। आयोजनकर्ता राहुल सैनी ने बताया कि गोगा म्हाड़ी पर प्रत्येक वर्ष मेले का आयोजन किया जाता है। इसमें हसनपुर लुहारी के अलावा आसपास के गांवों और दूर-दराज के क्षेत्रों से भी श्रद्धालु पहुंचकर गोगा जी के दर्शन करते हैं। मेले की व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों और युवाओं ने भी सहयोग किया।

उद्घाटन के अवसर पर राहुल सैनी, निशांत रोहिला, विनोद सैनी, मुकेश भटनागर, चिंटू सैनी, मोनू, अंकित सहित अन्य ग्रामीण एवं श्रद्धालु मौजूद रहे।

मैं लॉरेंस बिश्नोई की पत्नी हूं, उसके खिलाफ एक भी शब्द नहीं सुनूंगी..,.बोल कर युवक को दी जान से मारने की धमकी, महिला गिरफ्तार

शामली (उत्तर प्रदेश)। कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के समर्थन में आकर उसके विरोधियों को जान से मारने की धमकी देने वाली एक महिला को उत्तर प्रदेश की शामली पुलिस ने राजस्थान के जयपुर से गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला की पहचान बिंदु देवी के रूप में हुई है, जो मॉल आदि में सुरक्षा गार्ड/बाउंसर के रूप में काम करती है। पुलिस पूछताछ में महिला ने चौंकाने वाला दावा करते हुए कहा कि उसने मन ही मन लॉरेंस बिश्नोई को अपना पति मान लिया है और उसके खिलाफ एक शब्द भी बर्दाश्त नहीं करेगी।अंकित बालियान की तेरहवीं के बाद शुरू हुआ विवाद मामले की शुरूआत हरियाणवी गायक अंकित बालियान की हत्या के बाद हुई। मुरादनगर में आयोजित तेरहवीं के दौरान अखिल भारतीय जाट महासभा के युवा जिलाध्यक्ष मुकुल चौधरी और यू-ट्यूबर नीरज ने मीडिया के सामने लॉरेंस बिश्नोई और गोगी गिरोह के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की थी।सोशल मीडिया पर इस बातचीत का वीडियो देखकर जयपुर में रह रही बिंदु देवी भड़क गई। उसने सोशल मीडिया के माध्यम से नीरज का मोबाइल नंबर हासिल किया और दोनों को फोन करके खुद को लॉरेंस की पत्नी बताते हुए जान से मारने की धमकी दी।"लॉरेंस को अपना पति मानती हूं, उसके खिलाफ नहीं सुनूंगी" एसपी नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि 9

सितंबर 2026 को गांव जंधेड़ी निवासी मुकुल चौधरी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि एक अनजान महिला फोन पर लॉरेंस की पत्नी बनकर हत्या की धमकी दे रही है। पुलिस टीम ने सर्विलांस की मदद से आरोपी महिला की लोकेशन जयपुर के करतारपुरा (अजमेर रोड) में ट्रेस की और उसे गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से धमकी देने में इस्तेमाल मोबाइल फोन भी बरामद हुआ है।पुलिस पूछताछ में बिंदु देवी ने बताया कि बिहार के बक्सर की रहने वाली है और 8 साल पहले अपने पति को तलाक दे चुकी है। वह 5 बच्चों के साथ जयपुर में रह रही है। उसने कहा, "मैंने मन ही मन लॉरेंस से शादी की है। भले ही मैं उससे कभी व्यक्तिगत रूप से न मिली हूं, लेकिन अगर कोई उसके बारे में गलत बोलेगा तो मैं उसका बदला लूंगी।" महिला ने अपने हाथ पर लॉरेंस बिश्नोई का नाम भी गुदवा रखा है।kपुलिस की जांच जारी शामली पुलिस के अनुसार आरोपी महिला के खिलाफ संबंधित कानूनी धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अब महिला के कॉल डिटेल्स, सोशल मीडिया नेटवर्क और किसी बड़े आपराधिक गिरोह से उसके संभावित संबंधों की भी गहनता से जांच कर रही है।

रंग संसार

'हनुमान अंश' की बंपर सफलता पर बोलीं अनुप्रिया नागर- 'उम्मीद से कहीं ज्यादा हुई कमाई, दर्शकों का आभार'

गाजियाबाद। 'हनुमान अंश' की प्रोड्यूसर अनुप्रिया नागर के लिए इस फिल्म की कहानी उनके सफर से गहराई से जुड़ी हुई है। यूके में पढ़ाई के दौरान जब उन्होंने नीम करौली बाबा के बारे में रिसर्च की, तो उन्हें पता चला कि बाबा की सोच से एप्पल के फाउंडर स्टीव जॉब्स समेत कई विदेशी लोग प्रभावित थे। एक भारतीय होने के बावजूद बाबा के बारे में विदेशियों के जरिए जानना अनुप्रिया के मन में ऐसा सवाल छोड़ गया, जिसने उन्हें इस कहानी को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के बारे में सोचने पर मजबूर कर दिया। उस समय उन्होंने किताब और कॉमिक बुक जैसे कई विचार सोचे थे, लेकिन किस्मत उन्हें सीधे 'हनुमान अंश' की स्क्रिप्ट तक ले गई।आज फिल्म जिस तरह दर्शकों के बीच पसंद की जा रही है और बॉक्स ऑफिस पर कमाई कर रही है, उसे देखकर अनुप्रिया का कहना है कि उन्हें भी इस सफलता की उम्मीद नहीं थी। अनुप्रिया नागर ने अपने सफर को याद करते हुए कहा, "मैं यूके में पढ़ रही थी, इकोनॉमिक्स कर रही थी। मेरी यूके में जॉब लग गई थी और मेरा भारत वापस आने का कोई प्लान नहीं था। फाइनल ईयर में जब मैं रिसर्च कर रही थी, तब मैंने देखा कि नीम करौली बाबा ने एप्पल के फाउंडर स्टीव जॉब्स को प्रभावित किया।इसके साथ दूसरे विदेशी लोगों को भी प्रभावित किया। ऐसे में मेरे दिमाग में एक सवाल आया कि मैं भारतीय हूं लेकिन नीम करौली बाबा के बारे में मुझे विदेशियों से क्यों पता चला।" अनुप्रिया ने अपने अनुभव को याद करते हुए कहा, "उस समय मैं जेन जी के नजरिए से इस कहानी को लोगों तक पहुंचाने के अलग-अलग तरीके सोचने लगी थीं। मेरे मन में किताब लिखने और कॉमिक बुक बनाने जैसे विचार आए। हालांकि जब मैं किसी काम से भारत वापस आई और मेरी मुलाकात प्रोड्यूसर रागिनी सोना से हुई। रागिनी ने मुझे बताया कि वह 'हनुमान अंश' नामक फिल्म बना रही हैं और फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है।

राज काज

यूएस फेड बैठक, कच्चे तेल की कीमत और घरेलू आर्थिक आंकड़ों से अगले हफ्ते तय होगी शेयर बाजार की चाल

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता काफी अहम होने वाला है। अमेरिकी फेड की बैठक, कच्चे तेल की कीमत और घरेलू आर्थिक आंकड़ों से भारतीय शेयर बाजार की चाल निर्धारित होगी। ब्याज दरों की समीक्षा के लिए अमेरिकी फेड की बैठक 15-16 सितंबर, 2026 को प्रस्तावित है। यह बैठक ऐसे समय पर हो रही है, जब महंगाई दर और बॉन्ड यील्ड उच्च स्तर पर हैं। ऐसे में फेड के निर्णय पर सभी निवेशकों की निगाहें बनी हुई है। वहीं, कच्चे तेल की कीमतें भी 100 डॉलर के ऊपर चली गई हैं।बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड का दाम 104.47 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 99.99 डॉलर पर था। अगले हफ्ते घरेलू स्तर पर भी कई अहम आंकड़े आने वाले हैं, जिसमें थोक महंगाई दर, खुदरा महंगाई दर, आयात-निर्यात, यात्री वाहन, बेरोजगारी और विदेशी मुद्रा भंडार से जुड़े डेटा शामिल होंगे। सोमवार को गणेश चतुर्थी होने के कारण अगले हफ्ते शेयर बाजार में पहला कारोबारी सत्र मंगलवार को होगा। इसके अतिरिक्त, बीते हफ्ते बाजार का प्रदर्शन कमजोर रहा था। इस दौरान सेंसेक्स 1,733.67 अंक या 2.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74,781.76 और निफ्टी 499.60 अंक या 2.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,398.10 पर बंद हुआ। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी कमजोरी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 881.85 अंक या 1.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 62,197.20 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 189.15 अंक या 0.94 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 19,906.30 पर था। सूचकांकों में सबसे अधिक गिरावट निफ्टी रियल्टी (-6.54 प्रतिशत), निफ्टी आईटी (-5.78 प्रतिशत), निफ्टी मेटल (-2.39 प्रतिशत), निफ्टी कमोडिटीज (-2.29 प्रतिशत), निफ्टी ऑयल एंड गैस (-2.24 प्रतिशत), निफ्टी सर्विसेज (-1.98 प्रतिशत), निफ्टी पीएसयू बैंक (-1.94 प्रतिशत) और निफ्टी एफएमसीजी (-1.83 प्रतिशत) में देखी गई। दूसरी तरफ निफ्टी हेल्थकेयर (0.51 प्रतिशत), निफ्टी फार्मा (0.21 प्रतिशत) और निफ्टी इंडिया डिफेंस (0.15 प्रतिशत) बढ़त के साथ बंद हुए।

दैनिक राशिफल सोमवार 14 सितम्बर 2026

मेष – कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी।

वृष – विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगे। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे।

मिथुन : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी।

कर्क – अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढढ्ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। आत्मविश्वास बढ़ेगा।

सिंह– धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। अपने काम पर ध्यान दीजिए।

कन्या – परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगें।

तुला – पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। लेदेकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। पुराने मित्र मिलेगें।

वृश्चिक – शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेलजोल से काम बनाने की कोशिश सफल होगी।

धनु – कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्यों में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे।

मकर – यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगे। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। अपने काम पर ध्यान दीजिए।

कुंभ – शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। इच्छित कार्य सफल होंगें।

मीन – मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी।

दैनिक पंचांग

14 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.03 बजे से
चंद्र	तुला में	तुला	08.14 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	10.28 ब.से
बुध	कन्या में	धनु	12.44 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर	14.49 बजे से
शुक्र	तुला में	कुंभ	16.36 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.09 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.39 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.19 बजे से
राहुकाल		मिथुन	23.17 बजे से
7.30 से 9.00		कर्क	01.31 बजे से
बजे तक		सिंह	03.47 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 257 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल **तिथि** तृतीया 07.07 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** चित्रा 13.55 बजे को समाप्त। **योग** ब्रह्म 12.47 बजे को समाप्त। **करण** गर 07.07 बजे तदनन्तर वणिज 19.21 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 02.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 03° 29' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872832 **जूलियन दिन** 2461297.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 02 **विशेष** हरतालिका तीज, गौरी हब्बा, गणेशोत्सव प्रारंभ, राष्ट्रीय हिन्दी दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

खतौली में बाल वैज्ञानिकों का कमाल: पेश किए दैनिक समस्याओं के समाधान, 5 श्रेष्ठ आइडिया चयनित, मिलेंगे 10-10 हजार रुपये

कुंद कुंद जैन इंटर कॉलेज में आयोजित हुई 'इंस्पायर अवार्ड' गोष्ठी

खतौली (मुजफ्फरनगर)। शासन द्वारा संचालित महत्वाकांक्षी 'इंस्पायर अवार्ड योजना' के अंतर्गत शनिवार को रा कुन्द कुन्द जैन इंटर कॉलेज, खतौली में विद्यालय स्तरीय नवाचार गोष्ठी का शानदार आयोजन किया गया। गोष्ठी में विद्यालय के बाल वैज्ञानिकों ने दैनिक जीवन से जुड़ी आम और व्यावहारिक समस्याओं के समाधान के लिए एक से बढ़कर एक अभिनव और वैज्ञानिक मॉडल व विचार प्रस्तुत किए।

यहां कुंद कुंद जैन इंटर कॉलेज में आयोजित हुई 'इंस्पायर अवार्ड' गोष्ठी में विद्यालय के कई छात्र-छात्राओं ने अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा का परिचय दिया। इनमें मुख्य रूप से अलशिफा, शबनूर, ईशा, कुमकुम, तन्मय, मोहम्मद सलीम, दीपांशी चौहान, नोमान, राधिका, दिव्यांशी, रमिशा और इलमा शामिल रहे। इन सभी विद्यार्थियों ने अपने-अपने नवाचारों का बड़े उत्साह के साथ प्रस्तुतीकरण किया। विद्यालय स्तर पर प्रस्तुत किए गए सभी नवाचारों में से सबसे बेहतरीन पांच (5) श्रेष्ठ आइडिया का चयन किया गया है। इन चुने हुए विचारों को इंस्पायर अवार्ड योजना के आधिकारिक वेब पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है। योजना के नियमानुसार, चयनित विद्यार्थियों को अपने आइडिया का वर्किंग मॉडल (प्रतिरूप) तैयार करने के लिए 10,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि सीधे प्रदान की जाएगी। इसके उपरांत, इन मॉडलों को जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की विज्ञान प्रतियोगिताओं में प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त होगा। किताबों से परे विज्ञान के व्यावहारिक इस्तेमाल का

संदेश कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने साबित कर दिया कि विज्ञान केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उपयोग रोजमर्रा की समस्याओं को आसान बनाने में किया जा सकता है। बाल वैज्ञानिकों ने बारिश के मौसम में बिजली के खंभों में उतरने वाले करंट से बचाव के उपाय, डॉक्टर द्वारा दी गई गोलियों को सटीक अनुपात में आधा काटने की डिवाइस, अनाज की बोरी को बिना खोले अंदर की फसल की खराबी जांचने की तकनीक और पौधों को पानी की वास्तविक आवश्यकता का आकलन करने जैसे अद्भुत मॉडल और विचार पेश किए। इसके अलावा, फ्रिज में रखी सब्जियों के खराब होने से पूर्व चेतावनी और खेतों में समान दूरी पर बीज बोने की सुगम तकनीक के नवाचार भी आकर्षण का केंद्र रहे। प्रधानाचार्य ने प्रमाण-पत्र देकर किया सम्मानित

कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अनुराग जैन ने सभी प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने विद्यार्थियों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण, रचनात्मकता और नवाचार की भावना की मुक्तकंठ से सराहना की और भविष्य में भी ऐसे नए प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। गोष्ठी संचालन एवं संयोजन रसायन प्रवक्ता राजकुमार जैन द्वारा किया गया। जबकि कार्यक्रम प्रभारी विज्ञान अध्यापक मदन गोपाल रहे। इस मौके पर दलीप सिंह, अतुल प्रताप, प्रमोद मोतला, नवीन जैन, सचिन जैन, मोनिका शर्मा, आयशा, कुलदीप कुमार, सतेंद्र मलिक, रोहित कुमार और दीपक सहित विज्ञान विभाग के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

भाकियू (टिकैत) ने किया संगठन विस्तार: मघिन्द्र बालियान बने तहसील संगठन मंत्री

भाकियू (अराजनीतिक) छोड दर्जनों कार्यकताओं ने थामा टिकैत गुट का दामन

मोरना (मुजफ्फरनगर)। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) ने धर्मनगरी शुकतीर्थ में आयोजित एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम के दौरान अपने संगठन का विस्तार किया है। इस दौरान भाकियू (अराजनीतिक) को बड़ा झटका देते हुए दर्जनों कार्यकताओं ने संगठन छोड़कर भाकियू टिकैत का दामन थाम लिया। कार्यक्रम में संगठन की नीतियों को मजबूती देने के लिए मघिन्द्र बालियान को तहसील संगठन मंत्री मनोनीत किया गया। रविवार को शुकतीर्थ स्थित खिचड़ी वालों के आश्रम में एक बैठक एवं जनसंपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी 17 सितंबर को आयोजित होने वाली विशाल किसान पंचायत में अधिक से अधिक किसान व मजदूरों की भागीदारी सुनिश्चित करना था। जनसंपर्क अभियान के दौरान वरिष्ठ किसान नेताओं ने ग्रामीणों से संवाद साधा। कार्यक्रम के दौरान चौधरी चरण सिंह टिकैत ने संगठन का विस्तार करते हुए मघिन्द्र बालियान

को तहसील संगठन मंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी। नवनियुक्त संगठन मंत्री मघिन्द्र बालियान ने जिम्मेदारी मिलने पर संगठन का आभार जताया और कहा कि वह पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ संगठन की नीतियों को गांव-गांव जाकर किसानों और मजदूरों तक पहुंचाएंगे। किसानों के हक की लड़ाई सड़क से लेकर प्रशासन तक मजबूती से लड़ी जाएगी और किसी भी सूरत में किसान-मजदूर का शोषण नहीं होने दिया जाएगा।

भाकियू टिकैत में शामिल हुए दर्जनों कार्यकताओं

भाकियू टिकैत की नीतियों में आस्था जताते हुए भाकियू अराजनीतिक से जुड़े कई कार्यकताओं ने दल-बल के साथ संगठन में सदस्यता ग्रहण की। टिकैत गुट में शामिल होने वाले प्रमुख कार्यकताओं में अनुभव चौधरी, बिजेंद्र सिंह, ललित कुमार, मोहित, अशोक, संगीत, अनिकेत सहरावत, सौरभ, अभिषेक, गौरव, सचिन आदि शामिल हैं।सभी नवागत कार्यकताओं का माल्यार्पण कर संगठन में स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता सरदार मुख्तार सिंह ने की, जबकि मंच संचालन सरदार अमीर सिंह द्वारा कुशलतापूर्वक संपन्न कराया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्रीय किसान एवं यूनियन के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुजफ्फरनगर अंडर-14 क्रिकेट का चयन: 43 युवा क्रिकेटरों की चमकी किस्मत, सिलेक्शन मैच में दिखाएंगे दम

पंजीकृत 72 युवा खिलाड़ियों ने किया बल्लेबाजी और गेंदबाजी का प्रदर्शन

मुजफ्फरनगर। जिला स्तर पर खेल प्रतिभाओं को निखारने की दिशा में रविवार को मुजफ्फरनगर क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) द्वारा आयोजित अंडर-14 आयु वर्ग के चयन प्रक्रिया (ट्रायल) किया गया। इस ट्रायल में पूर्व पंजीकृत 72 युवा खिलाड़ियों ने हिस्सा लेकर अपनी गेंदबाजी और बल्लेबाजी का शानदार प्रदर्शन किया। इनमें से जिले के 43 प्रतिभावान खिलाड़ियों का चयन किया गया है।

चौधरी चरण सिंह स्टेडियम में रविवार को आयोजित अंडर-14 आयु वर्ग के चयन प्रक्रिया के दौरान मैदान पर युवा खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। इस प्रक्रिया में 72 खिलाड़ियों ने अपनी दावेदारी पेश की, जिनमें से तकनीकी कौशल और फिटनेस के आधार पर 43 सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया गया। अब ये सभी चयनित खिलाड़ी अगले चरण के सिलेक्शन मैच में भाग लेकर अंतिम टीम में जगह बनाने के लिए अपना हुनर दिखाएंगे।

इन खिलाड़ियों की चमकी किस्मत

एसोसिएशन द्वारा जारी की गई आधिकारिक सूची के अनुसार

चयनित 43 खिलाड़ियों में प्रमुख रुप से अग्रिम शर्मा, हिमांशु, अयांश अहलावत, कृष्णा धनगर, मोहम्मद नईम, आदित्य त्यागी, प्रणव सिंह सैनी, अविश त्यागी, देवांश मलिक, वंश तोमर, निकुंज, धैर्य चौधरी, आरव कोरी, आयुष, युवराज चौधरी, सानिध्य पाल, अविश, रियांश चंदेल, अर्णव मोटला, कुणाल कुमार, दक्ष, हार्दिक सोम, दिवाकर, चिन्मय त्यागी, यश धनगर, सौर्य धनगर, मुहम्मद शायान, रविश आलम, विराट चौधरी, वरदान चौधरी, आहद चौधरी, मोहम्मद हारिश, प्रिंस, आरव, मोहम्मद इब्राहिम मेहंदी, गुरमीत सिंह, वेदांश त्यागी, मयंक, रेहान चौधरी, अर्जुन अहलावत, रुद्र कुमार, मुहम्मद अरबाज और मोहम्मद राहिल सैफी शामिल हैं।

जिला क्रिकेट के उज्ज्वल भविष्य का बड़ा कदम

मुजफ्फरनगर क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव मनोज पुंडीर ने चयनित खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि जिला स्तर पर इतनी बड़ी संख्या में युवा प्रतिभाओं का सामने आना मुजफ्फरनगर में क्रिकेट के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। ट्रायल और चयन प्रक्रिया के दौरान मुजफ्फरनगर क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारियों और सदस्यों में मुख्य रूप से कोषाध्यक्ष संजय शर्मा और संयुक्त सचिव (स्पोर्ट्स) विकास राठी के अलावा रोहन त्यागी, अरशद, कुमार गौरव, सिद्धार्थ, अंकुर, विकास बलियान और पलक शर्मा भी उपस्थित रहे।

मोरना क्षेत्र के गांवों में 17 सितंबर की किसान महापंचायत के लिए चला जनसंपर्क अभियान: चरण सिंह टिकैत ने संभाली कमान

भाकियू पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने झोंकी पूरी ताकत

मोरना (मुजफ्फरनगर)। भारतीय किसान यूनियन द्वारा आगामी 17 सितंबर को होने वाली किसान पंचायत को लेकर भाकियू पदाधिकारी व कार्यकताओं द्वारा क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान चला जा रहा है जिसमें गांव-गांव में जाकर किसानों को महापंचायत में भाग लेने के लिए आह्वान किया जा रहा है। रविवार को मोरना ब्लॉक क्षेत्र के गांव मोरना में संजू चौधरी की आवाज पर आयोजित कार्यक्रम में चरण सिंह टिकैत ने कहा कि आगामी 17 सितंबर को मुजफ्फरनगर के जीआईसी मैदान में होने वाली किसने की महापंचायत ऐतिहासिक होगी जिसमें किसानों के मुद्दों पर मंथन किया जाएगा सरकार द्वारा किसानों के साथ छल किया जा रहा है इसके बारे में भारतीय किसान यूनियन का शीर्ष नेतृत्व महापंचायत में विस्तार से किसानों व मजदूरों को अवगत कराएंगे चरण सिंह टिकैत ने किसान व मजदूरों से भारी संख्या में महापंचायत में पहुंचने का आह्वान किया बैठक को योगेश शर्मा, विकास चौधरी, सर्वेंद्र राठी, मोनू प्रधान,व जिला पंचायत सदस्य संजय रवि ने संबोधित किया भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारीयों द्वारा क्षेत्र के गांव यूसुफपुर, भेडाहेड़ी व कस्बा भोकरहेड़ी में जनसंपर्क किया गया। इस अवसर पर सरदार अमिर सिंह गोपाल चौधरी, प्रदीप शर्मा, पलविंदर सरदार जगत सिंह, कप्तान राठी, मुकेंद्र राठी, संजय रवि चांदनी शर्मा, हवा सिंह, डॉ जबर सिंह,वासु चौधरी, आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भोपाल सिंह संचालन संजीव कश्यप ने किया।

बुढ़ाना में ठाकुरजी की पालकी यात्रा में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

श्रीकृष्ण छठ पूजा महोत्सव के तहत निकली यात्रा, जगह-जगह पुष्पवर्षा से हुआ स्वागत

बुढ़ाना। बुढ़ाना कस्बे में श्रीकृष्ण छठ पूजा महोत्सव के तहत रविवार शाम को ठाकुर जी की भव्य पालकी यात्रा निकाली गई। नदी वाला मंदिर से शुरू हुई पालकी यात्रा का कस्बावासियों ने विभिन्न स्थानों पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। गाजे-बाजे और भक्ति गीतों के बीच निकली यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ठाकुर जी की पालकी को श्रद्धालु गाजे-बाजे के साथ नगर भ्रमण कराते हुए बाजार एवं मुख्य मार्गों से लेकर श्रीहरनंदेश्वर धाम मंदिर तक लेकर पहुंचे। यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने पालकी का स्वागत किया। भजन-कीर्तन, धार्मिक गीतों और बैंड-बाजों की धुन पर श्रद्धालु जमकर झूमते नजर आए।

पालकी यात्रा में भगवान श्रीकृष्ण की

विभिन्न झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। महिला और पुरुष श्रद्धालुओं ने जगह-जगह भगवान श्रीकृष्ण की आरती उतारी तथा प्रसाद वितरित किया। पूरे मार्ग में भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ते रहे।

श्रीहरनंदेश्वर धाम मंदिर पहुंचने के बाद विधिवत पूजा-अर्चना की गई। आयोजकों ने बताया कि सोमवार सुबह मंदिर परिसर में भंडारा एवं प्रसाद वितरण का आयोजन किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे। पालकी यात्रा के दौरान हिमांशु संगल, अभिषेक, तुषार गुप्ता, लविश गर्ग, राहुल गोयल, आर्यन गुप्ता, शिवम कंसल, आर्यन सैनी, सिद्धार्थ जैन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं कस्बावासी मौजूद रहे।

खतौली में तीन श्रेष्ठ शिक्षक सम्मानित: लायंस क्लब ने दिया सम्मान, महिलाओं ने खेल प्रतियोगिता में दिखाया उत्साह

रीजन-जोन यात्रा के दौरान हुआ भव्य आयोजन

खतौली (मुजफ्फरनगर)। लायंस क्लब खतौली द्वारा रीजन-जोन की आधिकारिक यात्रा और शिक्षक सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज निर्माण में उत्कृष्ट योगदान देने वाले नगर के तीन श्रेष्ठ शिक्षकों को क्लब की ओर से भावभिना सम्मान प्रदान किया गया। सम्मान समारोह के दौरान माहौल को खुशनुमा बनाने के लिए महिलाओं के लिए विशेष मनोरंजक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। इन प्रतियोगिताओं में लायनेस सदस्यों एवं महिला प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर और उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कार्यक्रम का कुशल एवं मंच संचालन क्लब के कोषाध्यक्ष लायन अभय जैन द्वारा किया गया। कार्यक्रम में पहुंचे रीजन लायन सीए मनीष बंसल ने कहा कि सामाजिक सेवा के क्षेत्र में लायंस क्लब खतौली की भूमिका अत्यंत सराहनीय और अनुकरणीय है। उन्होंने क्लब के सभी सदस्यों से

आह्वान किया कि वे भविष्य में भी इसी प्रकार एकजुट होकर समाजहित और जनकल्याण के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाते रहें। इन तीन शिक्षकों का हुआ सम्मान

समारोह के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले नगर के तीन प्रमुख शिक्षकों—चन्द्रकांत सहगल, सुधीर पांडे और छवि अरोड़ा को लायंस क्लब द्वारा मंच पर आमंत्रित कर विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सदस्य रहे मौजूद

शिक्षक सम्मान और समाजसेवा के प्रति क्लब की प्रतिबद्धता को रेखांकित करने वाले इस गरिमामयी कार्यक्रम में क्लब के पदाधिकारियों और सदस्यों की बड़ी संख्या में मौजूदगी रही। मुख्य रूप से क्लब अध्यक्ष लायन उमेश कुमार, सचिव लायन पीयूष जैन, कोषाध्यक्ष लायन अभय जैन और संयोजक लायन नितिन गोयल, चार्टर मेम्बर लायन डॉ. अशोक सिंघल, डिस्ट्रिक्ट डायमंड लायन सुनील जैन, डिस्ट्रिक्ट डायमंड लायन अर्जुन गुप्ता के अलावा इसके अलावा बड़ी संख्या में क्लब सदस्य, लायनेस, बच्चे और अन्य लायन साथी उपस्थित रहे।

वायरल वीडियो ने खोली सड़क पर मारपीट की तस्वीर, हमलावरों की पहचान में जुटी पुलिस

जिला अस्पताल के सामने युवक को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, स्कूटी की टक्कर के बाद विवाद बढ़ने की चर्चा; घायल निजी अस्पताल में भर्ती

मुजफ्फरनगर। शहर कोतवाली क्षेत्र में जिला अस्पताल के सामने रुड़की रोड पर शनिवार शाम हुए विवाद का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आ गई। वायरल वीडियो में कुछ युवक एक व्यक्ति के साथ सड़क पर मारपीट करते और उसे दौड़ाकर पीटते नजर आ रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने घटना को गंभीरता से लेते हुए उसमें दिखाई दे रहे युवकों की पहचान शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि घटना की शुरूआत स्कूटी की टक्कर को लेकर हुए विवाद से हुई। टक्कर के बाद दोनों पक्षों में कहासुनी हुई और देखते ही देखते मामला मारपीट तक पहुंच गया। आरोप है कि इसके बाद कुछ युवकों ने एक व्यक्ति को घेर लिया और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। वायरल वीडियो में युवक को सड़क पर दौड़ाते हुए पीटने का दृश्य भी दिखाई दे रहा है। मारपीट के दौरान सड़क से गुजर रहे लोगों के बीच भी अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। बताया गया कि मारपीट में व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हालत बिगड़ने पर उसे भोपा रोड स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार

चल रहा है। घटना के बाद सोशल मीडिया पर वीडियो तेजी से प्रसारित हुआ तो पुलिस ने भी वीडियो को जांच का अहम आधार बनाया। पुलिस अब वीडियो में दिखाई दे रहे युवकों के चेहरे और हुलिए के आधार पर उनकी पहचान करने में जुटी है। एएसपी-सीओ सिटी सिद्धार्थ के. मिश्रा के अनुसार शनिवार शाम करीब छह बजे जिला अस्पताल के सामने रुड़की रोड पर दो पक्षों के लोगों के बीच कहासुनी के बाद मारपीट की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही शहर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाई।पुलिस अधिकारियों के मुताबिक मौके पर स्थिति को संभालने के साथ ही अब वायरल वीडियो की भी जांच की जा रही है। वीडियो में दिखाई देने वाले लोगों की पहचान के साथ यह भी पता लगाया जा रहा है कि विवाद की वास्तविक शुरूआत किस बात को लेकर हुई थी। अभी तक घटना के संबंध में किसी भी पक्ष की ओर से शहर कोतवाली में लिखित तहरीर नहीं दी गई है। ऐसे में पुलिस वायरल वीडियो और मौके से मिली जानकारी के आधार पर घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि मारपीट में कितने लोग शामिल थे और घायल व्यक्ति तथा दूसरे पक्ष के बीच पहले से कोई विवाद था या मामला केवल स्कूटी की टक्कर के बाद शुरू हुआ।

पांच सौ साल पुरानी गोगा म्हाड़ी पर उमड़ा आस्था का सैलाब, दूधली में लगा श्रद्धालुओं का मेला

मंत्री अनिल कुमार, पूर्व मंत्री डॉ. संजीव बालियान और सुरेश राणा समेत बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु; यूपी समेत कई राज्यों से पहुंचे लोग, पूजा-अर्चना कर मांगी सुख-समृद्धि

मुजफ्फरनगर। चरथावल विधानसभा क्षेत्र के ग्राम दूधली स्थित ऐतिहासिक एवं प्राचीन जाहरवीर गोगा म्हाड़ी पर तीन दिवसीय विशाल मेले के शुभारंभ के साथ ही आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही गोगा म्हाड़ी पर श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। दूर-दराज के क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने जाहरवीर गोगा जी की म्हाड़ी पर विधिवत पूजा-अर्चना की और प्रसाद चढ़ाकर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली, उत्तम स्वास्थ्य एवं मंगलमय जीवन की कामना की। मेले में प्रदेश सरकार के मंत्री अनिल कुमार, पूर्व मंत्री डॉ. संजीव बालियान, पूर्व मंत्री सुरेश राणा, ब्लॉक प्रमुख अक्षय पुंडीर सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, भाजपा कार्यकर्ता और क्षेत्रवासी पहुंचे। मेला समिति के पदाधिकारियों ने अतिथियों और श्रद्धालुओं का स्वागत किया। पूरे मेला परिसर में श्रद्धा और उत्साह का माहौल बना रहा।

जयकारों से गूंजा मेला परिसर

मेले के शुभारंभ के साथ ही गोगा म्हाड़ी परिसर जाहरवीर गोगा जी के जयकारों से गूंज उठा। बड़ी संख्या में श्रद्धालु परिवार के साथ म्हाड़ी पर पहुंचे। लोगों ने दर्शन कर प्रसाद चढ़ाया और अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना की। महिलाओं और बच्चों में भी मेले को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। गोगा म्हाड़ी पर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं का मानना है कि यहां सच्चे मन से पूजा-अर्चना करने और मनोकामना मांगने से जाहरवीर गोगा जी की कृपा प्राप्त होती है। इसी लोकविश्वास के चलते प्रत्येक वर्ष मेले में श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ती है। केवल दूधली ही नहीं, कई राज्यों से पहुंचते हैं श्रद्धालु

दूधली की गोगा म्हाड़ी का आकर्षण केवल आसपास के गांवों तक सीमित नहीं है। इस ऐतिहासिक मेले में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों के अलावा पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तराखंड और राजस्थान से भी श्रद्धालु पहुंचते हैं। दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालु गोगा म्हाड़ी पर प्रसाद चढ़ाते हैं और परिवार की सुख-शांति तथा समृद्धि की कामना करते हैं। कई परिवार इस मेले में वर्षों से लगातार शामिल होते आ रहे हैं। यही वजह है कि मेले को क्षेत्र की प्रमुख धार्मिक और लोकआस्था से जुड़ी परंपराओं में गिना जाता है।

आस्था के साथ लोक संस्कृति का भी संगम

दूधली का गोगा म्हाड़ी मेला धार्मिक आयोजन होने के साथ-साथ क्षेत्र की लोक संस्कृति और सामाजिक एकता का भी प्रतीक माना जाता है। मेले में विभिन्न गांवों और राज्यों से आने वाले लोग एक-दूसरे से मिलते हैं और पुरानी परंपराओं को आगे बढ़ाते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बदलते समय के बावजूद गोगा म्हाड़ी मेले की परंपरा और श्रद्धा में कोई कमी नहीं आई है। बुजुर्गों से लेकर युवा पीढ़ी तक इस आयोजन से जुड़ी हुई है। परिवारों के बच्चे भी मेले में पहुंचकर गोगा म्हाड़ी की परंपरा और लोकमान्यताओं से परिचित होते हैं।

करीब पांच सौ वर्ष पुराना बताया जाता है इतिहास

ग्रामीणों के अनुसार दूधली स्थित जाहरवीर गोगा म्हाड़ी का इतिहास करीब पांच सौ वर्ष पुराना है। म्हाड़ी से जुड़ी अनेक लोकमान्यताएं और जनश्रुतियां आज भी क्षेत्र में श्रद्धा के साथ सुनाई जाती हैं। लोकमान्यता के अनुसार दूधली के मजरे आलमगीरपुर निवासी एक किसान की मनोकामना पूर्ण हुई थी। इसके बाद किसान ने अपने घोड़े के नीले रंग के बछेरे को जाहरवीर गोगा जी को अर्पित करने का संकल्प लिया। संकल्प पूरा करने के लिए किसान उस बछेरे को लेकर पैदल ही राजस्थान स्थित बागड़ धाम तक गया और वहां उसे जाहरवीर गोगा जी को अर्पित किया। ग्रामीणों के अनुसार इसी लोकआस्था और मान्यता से जुड़ी परंपरा ने दूधली की गोगा म्हाड़ी को क्षेत्र में विशेष धार्मिक महत्व प्रदान किया। समय के साथ यहां हर वर्ष मेला आयोजित होने लगा और इसकी प्रसिद्धि आसपास के क्षेत्रों के साथ दूसरे राज्यों तक भी पहुंच गई।

पीढ़ियों से चली आ रही परंपरा आज भी कायम

गोगा म्हाड़ी से जुड़ी आस्था को लेकर ग्रामीणों का कहना है कि यह परंपरा एक-दो पीढ़ी की नहीं बल्कि कई शताब्दियों से चली आ रही है। परिवारों में बुजुर्ग अपने बच्चों को गोगा जी की म्हाड़ी से जुड़ी मान्यताओं और लोककथाओं के बारे में बताते हैं। मेले के दौरान दूर से आने वाले श्रद्धालु भी यहां पहुंचकर अपनी धार्मिक परंपराओं का निर्वहन करते हैं। कई श्रद्धालु मनोकामना पूरी होने के बाद दोबारा म्हाड़ी पर पहुंचकर पूजा-अर्चना करते हैं और प्रसाद चढ़ाते हैं।

जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों ने की सहभागिता

मेले में महिला आयोग की सदस्य सपना कश्यप, बिरालसी मंडल अध्यक्ष प्रवीण राणा, चरथावल मंडल अध्यक्ष भोपाल सिंह, जिला मंत्री सुरेंद्र कश्यप, सुभाष चौहान, श्री रामभूल पुंडीर, ग्राम प्रधान शोभित पुंडीर, बिरजपाल सिंह, जिला उपाध्यक्ष विशाल गर्ग, दिवाकर सोलंकी, मुकेश सोम और प्रतीक शर्मा समेत बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे। मेला समिति के पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। आयोजन के दौरान क्षेत्र के ग्रामीणों और श्रद्धालुओं की भी बड़ी भागीदारी रही।

तीन दिन तक रहेगी मेले की रौनक

तीन दिवसीय मेले को लेकर दूधली और आसपास के क्षेत्र में विशेष उत्साह है। मेला शुरू होते ही बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने से पूरे क्षेत्र में चहल-पहल बढ़ गई। धार्मिक आस्था के साथ मेले में लोगों को एक-दूसरे से मिलने और पारंपरिक आयोजन का हिस्सा बनने का अवसर भी मिल रहा है। दूधली की गोगा म्हाड़ी का यह आयोजन एक बार फिर क्षेत्र की सदियों पुरानी लोकआस्था, धार्मिक परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को सामने ला रहा है। श्रद्धालुओं का कहना है कि आधुनिक दौर में भी इस तरह के आयोजन नई पीढ़ी को अपनी जड़ों और लोकपरंपराओं से जोड़ने का काम कर रहे हैं।

मोरना के भुवापुर में कुश्ती प्रतियोगिता शुरू: बूढ़ाबाबू मेले में दिखा पहलवानों का दम

भाजपा नेता अमित राठी ने किया उद्घाटन

मोरना (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र के गांव भुवापुर मे चल रहे बूढ़ाबाबू मेले में कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है जिसका उद्घाटन युवा भाजपा नेता ने फीता काट कर किया। जिसमें क्षेत्र के युवाओं व पहलवानो ने बढ़ चढकर प्रतिभाग किया। मोरना क्षेत्र के गांव भुवापुर में चल रहे बूढ़ाबाबू मेले में रविवार को कुश्ती प्रतियोगिता का शुभारंभ भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के क्षेत्रीय मंत्री अमित राठी ने फीता काट कर किया। इस मौके पर अमित राठी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की अवश्यता है। ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षण देने की उचित व्यवस्था उनके द्वारा शुकतीर्थ में की गयी है। सरकार द्वारा खेलों को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दिया जा रहा है। जिसमें पहलवानो को आगे बढ़ने का मौका मिल रहा है। शारीरिक एवं मानसिक रूप से युवाओं को स्वस्थ बनाने में खेल महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस दौरान मुख्य रूप से प्रदीप निर्वाल,अरुण पाल, वीरेन्द्र ठाकुर, पूर्व प्रधान सालेकचंद, प्रीतम सिंह प्रधान,नरदेव, डॉ सुरेश पाल सतपाल आदि मौजूद रहे।

आसपा प्रमुख को रोके जाने के विरोध में कार्यकर्ताओं का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

विनोद साहनी हत्याकांड की निष्पक्ष जांच, आरोपियों की गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को मुआवजा व सुरक्षा देने की मांग

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के गोंडा जनपद में विनोद साहनी की हत्या के मामले में न्याय की मांग को लेकर आजाद समाज पार्टी के कार्यकताओं ने रविवार को जिला अध्यक्ष दिनेश बावरा के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने गोंडा जाने के दौरान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद को बाराबंकी में पुलिस प्रशासन द्वारा रोके जाने का विरोध जताया। जिलाध्यक्ष दिनेश बावरा ने कहा कि विनोद साहनी हत्याकांड में पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने गोंडा जाने का ऐलान किया था, लेकिन उन्हें बाराबंकी में रोक दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार दलित और पिछड़े वर्ग के लोगों की समस्याओं के प्रति गंभीर नहीं है। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय मिलने तक पार्टी उनकी आवाज उठाती रहेगी। प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने विनोद साहनी हत्याकांड की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच, हत्या में शामिल आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की। साथ ही मृतक के परिवार को पर्याप्त आर्थिक सहायता एवं सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई गई। पार्टी कार्यकताओं ने नगीना सांसद एवं आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय

अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद को बाराबंकी में रोके जाने तथा उनके साथ कथित रूप से अनुचित एवं प्रोटोकॉल के विपरीत व्यवहार किए जाने पर भी नाराजगी जताई। जिलाध्यक्ष ने इस पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषी पाए जाने वाले पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ विभागीय और कानूनी कार्रवाई की मांग की। जनप्रतिनिधियों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की मांग कार्यकताओं की ओर से दिए गए ज्ञापन में कहा गया कि किसी निर्वाचित सांसद अथवा जनप्रतिनिधि के साथ संवैधानिक मयार्दाओं के विपरीत व्यवहार नहीं किया जाना चाहिए। पार्टी ने पीड़ित परिवार तथा मामले में आवाज उठाने वाले लोगों के उत्पीड़न पर रोक लगाने और पूरे प्रकरण की उच्च स्तर से निगरानी कर जांच में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने प्रदेश में कानून व्यवस्था मजबूत करने के साथ ही जनप्रतिनिधियों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित किए जाने की मांग भी उठाई। इस दौरान कार्यकताओं ने अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी की और संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा।

मीरापुर पुलिस ने 11 वांछित आरोपियों को दबोचा, न्यायालय में किया पेश

मीरापुर। थाना मीरापुर पुलिस ने विभिन्न मामलों में वांछित चल रहे 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। थाना प्रभारी राजीव शर्मा ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा वांछित आरोपियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में इजराईल पुत्र इब्राहिम निवासी गढ़ी रसूलपुर, फुरकान पुत्र साफिया निवासी रसूलपुर गढ़ी, शहजाद पुत्र शमशेर निवासी मोहल्ला कमलियान मीरापुर, जोनी पुत्र जैमिश गिरी निवासी कैलापुर जसमीर, मनसब पुत्र जमशैद रांगड़ निवासी तुल्हेड़ी शामिल हैं। इसके अलावा शमशेर पुत्र मौ. उमर निवासी तेवड़ा थाना ककरौली, अख्तर पुत्र मौ.

उमर निवासी जुम्मा मस्जिद के पास ग्राम ककरौली, सोनू उर्फ आसकीन पुत्र भोला उर्फ जमील निवासी मोहल्ला मीरापुर, अफरोज पत्नी इरशाद रांगड़ निवासी संभलहेड़ा, मुरसलीम पुत्र इश्त्याक निवासी संभलहेड़ा तथा आशिफ पुत्र अजीज निवासी एसबीआई बैंक के पीछे कस्बा मीरापुर को भी गिरफ्तार किया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि सभी आरोपियों को आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस की कार्रवाई से वांछित आरोपियों में हड़कंप मचा हुआ है।

युवा अपनी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण में लगाएं: प्रेमचंद

आरएसएस के शताब्दी वर्ष के तहत हनुमान नगर में युवा सम्मेलन आयोजित, योग, खेल और समता के साथ हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों के अंतर्गत हनुमान नगर में काली नदी के निकट स्थित आर्केड फार्म में युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं ने प्रतिभाग किया। सम्मेलन का शुभारंभ युवाओं के योग, खेल एवं समता कार्यक्रम के साथ हुआ। युवाओं ने पूरे उत्साह और ऊर्जा के साथ विभिन्न खेलों एवं योगाभ्यास में हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संघचालक प्रेमचंद ने युवाओं से संवाद करते हुए कहा कि युवा अपनी ऊर्जा और शक्ति को राष्ट्र निर्माण में लगाएं। उन्होंने कहा कि युवाओं का एकता के साथ संगठित होकर सकारात्मक दिशा में कार्य करना समाज और राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि निश्चित समय, निश्चित स्थान, निश्चित लक्ष्य और निस्वार्थ भाव जब एक साथ मिलते हैं तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का स्वरूप सामने आता है। युवाओं को संगठन की स्थापना, उसके मूल उद्देश्यों और राष्ट्र सेवा की भावना के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि भारत की मातृभूमि के लिए अपनी प्रेरणा से कार्य करने वाले लोगों का समूह ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ है।

जल संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा का दिया संदेश

प्रेमचंद ने युवाओं से जल संरक्षण के लिए प्रयास करने तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर पर्यावरण को सुरक्षित रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों को सुरक्षित रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।

उन्होंने प्लास्टिक के बढ़ते उपयोग से होने वाले नुकसान की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए युवाओं से दैनिक जीवन में प्लास्टिक का कम से कम इस्तेमाल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए छोटे-छोटे प्रयास भी बड़ा बदलाव ला सकते हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि भारत को जानें, भारत को मानें, भारत के बनें और भारत को बनाने में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक युवा अपने अंदर स्वत्व का भाव जागृत करते हुए राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाए।

नागरिक कर्तव्यों को निभाने की अपील

प्रेमचंद ने कहा कि मजबूत राष्ट्र केवल सरकार के प्रयासों से नहीं बनता, बल्कि प्रत्येक नागरिक के कर्तव्य, ईमानदारी, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी से राष्ट्र मजबूत होता है। उन्होंने युवाओं को राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पुष्कर ने की। इस अवसर पर संघचालक श्रीपाल, सह संघचालक जयप्रकाश, नगर कार्यवाह संजीव, नगर सह कार्यवाह योगेश, जिला सह शारीरिक शिक्षण प्रमुख आलोक, गौरव, उत्कर्ष, हिमांशु, प्रचार प्रमुख सहदेव सहित हनुमान नगर के स्वयंसेवक, गणमान्य एवं प्रबुद्ध नागरिक मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। योग, खेल एवं सामूहिक गतिविधियों के माध्यम से युवाओं ने अनुशासन, एकता और संगठन की भावना का परिचय दिया। आयोजन का उद्देश्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करना रहा।

राधा अष्टमी महोत्सव 19 सितंबर को, वृंदावन के कलाकार सजाएंगे भक्ति की महफिल

मयूर महल लिंक रोड पर होगा 22वां महोत्सव, फूल बंगला, दिव्य श्रृंगार, भजन संध्या, 56 भोग और भंडारे का आयोजन

मुजफ्फरनगर। श्री राधा माधव संकीर्तन संघ परिवार की ओर से इस वर्ष 22वां श्री राधा अष्टमी महोत्सव 19 सितंबर, शनिवार को मयूर महल लिंक रोड, आदर्श कॉलोनी में धूमधाम और श्रद्धाभाव के साथ मनाया जाएगा। महोत्सव की तैयारियों को लेकर मयूर महल लिंक रोड पर आयोजित बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई। बैठक का संचालन श्री राधा माधव संकीर्तन संघ परिवार के संस्थापक बृजेश गर्ग ने किया। उन्होंने बताया कि राधा अष्टमी महोत्सव शाम 6 बजे से शुरू होगा। महोत्सव में श्रीधाम वृंदावन से ब्रज रसिक भैया पारस लाडला, ब्रज रसिका माधवी लाडला तथा ब्रज के दुलारे ध्रुवंश लाडला विशेष रूप से पहुंचकर भक्ति रस की वर्षा करेंगे।

आयोजकों के अनुसार महोत्सव में भगवान राधा-माधव का आकर्षक फूल बंगला एवं दिव्य श्रृंगार किया जाएगा। इसके साथ भजन संध्या का आयोजन होगा, जिसमें श्रद्धालु भक्ति संगीत का आनंद लेंगे। महोत्सव में 56 भोग अर्पित किया जाएगा तथा श्रद्धालुओं के लिए भंडारे की सेवा भी रखी गई है। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से परिवार सहित महोत्सव में पहुंचकर राधा-माधव के दर्शन करने और भजन संध्या में शामिल होने का आह्वान किया। बैठक में उपस्थित सेवकों ने महोत्सव को भव्य एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए अपनी जिम्मेदारियों पर भी चर्चा की।

बैठक में विजेंद्र अग्रवाल, बलराम सिंगल, रामकुमार, प्रदीप गोयल, प्रफुल्ल मेहरा, राकेश गुप्ता, निशांत भारद्वाज, निशांत गर्ग, मनोज शर्मा, श्रवण दीक्षित, विजय कपूर, बृजेश सिंघल, अशोक गोयल, एसपी सिंह, अरविंद गर्ग, बब्बल गर्ग, अमित गुप्ता, बृजभूषण शर्मा, सुनील गर्ग, संदीप गोयल एवं रविकांत अग्रवाल सहित अन्य सेवक मौजूद रहे।

आयोजकों ने बताया कि महोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है और कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भक्तों के पहुंचने की संभावना है।

बहनोई पर घर में घुसकर महिलाओं से मारपीट और अभद्रता का आरोप

अमित विहार में विवाद के बाद तोड़फोड़ और धमकी देने का भी आरोप, महिला ने एसएसपी से कार्रवाई की मांग की

मुजफ्फरनगर। नई मंडी थाना क्षेत्र के अमित विहार में एक महिला ने अपने बहनोई और उसके साथ आए तीन अन्य लोगों पर घर में घुसकर महिलाओं से मारपीट, अभद्रता, तोड़फोड़ और जान से मारने की धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला ने मामले की शिकायत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से करते हुए आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।

शिकायतकर्ता रेखा पत्नी ऋषिपाल के अनुसार, उसकी छोटी बहन पिंकी अपनी इच्छा से मेरठ से उसके घर रहने आई थी। इसी बात को लेकर 10 सितंबर की रात करीब साढ़े सात बजे पिंकी का पति संदीप अपने दोस्त बबली और दो अन्य लोगों के साथ कथित रूप से उसके घर पहुंचा। आरोप है कि सभी लोग जबरन घर में दाखिल हुए और वहां मौजूद महिलाओं की वीडियो बनाने लगे।

रेखा का आरोप है कि आरोपी उसकी बहन पिंकी, उसकी दोनों बेटियों सोनम और मोनी सहित घर की अन्य महिलाओं के वीडियो बनाते हुए उन पर तरह-तरह के आरोप लगा रहे थे। पिंकी को घर में बंधक बनाकर रखने की बात भी कही जा रही थी। शिकायतकर्ता के मुताबिक, आरोपियों के पास कथित रूप से हथियार भी थे।

वीडियो बनाने का विरोध करने पर मारपीट का आरोप

पीड़िता के अनुसार, जब घर की

महिलाओं ने वीडियो बनाने का विरोध किया तो आरोपियों ने उसकी बेटी सोनम का हाथ पकड़कर कथित रूप से खींचने का प्रयास किया। विरोध करने पर आरोपियों ने महिलाओं के साथ मारपीट और गाली-गलौज की। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि इसी दौरान हुई छीना-झपटी में पिंकी के पास रखे करीब 2500 रुपये भी ले लिए गए।

विवाद बढ़ने पर परिवार के लोगों ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि पुलिस के आने की जानकारी मिलने पर आरोपी घर में तोड़फोड़ करते हुए महिलाओं को जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए।

पुलिस पर रिपोर्ट दर्ज नहीं करने का आरोप

रेखा के मुताबिक, पुलिस के मौके पर पहुंचने के बाद उसने पूरी घटना की जानकारी दी और नई मंडी थाने में लिखित शिकायत भी दी। हालांकि, उसका आरोप है कि पुलिस ने उसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की और केवल उसका मेडिकल परीक्षण कराया। परिवार की अन्य महिलाओं का मेडिकल परीक्षण नहीं कराने का भी उसने आरोप लगाया है। रविवार सुबह करीब सात बजे शिकायतकर्ता ने मामले से संबंधित दो सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल से रिकॉर्ड किया गया एक वीडियो मीडिया को उपलब्ध कराया। महिला का कहना है कि घटना से जुड़े वीडियो उसके पास मौजूद हैं और इन्हें जांच में साक्ष्य के तौर पर शामिल किया जाना चाहिए।

शिकायतकर्ता ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मामले का संज्ञान लेते हुए संबंधित थाना प्रभारी को मुकदमा दर्ज करने के निर्देश देने तथा आरोपियों के खिलाफ निष्पक्ष जांच के बाद कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। मामले में लगाए गए आरोपों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी।

रामपुरी में श्रीरामलीला मंचन के लिए हनुमान ध्वज का पूजन कर नगर भ्रमण

श्री राम दरबार मंदिर से शुरू हुई ध्वज यात्रा, रामलीला मंचन स्थल पर विधिवत स्थापित किया गया ध्वज

मुजफ्फरनगर। रामपुरी एकता शक्ति धर्म प्रचार समिति के तत्वावधान में वर्ष 2026 में रामपुरी में होने वाले श्री रामलीला मंचन की तैयारियों का विधिवत शुभारंभ किया गया। रविवार को रामपुरी स्थित श्री राम दरबार मंदिर में प्रभु हनुमान जी के ध्वज का विधि-विधान से पूजन किया गया। इसके बाद हनुमान जी के ध्वज को पूरे नगर में भ्रमण कराया गया और श्री रामलीला मंचन स्थल रामपुरी-शहाबुद्दीनपुर रोड पर विधिवत स्थापित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी प्रवीण वर्मा उपस्थित रहे। रामायण वाचक आचार्य देव चरण शास्त्री ने विधि-विधान से हनुमान जी के ध्वज का पूजन कराया। इसके बाद शौर्य वर्मा के नेतृत्व में हनुमान जी के ध्वज का नगर भ्रमण कराया गया। ध्वज यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं

में विशेष उत्साह दिखाई दिया तथा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

आयोजकों ने बताया कि श्री रामलीला मंचन की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी रामपुरी में धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। ध्वज पूजन के साथ रामलीला मंचन की तैयारियों का शुभारंभ हो गया है। मंचन स्थल पर ध्वज स्थापित किए जाने के साथ ही आयोजन को लेकर क्षेत्रवासियों में उत्साह बढ़ गया।

कार्यक्रम में श्री रामलीला कमेटी रामपुरी के अध्यक्ष चौधरी शक्ति सिंह, कोषाध्यक्ष दिवाकर त्यागी, महामंत्री डॉ. एसके गौतम, उपाध्यक्ष मनोज लेमन, संयोजक प्रमोद पाल, संतलाल बंसल, संयुक्त मंत्री लवी गोयल, राज सिंह, अनिल गर्ग, श्यामलाल प्रजापति, शिवम त्यागी, शानू राजपूत, सनी धीमान उर्फ माटू सहित रामपुरी क्षेत्र के अनेक निवासी एवं श्रद्धालु मौजूद रहे।

अंत में श्री रामलीला कमेटी के अध्यक्ष चौधरी शक्ति सिंह ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं रामपुरीवासियों का आभार जताया और कहा कि श्री रामलीला मंचन को श्रद्धा, भव्यता एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

आरएसएस के शताब्दी वर्ष के तहत कुकड़ा में युवा सम्मेलन आयोजित

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों के अंतर्गत कुकड़ा गांव स्थित राजवंश विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में युवाओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारंभ योग, खेल एवं समता के साथ हुआ। युवाओं ने पूरे उत्साह और ऊर्जा के साथ विभिन्न खेल गतिविधियों एवं योगाभ्यास में हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग कार्यवाह प्रमोद ने युवाओं से सीधा संवाद करते हुए कहा कि युवा अपनी ऊर्जा और शक्ति को राष्ट्र निर्माण में लगाएं। उन्होंने कहा कि युवाओं का एकता और संगठन की भावना के साथ सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ना समाज एवं राष्ट्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि निश्चित समय, निश्चित स्थान, निश्चित लक्ष्य और निस्वार्थ भाव जब चारों एक साथ मिलते हैं, तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का स्वरूप सामने आता है। उन्होंने विद्यार्थियों को संघ की स्थापना और उसके मूल उद्देश्यों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि अपनी मातृभूमि भारत के लिए स्वप्रेरणा से कार्य करने वाले लोगों का समूह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ है।

जल संरक्षण और वृक्षारोपण का दिया संदेश

प्रमोद ने युवाओं से जल संरक्षण के लिए सक्रिय रूप से प्रयास करने तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर पर्यावरण को सुरक्षित रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक को इसमें अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

उन्होंने प्लास्टिक के बढ़ते उपयोग से पर्यावरण को होने वाले नुकसान की चर्चा करते हुए युवाओं से दैनिक जीवन में प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक हटाओ अभियान को सफल बनाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी आदतों में बदलाव लाना होगा।

भारत को जानने और राष्ट्र निर्माण में योगदान का आह्वान

युवा संवाद के दौरान उन्होंने कहा कि सभी युवा भारत को जानें, भारत को मानें, भारत के बनें और भारत को बनाने में अपना योगदान दें। युवाओं को अपने अंदर स्वत्व का भाव जागृत करते हुए राष्ट्र निर्माण के कार्य में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया गया।

उन्होंने कहा कि मजबूत राष्ट्र केवल सरकार के प्रयासों से नहीं बनता, बल्कि प्रत्येक नागरिक के कर्तव्य, ईमानदारी, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी से राष्ट्र मजबूत होता है। युवाओं को अपने व्यक्तिगत विकास के साथ समाज और देश के प्रति जिम्मेदारियों को भी समझना चाहिए।

कार्यक्रम में सह संघचालक सतीश, कुकड़ा खंड कार्यवाह आदेश, नितिन, शिवम, दीपक, विशाल, तुषार, बबलू, सुनील, सत्यवीर, उत्कर्ष, प्रचार प्रमुख राकेश सहित कुकड़ा खंड के स्वयंसेवक, गणमान्य एवं प्रबुद्ध नागरिक मौजूद रहे। सम्मेलन के दौरान युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। योग, खेल एवं सामूहिक गतिविधियों के माध्यम से अनुशासन, एकता और संगठन की भावना का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूक करना रहा।

13 वर्षीय बच्चे का गला घोंटने और बेरहमी से पीटने का आरोप, मुकदमा दर्ज

बाल कटवाने जा रहे नाबालिग को रास्ते में पकड़कर हमला करने का आरोप, सिर में चोट और उल्टियां होने की शिकायत, 50 रुपये भी छीनने का आरोप

मुजफ्फरनगर। खालापार थाना क्षेत्र के सूजडू में 13 वर्षीय नाबालिग बच्चे के साथ कथित रूप से मारपीट और गला घोंटने का मामला सामने आया है। आरोप है कि बाल कटवाने के लिए जा रहे बच्चे को रास्ते में किराने की दुकान चलाने वाले व्यक्ति ने पकड़ लिया और जान से मारने की नीयत से उस पर हमला कर दिया। बच्चे के सिर पर भी वार किए जाने का आरोप है। घटना के बाद बच्चे की हालत बिगड़ने और उल्टियां होने की शिकायत की गई है। पुलिस ने पीड़ित के पिता की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मां से 50 रुपये लेकर बाल कटवाने निकला था बच्चा

सूजडू के मोहल्ला जहांगीर पट्टी निवासी गुलफाम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका करीब 13 वर्षीय पुत्र एक सितंबर 2026 को दोपहर करीब दो बजे अपनी अम्मी से 50 रुपये लेकर बाल कटवाने के लिए घर से निकला था। आरोप है कि रास्ते में किराने की दुकान चलाने वाले खालिद पुत्र हनीफ ने बच्चे को पकड़ लिया।

गला घोंटने और बेरहमी से मारपीट करने का आरोप

तहरीर के अनुसार, आरोपी ने नाबालिग बच्चे के साथ बेरहमी से मारपीट की और उसका गला घोंटने का भी प्रयास किया। बच्चे के सिर पर भी वार किए जाने का आरोप है। मारपीट में उसके सिर के अंदरूनी हिस्से में चोटें आने की बात कही गई है। घटना के बाद बच्चा काफी डरा और सहमा हुआ बताया गया है।

चोट लगने के बाद बच्चे को होने लगीं उल्टियां

पीड़ित पिता ने पुलिस को बताया कि मारपीट के कारण उसके बेटे को काफी चोटें आईं। सिर में चोट लगने के बाद उसे उल्टियां भी हो रही हैं। घटना के बाद से बच्चा भयभीत है और मानसिक रूप से भी परेशान बताया जा रहा है। परिजनों ने मामले को गंभीर बताते हुए पुलिस से आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

बच्चे के 50 रुपये जबरन छीनने का भी आरोप

तहरीर में आरोप लगाया गया है कि मारपीट के दौरान आरोपी ने नाबालिग के पास मौजूद 50 रुपये भी जबरदस्ती छीन लिए। पीड़ित परिवार ने पुलिस से घटना की पूरी जांच कर आरोपी के खिलाफ प्रभावी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

गुलफाम के मुताबिक, जब उसे घटना की जानकारी मिली तो वह मौके पर पहुंचा। आरोप है कि वहां आरोपी ने उसके साथ भी गाली-गलौज की और कथित रूप से धमकी देते हुए कहा कि जिसे बुलाना हो बुला लो, वह सबको देख लेगा। तहरीर में आरोपी पर पीड़ित परिवार और पुलिसकर्मियों के संबंध में भी धमकी भरे शब्द कहने का आरोप लगाया गया है।

पिता की तहरीर पर पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

घटना को लेकर गुलफाम ने दो सितंबर को खालापार थाने में लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी खालिद पुत्र हनीफ के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और घटना से जुड़े तथ्यों, बच्चे की चोटों तथा लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है।

नाबालिग से जुड़ा मामला होने के कारण पुलिस की कार्रवाई पर नजर 13 वर्षीय बच्चे के साथ मारपीट, गला घोंटने के प्रयास और सिर में चोट पहुंचाने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पुलिस अब मेडिकल रिपोर्ट समेत अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी। घटना के बाद पीड़ित परिवार ने आरोपी के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

गलत क्यूआर कोड में ट्रांसफर हुए 15 हजार रुपये, रतनपुरी साइबर हेल्प डेस्क ने कराए वापस

त्वरित कार्रवाई से आवेदक को मिली पूरी धनराशि, पुलिस की साइबर सुरक्षा को लेकर लोगों से सतर्क रहने की अपील

मुजफ्फरनगर। साइबर अपराधों पर नियंत्रण और पीड़ितों को त्वरित राहत दिलाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत रतनपुरी थाना पुलिस की साइबर हेल्प डेस्क ने सराहनीय कार्रवाई करते हुए गलत दफकोड अथवा खाते में ट्रांसफर हुई 15 हजार रुपये की पूरी धनराशि वापस करा दी।

पुलिस के अनुसार ग्राम भूपखेड़ी निवासी कपिल कुमार पुत्र रतन सिंह ने थाना रतनपुरी में प्रार्थना पत्र देकर बताया था कि बैंक खाते से 15 हजार रुपये ट्रांसफर करते समय गलती से धनराशि किसी अन्य दफ कोड अथवा खाते में चली गई थी। मामले की जानकारी मिलते ही थाना रतनपुरी की साइबर हेल्प डेस्क ने तत्काल कार्रवाई शुरू की।

साइबर हेल्प डेस्क की टीम ने आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए संबंधित धनराशि को ट्रेस कर पूरे 15 हजार रुपये आवेदक के बैंक खाते में वापस करा दिए।

अपनी पूरी धनराशि वापस मिलने पर कपिल कुमार ने रतनपुरी पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए पुलिस का आभार जताया।

पुलिस के मुताबिक यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक अपराध इन्दु सिद्धार्थ के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी बुढ़ाना गजेन्द्रपाल सिंह और थाना प्रभारी रतनपुरी राकेश सिंह के नेतृत्व में की गई।

साइबर फ्रॉड से बचने के लिए सावधानी जरूरी

मुजफ्फरनगर पुलिस ने जनपदवासियों से अपील की है कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और लालच अथवा किसी प्रकार के प्रलोभन में आकर अपनी बैंकिंग संबंधी जानकारी किसी के साथ साझा न करें।

पुलिस ने स्पष्ट किया कि OTP, ATM/डेबिट कार्ड नंबर, CVV, UPI PIN और पासवर्ड किसी भी व्यक्ति को न बताएं।

पुलिस ने लोगों को अनजान व्यक्ति के कहने पर कोई ऐप डाउनलोड न करने तथा किसी अनजान दफकोड को स्कैन न करने की भी सलाह दी है।

पुलिस के अनुसार साइबर फ्रॉड या ऑनलाइन धोखाधड़ी होने पर पीड़ित को बिना देरी किए 1930 पर कॉल करनी चाहिए। इसके अलावा मुजफ्फरनगर साइबर सेल के हेल्पलाइन नंबर 9454401617 अथवा नजदीकी थाने की साइबर हेल्प डेस्क से संपर्क किया जा सकता है।

मिलेगी भरपूर प्याज

भूमि

प्याज कंद वाली फसल है इसलिए इसकी खेती के लिये भुरभुरी एवं उत्तम जल निकास वाली भूमि ठीक है. बालुई दोमट मिट्टी सबसे उपयुक्त है परंतु काली दोमट एवं लाल मिट्टी में भी प्याज उत्पादन अच्छा होता है. बशर्ते पी.एच.अधिक न हो और जल निकास अच्छा हो। प्याज के लिये सबसे अच्छा पी.एच. 5.8 से 6.5 के मध्य होता है। ढालू एवं ऊंची नीची मिट्‌टी प्याज के लिये अनुपयुक्त है। सूत्र कृमि प्रभावित भूमि में प्याज की वृद्धि रुक जाती है।

जलवायु

प्याज के कंद की बढ़वार के लिये लंबे दिनों वाला मौसम बहुत ही उपयुक्त होता है मध्यप्रदेश के लिये प्याज की वह प्रजातियां उपयुक्त हैं जो लघु अवधि की हैं। क्योंकि यहां पर प्रकाश अवधि 11-12 घंटे रहती है तथा तापक्रम भी शीतकाल में 13 डिग्री से 34 डिग्री से.ग्रे. रहता है।

बीज मात्रा

8-10 कि.ग्रा. बीज प्रति हेक्टेयर नर्सरी 8-10 इंच ऊंची क्यारियों में तैयार करें नर्सरी बेड का सोलराइजेशन मई-जून में करने से खरपतवार भूमि जनित बीमारियां तथा सूत्र कृमि नष्ट हो जाते हैं।

मौसमवार अनुशंसित प्रजातियां

खरीफ

मई-जून, जुलाई-अगस्त, अक्टूबर-दिसम्बर, दिसम्बर-जनवरी में 10-20 ग्राम की छोटी प्याज तैयार कर लगा सकते हैं।

शीघ्र रबी या लेट खरीफ

अगस्त-सितंबर, सितम्बर-अक्टूबर, जनवरी-मार्च.

रबी

नवम्बर-दिसम्बर, दिसम्बर- जनवरी, अप्रैल-जून

खरीफ-एन-53, बसन्त-780, एग्री फाउण्ड डार्क रेड, एवं अर्काकल्याण (सभी गहरी लाल).

रबी - अर्का निकेतन, एन 2-4-1, एग्री फाउम्ड लाइटरड, पूसा रेड, पंजाब रेड राउण्ड (हल्के लाल रंग).

खाद एवं उर्वरक

कम्पोस्ट एफवाईएम 25 टन/हे., यूरिया 217 कि. ग्रा./हे.,स्फुर 315 कि.ग्रा./हे.,पोटाश 109 कि.ग्रा./हे. रोपण के पूर्व मिट्‌टी में मिला दें

अन्य शस्य क्रियाएं

प्रारंभ में 1-2 बार गुड़ाई करें तथा खरपतवार की निंदाई करें. भूमि की अवस्था के आधार पर सिंचाई करें. क्यारी में काफी समय तक पानी न टिकने दें। जो बोल्डर आते हैं उन्हें खेत से अलग करें. जब फसल 75-90 दिनों की हो जावे तो मैलेइक हाइड्राजाइड 1500-25600 पीपीएन का छिड़काव करें या 0.1 से 0.2 प्रतिशत (1.5 ग्राम दवा) एक लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें खुदाई के 15 दिन पूर्व से सिंचाई रोक देना चाहिए. यदि फसल में खरपतवार अधिक हो तो प्रारंभिक अवस्था में ब्रोसोलिन नींदानाशक का छिड़काव वैज्ञानिक सलाह से करें।

खुदाई के समय

प्याज के उत्पादन की 25 से 30 प्रतिशत क्षति खुदायी से भंडारण की अवस्था तक हो जाती है. खुदायी के पूर्व खेत में खड़ी फसल पर 0.02% स्ट्रेप्टोसाइक्लिन, 0.1% कार्बेन्डाजिम का छिड़काव करने पर भंडारण में सड़न कम होती है।

रबी में सफेद

पूसा व्हाइट फ्लैट,खरगौन सफेद, एनएचआरडीएफ-सफेद एवं एन 257-9-1, फूले सफेद.

रोपणा - सिफारिश अवधि में 35 दिन की पौधों की बीमारी से मुक्त हों उसे कतार से कतार 15 से.मी. तथा पौध से पौध 10 से.मी. की दूरी पर लगाएं।

फसलों को पिलाएं संतुलित जल

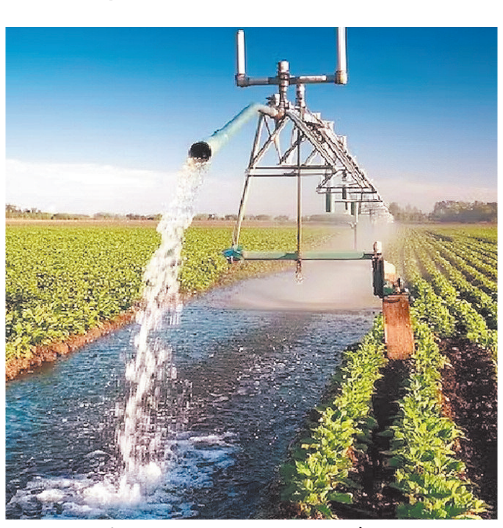

किसानों की यह आमधारणा है कि जितनी अधिक सिंचाई की जायेगी, उतनी ही ज्यादा उपज मिलेगी, किंतु वास्तविकता यह नहीं है. पानी उतना ही लाभदायक है, जितना पौधों की जरूरत है. बाकी जल तो अधिक गहराई तक पौधों की जड़ों की पहुंच से दूर नीचे रिस जाता है और कुछ भाप बनकर उड़ जाता है। रबी की फसलों में सिंचाई का दो तिहाई पानी कच्ची नालियों से रिसकर अन्यथा बहकर नष्ट हो जाता है केवल एक तिहाई भाग पानी ही पौधों को प्राप्त होता है। अत: अगर सिंचाई समयानुसार की जाय तो न केवल सी मिल जल का अच्छा उपयोग होगा, बल्कि ज्यादा क्षेत्रमें भी किसान सिंचाई करके अपने खेत की औसत उपज बढ़ा सकते हैं।

रबी फसलों में महत्वपूर्ण सिंचाई की अवस्थाएं

गेहूं : रबी फसलों में गेहूं को ही सबसे अधिक सिंचाई से फायदा होता है देशी उन्नत जातियाँ या गेहूं की ऊंची किस्मों की जल की आवश्यकता 25 से 30 से.मी. है। इन जातियों में जल उपयोग की दृष्टि से तीन अवस्थाएं होती हैं जो क्रमश: कल्ले निकलने की अवस्था (बुआई के 30 दिन बाद), पुष्पावस्था (बुआई के 50 से 55 दिन बाद) और दूधिया अवस्था बुआई के 95 दिन बाद)इन अवस्थाओं में सिंचाई करने से निश्चित उपज में वृद्धि होती है। प्रत्येक सिंचाई में 8 से.मी. जल देना आवश्यक है।

बौने गेहूं की किस्मों को प्रारंभिक अवस्था से ही पानी की अधिक आवश्यकता होती है- क्राउन रुट (शिखर या शीर्ष जड़ें) और शीर्ष जड़े और 'झखड़ा जड़ें' निकलते समय। बुआई के 15-16 दिन तक पौधा बीज में सुरक्षित भोजन पर जीवित रहता है और अपनी खुराक लेता रहता है। लेकिन इसके बाद बीज का संचित भोजन समाप्त होने लगता है और तब वह धीरे-धीरे भूमि से खुराक खींचना शुरू कर देता है। ये जड़ें लगभग एक से.मी. की गहराई पर निकलती हैं। जिस समय ये जड़ें निकलती हैं, उस समय भूमि की सतह नम होनी चाहिए. ऐसे में बुआई के 20-21 दिन बाद खेत में हल्की सिंचाई करना अत्यंत आवश्यक होता है। किसानों को यह बात भली-भांति समझना चाहिए कि शिखर जड़ों से पौधों में कल्लों का विकास होता है, जिससे पौधों में बालियां ज्यादा आती हैं और फलस्वरूप उपज अधिक मिलती है। झखड़ा जड़ें पौधों को प्रारंभिक आधार देती हैं। अत: बुआई के समय हर हालत में खेत में काफी नमी होनी चाहिए. बौनी गेहूं की किस्मों के खेत में पलेवा देकर खेत की तैयारी करने से अच्छा अंकुरण होता है। इन जातियों को 40 से 50 से.मी. जल की कुल आवश्यकता होती है और प्रति सिंचाई 6 से 7 से.मी. जल देना जरूरी है। अगर दो सिंचाई की सुविधा है तो पहली सिंचाई बुआई के 20-21 दिन बाद प्रारंभिक जड़ें निकलने के समय करें दूसरी सिंचाई फूल आने के समय। यदि तीन सिंचाई करना संभव हो तो पहली सिंचाई बुआई के 20-21 दिन बाद (शिखर जड़ें निकलते समय), दूसरी पौधों में गाँठ बनते समय (बुआई के 60-65 दिन बाद) और तीसरी सिंचाई पौधों में फूल आने के बाद करनी चाहिए। जहां चार सिंचाईयों की सुविधा हो वहाँ पहली सिंचाई बुआई के 21 दिन बाद (शिखर जड़ें निकलते समय), दूसरी बुआई के 40-45 दिन बाद (पौधों में कल्ले निकलने के बाद) तीसरी बुआई के 60-65 दिन बाद (पौधों में गाँठ बनते समय) और चौथी सिंचाई फूल आते समय करें. चौथी और पाँचवी सिंचाई विशेष लाभप्रद सिद्ध नहीं होती है। इनको उसी समय करना चाहिए जब मिट्‌टी में पानी की संचय शक्ति कम हो। बलुई या बलुई दोमट मिट्टी में इस सिंचाई की जरूरत होती है।

पांचवी सिंचाई उस समय करें जब दानों में दूध पड़ जाये। यदि वायुमंडल का तापमान तेजी से बढ़ रहा हो तो छठी सिंचाई हल्की करें। जब दाने में थोड़ी कठोरता नजर आती हो या दूधिया अवस्था बीत गयी हो तो इस सिंचाई को करना बहुत जरूरी नहीं है। परीक्षणों से यही निष्कर्ष निकला है कि यदि 6 सिंचाईयां की जायें तो बौने गेहूं से अधिकतम उपज मिलती है। लेकिन यदि 6 सिंचाईयाँ संभव न हो तो उपयुक्त समय पर उक्त तीन सिंचाईयां तो अवश्य ही करनी चाहिए। पिछेती गेहूं में पहली 5 सिंचाईयां 15 दिनों के अंतर से करें। फिर बालें निकलने के बाद यह अन्तर 9-10 दिन का रखें। पिछेती गेहूं की दैहिक अवस्था पिछड़ जाती है और बालें निकलना और दानों का विकास तो ऐसे समय पर होता है जब वाष्पीकरण तेजी से होता है और ऐसी दशा में खेत में नमी की कमी का दानों के विकास पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है, फलस्वरूप दाना सिकुड़ जाता है। इसीलिए देर से बोये गए गेहूं में जल्दी सिंचाई कम दिनों के अंतर से जरूरी है।

अधिक सिंचाई से होने वाली हानियाँ

सिंचाई समय से करने पर लाभ होता है किंतु जरूरत से अधिक करने पर पौधों के आवश्यक पोषक तत्व भूमि में रिस कर निचली सतह पर चले जाते हैं जो पौधों को उपलब्ध नहीं होते। इसी कारण पौधे पीले पड़ने लगते हैं। ऐसा अधिकतर नहर वाले सिंचाई क्षेत्रों में देखने को मिला है. अधिक सिंचाई करने से मिट्‌टी में वायु संचार में कमी आ जाती है जिससे पौधे की वृद्धि रुक जाती है।

- पौधे पीले पड़ने लगते हैं।
- पौधे की बढ़वार रुक जाती है
- भूमि में क्षार बढ़ने से ऊसर होने की संभावना है।
- अधिक नमी होने के कारण भूमि में पौधों की जड़ों का क्षेत्र घट जाता है जिससे पौधों को पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्वन हीं मिल पाते हैं।

हर मिट्‌टी में उपजे अलसी

भूमि का चुनाव

काली भारी एवं दोमट (मटियार) मिट्टियाँ उपयुक्त होती हैं। अधिक उपजाऊ मिट्‌टी की अपेक्षा मध्यम उपजाऊ मिट्‌टी उपयुक्त हैं। भूमि में उचित जल निकास का प्रबंध होना चाहिए। उचित जल एवं उर्वरक व्यवस्था करने पर किसी भी प्रकार की मिट्‌टी में अलसी की खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है।

भूमि की तैयारी

अलसी का अच्छा अंकरण प्राप्त करने के लिये खेत के भुरभुरा एवं खरपतवार रहित होना चाहिए। अत: खेती को 2-3 बार हैरो द्वारा करना चाहिए। प्रत्येक जुताई के बाद पाटा लगाना आवश्यक है जिससे नमी संरक्षित रह सके अलसी का दाना छोटा एवं महीन होता है, अत: अच्छे अंकुरण हेतु खेत का भुरभुरा होना अति आवश्यक है।

बोनी का समय एवं विधि

अक्टूबर माह में कतारों के बीच कतारों की दूरी 30 सेमी, नवम्बर में बुवाई करने पर कतारों की दूरी 20 सेमी, गहराई 5 से 6 सेमी रखें। धान के खेत में जब फसल कट जाये तब पानी निकालकर छिटककर बुवाई करें। अलसी की खेती वर्षा आधारित क्षेत्रों में खरीफ पड़त के बाद नवम्बर में शुद्ध फसल के रूप में की जाती है।

मिश्रित खेती

पारम्परिक रूप में अलसी की खेती वर्षा आधारित क्षेत्र में एकल फसल के रूप में की जाती हैं अनुसंधानों के परीक्षण से ज्ञात हुआ है कि अलसी की चना+अलसी (3:1) सहफसल के रूप में ली जा सकती है। अलसी की सहफसल खेती मसूर व सरसों के साथ भी की जा सकती हैं।

उतेरा खेती

अलसी की उतेरा पद्धति धान उगाये जाने वाले क्षेत्रों में प्रचलित है। धान से खेती में नमी का सदुपयोग करने हेतु धान के खेत में अलसी बोई जाती हैं। धान की खड़ी फसल में अलसी के बीज को छिटक दिया जाता है। फलस्वरूप धान की कटाई पूर्व ही अलसी का अंकुरण हो जाता हैं।

जातियाँ एवं बीज की मात्रा

जे.एल.टी. 26, किरण, जवाहर-23, जवाहर 592, जे.एल. एस.9, जवाहर 17 इत्यादि.

बीज की मात्रा- 30 किलो ग्राम बीज प्रति हेक्टेयर.

बीजोपचार

एक ग्राम बाविस्टीन या टोपसिन एम अथवा थीरम 2.5 ग्राम दवा/कि.ग्रा. बीज के हिसाब से बुआई पूर्व बीजोपचार अवश्य करें। सिंचित अवस्था में यूरिया 74 किलो, सिंगल सुपर फास्फेट 150 किलो तथा म्यूरेट ऑफ पोटाश 33 किलो/हे.

सल्फर (गंधक)

अलसी एक तिलहनी फसल है और तिलहन फसलों से अधिक उत्पादन लेने हेतु सल्फर प्रदान करना भी अनुशंसित किया गया हैं। अत: अलसी का उच्च उत्पादन प्राप्त करने हेतु 5 कि.ग्रा./हे. सल्फर भी देना चाहिए। सल्फर की पूरी मात्रा बीज बोने के पहले देना चाहिए।

जैव उर्वरक

आधुनिक कृषि में जैव उर्वरकों का प्रचलन बढ़ रहा है। अलसी में भी एजेटोबैक्टर/एजोस्पिरलम और स्फुर घोलक जीवाणु आदि जैव उर्वरक उपयोग किये जा सकते हैं। उक्त जैव उर्वरक बीज उपचार द्वारा 10 ग्राम जैव उर्वरक प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से दिये जा सकते हैं।

सिंचाई प्रबंधन

असिंचित अवस्था की तुलना में 1 या 2 सिंचाई देने पर उपज 2 से 2.5 गुना बढ़ाई जा सकती है सिंचाई उपलब्ध होने पर प्रथम सिंचाई बोने के 35-40 दिन बाद तथा 60-65 दिन बाद दूसरी सिंचाई करना चाहिए परीक्षण से यह सिद्ध हुआ कि अलसी की दो सिंचाई शाखा अवस्था एवं फली बनने की अवस्था पर देने पर सर्वाधिक उपज प्राप्त होती है।

खरपतवार नियंत्रण

अलसी बुवाई के 25 दिन तक खेत को खरपतवार रहित रखना चाहिए। फसल को खरपतवार रहित रखने हेतु बोने के 20 दिन बाद पहली निंदाई हाथ अथवा खुरपी द्वारा करना चाहिए. रासायनिक खरपतवार नियंत्रण हेतु पेंडीमिथालिन की 1 कि.ग्रा. अथवा आइसोप्रोट्यूरान की 0.75 कि.ग्रा./हे. मात्रा 500 लीटर पानी में घोलकर अंकुरण के पूर्व खेत में छिड़काव करना चाहिए।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 1008279 वादों का हुआ निस्तारण: जिला जज

ग्रेटर नोएडा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली व उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन मुख्यालय व तहसील स्तर पर माननीय जनपद न्यायाधीश गौतमबुद्धनगर अतुल श्रीवास्तव की अध्यक्षता एवं दिशा-निर्देशन में किया गया। माननीय जनपद न्यायाधीश गौतमबुद्धनगर द्वारा विगत दिवस को जनपद न्यायालय के सभागार में दीप प्रज्जवलित कर राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्घाटन किया गया। उक्त अवसर पर समस्त न्यायिक अधिकारीगण सहित जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं सचिव उपस्थित हुये।

प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (तृतीय)विरेक अग्रवाल द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारित हुये वादों से संबंधित विवरण निम्नवत उपलब्ध कराये गये।

राष्ट्रीय लोक अदालत में जनपद न्यायालय में कार्यरत न्यायिक अधिकारीगण द्वारा कुल 76954 वाद तथा जिलाधिकारी के अधीनस्थ विभागों द्वारा 476181 मामले, बैंक द्वारा 245 मामलें में वसूल की गई धनराशि 36157241 है। फाइनेंस कम्पनी द्वारा 06 मामलों का निस्तारण तथा वसूल की गई धनराशि 39670 है। एन0पी0सी0एल0 द्वारा 35 मामलें व समझौता धनराशि 485000 है।

यू0पी0पी0सी0एल के 5931 मामलें तथा श्रम न्यायालय द्वारा 1102 मामलें व धनराशि 41923189 है, पुलिस विभाग द्वारा 32089 मामलों का निस्तारण किया गया।

बी0एस0एन0एल0 द्वारा 51 मामलें एवं वसूल की गई धनराशि 152206 है। कर्मिशयल कोर्ट एक्ट के अन्तर्गत प्री-लिटीगेशन पर निस्तारित किये गये मामले 221 है। यातायात विभाग द्वारा 400263 मामलों का निस्तारण हुआ। प्री-लिटिगेशन के 931325 मामलें निस्तारित हुये।

इस प्रकार जनपद गौतमबुद्धनगर में राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 1008279 वाद निस्तारित हुये।

राष्ट्रीय लोक अदालत में न्यायालयवार निस्तारित वादों का विवरण निम्न है:- माननीय जिला जज अतुल श्रीवास्तव द्वारा 04 वाद निस्तारित किये गये। पीठासीन अधिकारी वाणिज्य न्यायालय1 रविन्द्र नाथ दुबे द्वारा 13 वाद व समझौता धनराशि 10701459 है। प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय श्री चन्द्रप्रकाश तिवारी द्वारा 62 वाद है। पीठासीन अधिकारी वाणिज्य

न्यायालय-द्वितीय जगदीश प्रसाद द्वारा 20 वाद व समझौता धनराशि 10424099 है। भूमि अर्जन पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन प्राधिकरण सुनील कुमार श्रीवास्तव द्वारा 55 वाद है। पीठासीन अधिकारी, मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण वत्सल श्रीवास्तव द्वारा 43 वाद व समझौता धनराशि 44089000 है। अपर जिला जज प्रथम सुनील कुमार द्वारा 03 वाद व जुर्माना धनराशि 500 है। अपर जिला जज द्वितीय सोमप्रभा मिश्रा द्वारा 07 वाद है। अपर जिला जज, पोक्सो कोर्ट प्रथम अभिषेक पाण्डेय द्वारा 08 वाद व जुर्माना धनराशि 800 है। अपर जिला जज, पोक्सो कोर्ट द्वितीय कुमार गौरव द्वारा 580 वाद व जुर्माना धनराशि 11510250 है। अपर जिला जज छष्टम आशीष कुमार चौरसिया द्वारा 10 वाद है। अपर जिला जज तृतीय सौरभ द्विवेदी, द्वारा 01 वाद है। अपर जिला जज चतुर्थ मयूर जैन द्वारा 02 वाद है। अपर जिला जज/एफटीसी0 प्रथम संदीप चौधरी, द्वारा 01 वाद व जुर्माना धनराशि 500 है। अपर जिला जज/एफटीसी0 द्वितीय सतेन्द्र सिंह, द्वारा 01 वाद हैं। अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय सीमा सिंह द्वारा 30 वाद हैं। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हरिकेष पाण्डेय द्वारा 3360 वाद व जुर्माना धनराशि 1042973 हैं। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम मयंक त्रिपाठी द्वारा 2040 वाद व जुर्माना धनराशि 107200 है। अपर सिविल जज सी0डि/एसीजेएम दीक्षा द्वारा 09 वाद है। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-तृतीय विरेक अग्रवाल द्वारा 921 वाद व जुर्माना धनराशि 62800 है। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय रवि कुमार सागर द्वारा 779 वाद है। सिविल जज सी0डि प्रथम सुमित कुमार द्वारा 892 वाद व समझौता धनराशि 48180 है। सिविल जज जू0डि0 (चतुर्थ) अंकिता सिंह द्वारा 43 वाद व वर्चुअल कोर्ट द्वारा 63103 व जुर्माना धनराशि 1006400 हैं। अपर सिविल जज जू0डि, प्रथम श्रयांश निरंजन द्वारा 686 वाद हैं व जुर्माना धनराशि 5000 है। सिविल जज (कनिष्ठ संवर्ग) जेवर सूर्य चौहान द्वारा 18 वाद व जुर्माना धनराशि 12500 है। अपर सिविल जज जू0डि0 प्रथम श्री अभिषेक कुमार द्वारा 2174 वाद व जुर्माना धनराशि 16600 है। अपर सिविल जज (जू0डि0) कु0 जूही आनंन्द द्वारा 511 वाद व 24200 जुर्माना धनराशि है। सिविल जज जू0डि/एफटीसी प्रभात कुमार द्वारा 556 वाद व जुर्माना धनराशि 3000 है। सिविल जज जू0डि0/एफटीसी सिद्धार्थ कुमार द्वारा 502 वाद व 4670 जुर्माना धनराशि है। विशेष न्यायाधीश, न्यायालय एन0आई0 एक्ट सुरेश चन्द द्वारा 30 वाद व समझौता धनराशि 12424335 है। पीठासीन अधिकारी, अतिरिक्त न्यायालय-प्रथम द्वारा 252 वाद व समझौता धनराशि 24510000 है। अतिरिक्त न्यायालय-द्वितीय पवन प्रताप सिंह द्वारा 86 वाद व समझौता धनराशि 9715188 है। अतिरिक्त न्यायालय-तृतीय इंद्रा सिंह द्वारा 102 वाद व समझौता धनराशि 7736088 है। पीठासीन अधिकारी, जिला उपभोक्ता न्यायालय अनिल पुण्डीर द्वारा 43 वाद व समझौता धनराशि 26083254 है। चैयरमेन, स्थायी लोक अदालत प्रमोद कुमार शर्मा द्वारा 07 वाद व समझौता धनराशि 1115922 है। इस प्रकार जनपद स्थित न्यायालय के न्यायिक अधिकारीगण द्वारा कुल 76954 वादों का निस्तारण किया गया। जिसमें समझौता धनराशि 160644918 है।

राष्ट्रीय लोक अदालत के अन्तर्गत नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा 5160 मामलें निस्तारित हुये।

राष्ट्रीय लोक अदालत के अन्तर्गत पुलिस विभाग द्वारा 32089 मामलों का निस्तारण किया गया तथा चिकित्सा विभाग द्वारा 100045 मामलों का निस्तारण किया गया।

उपरोक्तानुसार राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 1008279 मामलों का निस्तारण हुआ। जिसमें समझौता धनराशि 23940224 है।

फिजियो भारत-8 में फर्स्ट वन रिहैब फाउंडेशन का शोध कार्य रहा अव्वल, टीम हुई सम्मानित

नोएडा। आर्टेमिस अस्पताल, गुरुग्राम में आयोजित प्रतिष्ठित फिजियो भारत-8 सम्मेलन में फर्स्ट वन रिहैब फाउंडेशन नोएडा ने अपने उत्कृष्ट शोध कार्य से विशेष पहचान बनाई। इस वर्ष सम्मेलन का विषय 'आकलन, साक्ष्य और मूल्यांकन के माध्यम से दर्द प्रबंधन कौशल को आगे बढ़ाना' रखा गया था। 13 सितंबर को फाउंडेशन द्वारा प्रस्तुत किए गए शोध को निर्णायक मंडल ने सर्वश्रेष्ठ माना और पूरी टीम को सम्मानित किया।

इस राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों से आए सैकड़ों फिजियोथेरेपिस्ट, चिकित्सकों और शोधार्थियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर फस्ट रिहैब फाउंडेशन के सदस्यों को उनके विशेष योगदान के लिए व्यक्तिगत रूप से भी सम्मानित किया गया। डॉ. महीपाल सिंह को उनके समर्पण और सेवाभाव के लिए फिजियो भारत सेवा रत्न पुरस्कार

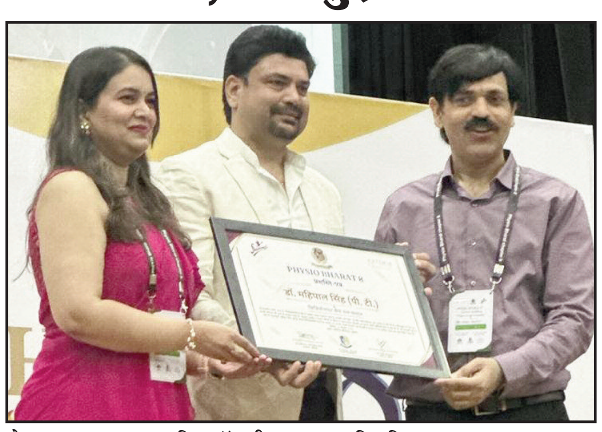

से नवाजा गया, जबकि डॉ. दीक्षा श्रीवास्तव को रोगी सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए फिजियो भारत रोगी सेवा रत्न पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं शिक्षा और शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉ. सुष्मिता भाटी को शैक्षणिक उत्कर्ष पुरस्कार और उभरती प्रतिभा के रूप में अभिनव प्रताप सिंह को उभरती प्रतिभा रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने कहा कि यह सम्मान पूरी टीम की कड़ी मेहनत और शोध के प्रति समर्पण का परिणाम है, जो भविष्य में और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा।कार्यक्रम में फाउंडेशन की सदस्य विधा पांडे ने कॉन्फ्रेंस में पोस्टर प्रेजेंटेशन दिया जिसकी सभी विशेषज्ञों ने सराहना की।

सत्यवती मिश्रा के निधन पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जी ने अर्पित की श्रद्धांजलि

नोएडा। राष्ट्रीय सह महामंत्री (संगठन) शिव प्रकाश जी भाई साहब, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी जी सहित वरिष्ठ भाजपा नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने भी दी श्रद्धांजलि

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राजस्थान के पूर्व राज्यपाल श्रद्धेय पंडित श्री कलराज मिश्रा जी (बाबूजी) की धर्मपत्नी श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी का बीती रात नोएडा में निधन हो गया। वह 79 वर्ष की थीं। उनके निधन से राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर है।

श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी के निधन पर देश के रक्षा मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता आदरणीय श्री राजनाथ सिंह जी ने आज शाम 5:30 बजे उनके नोएडा स्थित आवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने दिवंगत श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया तथा शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से भेंट कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी ने परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि इस कठिन समय में वे शोकाकुल परिवार के साथ खड़े हैं।

इससे पूर्व श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी का अंतिम संस्कार आज नोएडा के सेक्टर-94 स्थित

अंतिम संस्कार स्थल पर दोपहर 1 बजे किया गया। उनके छोटे पुत्र श्री अमित मिश्रा जी ने मुखाग्नि दी। उनके परिवार में दो पुत्र एवं एक पुत्री हैं।

श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी के नोएडा स्थित आवास पर राष्ट्रीय सह महामंत्री (संगठन) आदरणीय श्री शिव प्रकाश जी भाई साहब एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदरणीय श्री पंकज चौधरी जी सहित बड़ी संख्या में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों ने पहुंचकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

इस अवसर पर क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री नवाब सिंह नागर जी, गौतम बुद्ध नगर के सांसद डॉ. महेश शर्मा जी, नोएडा विधायक श्री पंकज सिंह जी, दादरी विधायक श्री तेजपाल नागर जी, पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री सत्येंद्र सिसोदिया जी, नोएडा जिला अध्यक्ष श्री महेश चौहान, गौतम बुद्ध नगर जिला अध्यक्ष श्री अभिषेक शर्मा, जिला महामंत्री श्री अमित त्यागी, श्री ओमवीर अवाना, श्री संजय बाली सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे और पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी के निधन से परिवारजनों, शुभचिंतकों एवं परिचितों में गहरा शोक व्याप्त है। उनका स्नेहपूर्ण एवं सहज व्यक्तित्व सदैव स्मरण किया जाएगा।

ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

क्यूबा ने सफलता ऐप 2.0 लॉन्च किया, SEPTABOLT, TORQ और नई हिंज रेंज के साथ बढ़ाया आर्किटेक्चरल हार्डवेयर पोर्टफोलियो

नोएडा। आधुनिक घरों और अन्य जगहों के लिए आर्किटेक्चरल हार्डवेयर और डिजिटल एक्सेस समाधान उपलब्ध कराने वाले भरोसेमंद ब्रांड क्यूबा (QUBA) ने सफलता 2.0, SEPTABOLT, TORQ और हिंज की नई रेंज लॉन्च कर अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो का विस्तार किया है। ये नए प्रोडक्ट सुरक्षा, उपयोग में आसानी, मजबूती और बेहतर डिजाइन पर ध्यान देते हैं और घरों व आधुनिक जगहों की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किए गए हैं।

वसीम राही (चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, सीएमओ क्यूबा) ने बताया कि 16 वर्षों से अधिक के अनुभव के साथ क्यूबा ने दरवाजों और डिजिटल एक्सेस से लेकर किचन, वार्डरोब, बाथरूम और ग्लास फिटिंग तक प्रोडक्ट्स की एक बड़ी रेंज तैयार की है। वर्तमान में ब्रांड के पास 4 मैन्युफैक्चरिंग प्लांट, 11,000 से अधिक प्रोडक्ट्स, 10,000 से अधिक डीलर, देशभर में 115 से अधिक डिस्ट्रीब्यूटर और 150 से अधिक इंजीनियर हैं। कंपनी की सेवाएं 125 से अधिक शहरों में

उपलब्ध हैं।

सफलता 2.0

क्यूबा अपने कारपेंटर, डीलर और डिस्ट्रीब्यूटर नेटवर्क के लिए देशभर में सफलता 2.0 नाम का एक नया डिजिटल प्लेटफॉर्म भी पेश कर रहा है। यह केवल एक सामान्य रिवॉर्ड प्रोग्राम नहीं है। सफलता 2.0 एक ही प्लेटफॉर्म पर पॉइंट्स, रिवॉर्ड्स, मजेदार गेम्स और परिवार से जुड़ी गतिविधियां उपलब्ध कराता है। इसमें अलग-अलग कैटेगरी और पॉइंट्स कमाने के तय तरीके दिए गए हैं, जिससे सदस्य अपनी प्रगति देख सकते हैं और आगे बढ़ने के साथ ज्यादा फायदे पा सकते हैं।

भागीदारी, पहचान और रिवॉर्ड्स पर आधारित सफलता 2.0 का उद्देश्य क्यूबा के व्यापारिक साझेदारों को ज्यादा बेहतर और दिलचस्प अनुभव देना है। इसमें खास तौर पर इस कम्युनिटी की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कई फीचर्स शामिल किए गए हैं। रिवॉर्ड्स, गेम्स और अलग-अलग गतिविधियों के जरिए सफलता 2.0 देशभर में अपने व्यापारिक नेटवर्क के साथ क्यूबा के रिश्ते को और मजबूत बनाने की एक नई पहल है।

SEPTABOLT: मुख्य दरवाजे की सुरक्षा को और मजबूत बनाएगा

SEPTABOLT को भारत के पहले 7-डेडबोल्ट मेन डोर रिम लॉक के रूप में पेश किया गया है। इसे घर के मुख्य दरवाजे को बेहतर सुरक्षा देने के लिए बनाया गया है। इसमें सात बोल्ट वाला मल्टी-पॉइंट लॉकिंग सिस्टम, छेड़छाड़ से बचाव वाला डिजाइन, इनबिल्ट पुल हैंडल और दोनों तरफ इस्तेमाल किया जा सकने वाला लैच बोल्ट दिया गया है। इससे सुरक्षा के साथ रोजमर्रा के इस्तेमाल में भी आसानी मिलती है। इस लॉक में 14-पिन डिंपल चाबी दी गई है और इसे 2 लाख बार इस्तेमाल करके जांचा गया है। यह दो प्रकार – ऑल डेड बोल्ट और डेड बोल्ट + लैच – में उपलब्ध है। इसे चार फिनिश – सैटिन स्टील, एंटीक ब्रास मैट, जेट ब्लैक मैट और रोज गोल्ड – में पेश किया गया है।

नोएडा प्राधिकरण का विकास टूटी सड़के और उफनते सीवर : अशोक चौहान

नोएडा। सैक्टर- 130 के आरडब्लूए उपाध्यक्ष अशोक चौहान के बताया कि सैक्टर- 130 के 5 प्रतिशत भूखंडों की आंतरिक सड़क एवं लोहे के जाल टूटे हुए है ओर सड़क पर उफनते सीवर , दूर तक फैली दुर्गंध , गंभीर बीमारियों के फैलने का बढ़ता खतरा , रास्ते से निकलना मुश्किल लेकिन अधिकारी हों तो नोएडा प्राधिकरण जैसे बिल्कुल जिल्ले इलाही टाइप की लाइफ़ स्टाइल वाले कुछ भी लिखो कुछ भी कहो कोई फर्क नहीं पड़ता। सालों हो गए हैं शिकायत करते लेकिन स्थाई समाधान आजतक नहीं हुआ। सीवर लाईन साफ करने की बात भी सालों से हो रही वह भी नहीं हुई। टेंडर कब होता है और कब खत्म हो जाता है यह तो विभाग के अधिकारी ही बताएंगे। एसी कमरों में बैठकर समस्याओं का समाधान नहीं होता है इसके लिए फील्ड में जाना होता है। सैक्टर- 130

के निवासियों में रोष है , प्राधिकरण की कार्यशैली से परेशान और हैरान हैं। ऐसा कभी भी नहीं हुआ जैसा इस शासन में हो रहा है। चारों ओर त्राहिमाम हो रही है और नोएडा प्राधिकरण केअधिकारियों के कान पर जूं नहीं रेंग रही है। सफाई वाली मशीन नहीं होती तो कभी कर्मचारी नहीं होते। अब तो अधिकारी शिकायत का जबाव भी नहीं देते हैं। अगर कुछ शर्म लगे तो सडको की मरम्मत कार्य,टूटे जाल ठीक करने ओर सीवर ओवरफ्लो की समस्या का समाधान किया जाये।

नोएडा में बिजली-पानी की मांग को लेकर प्रदर्शन

नोएडा। नोएडा में डूब क्षेत्र में बिजली और पानी की मांग को लेकर रविवार को बड़ी संख्या में लोग और किसान सड़क पर उतर आए। भारतीय किसान परिषद के अध्यक्ष सुखबीर खलीफा के नेतृत्व में लोगों ने प्रदर्शन किया। भीड़ को देखते हुए मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया।

प्रदर्शन की सूचना पर एडीसीपी मनीषा सिंह भी मौके पर पहुंचीं। उन्होंने प्रदर्शन कर रहे लोगों से बातचीत कर उन्हें समझाने की कोशिश की।

पैदल मार्च शुरू करते ही सड़क पर लगा लंबा जाम: प्रदर्शन के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित हो गई। सड़क पर बड़ी संख्या में लोगों के जुटने से वाहनों की रफ्तार थम गई और लंबा जाम लग गया। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानी हुई।

बाद में धरने पर बैठे लोगों ने पैदल मार्च शुरू कर दिया। इसके चलते सड़क पर करीब आधे घंटे तक जाम लगा रहा।

दरअसल, डूब क्षेत्र के लोग पिछले कई दिनों से पर्थला गांव के पास बिजली की मांग को लेकर धरना दे रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि डूब क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं मिलनी चाहिए।

लोगों का आरोप है कि लंबे समय से उनकी मांगों पर प्रशासन की ओर से ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इसी के विरोध में रविवार को बड़ी संख्या में लोग सड़क पर उतर आए।

'लिखित आश्वासन मिलने तक जारी रहेगा आंदोलन': किसान नेता सुखबीर खलीफा ने कहा कि प्रशासन जब तक उनकी मांगों को लेकर लिखित आश्वासन नहीं देता, तब तक धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि केवल मौखिक आश्वासन के आधार पर आंदोलन खत्म नहीं किया जाएगा।

कुपोषण की छाया को हरा नन्हें विराज ने पाई सुपोषण की राह

गौतमबुद्धनगर। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश को कुपोषण-मुक्त बनाने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों के तहत बच्चों की पोषण स्थिति की समय पर पहचान, नियमित निगरानी और परिवारों को पोषण संबंधी जागरूकता प्रदान करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग की पोषण संबंधी गतिविधियों के माध्यम से जमीनी स्तर पर इन प्रयासों को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है। इसी प्रयास की एक प्रेरक मिसाल गौतमपूरी दादरी के नन्हें विराज की कहानी है, जिसे समय पर चिन्हित किए जाने के बाद आंगनवाड़ी कार्यकत्री और परिवार के निरंतर सहयोग से स्वस्थ बचपन की ओर आगे बढ़ने में मदद मिली।

समय पर हुई पहचान बनी बदलाव की पहली सीढ़ी: 06 अगस्त 2025 को जन्मे नन्हें विराज को गौतमपूरी दादरी आंगनवाड़ी केंद्र के अंतर्गत आयोजित ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस के दौरान स्वास्थ्य एवं पोषण जांच के लिए लाया गया, जिस समय वह 09 माह का था।

जांच के दौरान उसके वजन और शारीरिक वृद्धि का आकलन किया गया। मूल्यांकन में विराज एमएएम यानी मध्यम तीव्र कुपोषण की श्रेणी में पाया गया। समय पर हुई इस पहचान ने उसके स्वास्थ्य में सुधार की दिशा में पहला महत्वपूर्ण कदम रखा।

आंगनवाड़ी कार्यकत्री बनीं बदलाव की मजबूत कड़ी: विराज की स्थिति सामने आने के बाद आंगनवाड़ी कार्यकत्री श्रीमती सीमा गौतम ने परिवार से लगातार संपर्क बनाए रखा। उन्होंने परिवार को बच्चे के लिए संतुलित एवं पौष्टिक आहार, घर में उपलब्ध पौष्टिक खाद्य पदार्थों के उपयोग, स्वच्छता तथा नियमित देखभाल के संबंध में सरल और व्यवहारिक जानकारी दी। परिवार ने भी इन सुझावों को गंभीरता से अपनाया। विराज के खान-पान और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया गया तथा उसकी वृद्धि एवं पोषण की नियमित निगरानी की जाती रही। आंगनवाड़ी कार्यकत्री और परिवार के बीच निरंतर समन्वय से

विराज की स्वास्थ्य स्थिति में धीरे-धीरे सकारात्मक बदलाव दिखाई देने लगा।

निरंतर प्रयासों से बदली तस्वीर: विराज के स्वास्थ्य में सुधार एक दिन में नहीं आया। लगभग दो से तीन माह तक उसकी नियमित निगरानी और पोषण संबंधी देखभाल जारी रही। इस दौरान उसके स्वास्थ्य एवं वृद्धि की स्थिति पर लगातार ध्यान दिया गया। परिवार को समय-समय पर आवश्यक पोषण संबंधी परामर्श दिया गया और बच्चे की बेहतर देखभाल के लिए मार्गदर्शन मिलता रहा।

निरंतर प्रयासों का सकारात्मक परिणाम अगस्त 2026 में हुए पुनर्मूल्यांकन के दौरान सामने आया।

स्वस्थ बचपन की ओर बढ़ा विराज: अगस्त 2026 में हुए पुनः स्वास्थ्य एवं पोषण मूल्यांकन में विराज कुपोषण की श्रेणी से बाहर निकलकर सामान्य स्वास्थ्य की दिशा में आगे बढ़ चुका था। विराज के स्वास्थ्य में आया यह सुधार उसके परिवार के लिए बड़ी राहत और खुशी का कारण बना। साथ ही यह इस बात का उदाहरण भी है कि समय पर पहचान, सही पोषण, नियमित निगरानी और परिवार की सक्रिय भागीदारी से बच्चों के स्वास्थ्य में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

एक बच्चे की मुस्कान में दिखा बदलाव: विराज की कहानी बताती है कि बच्चों को स्वस्थ और सुपोषित बनाने के लिए समय पर पहचान, उचित पोषण, नियमित निगरानी और परिवार की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है।

ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस जैसे मंच बच्चों की स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी स्थिति की समय पर पहचान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं आंगनवाड़ी कार्यकत्रियां परिवारों तक पोषण संबंधी जानकारी और आवश्यक मार्गदर्शन पहुंचाने में महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करती हैं।

आज नन्हें विराज की मुस्कान उसके परिवार के लिए खुशी और भरोसे का संदेश है। उसकी कहानी यह दिखाती है कि जब सरकार के प्रयासों, जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले कर्मियों और परिवार का सहयोग एक साथ जुड़ता है, तो बच्चों के स्वास्थ्य में सकारात्मक बदलाव संभव होता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address : royalnoida@gmail.com

फ्लैट-मकानों में चोरी करने वाला शातिर चोर गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा की थाना सेक्टर-113 पुलिस ने फ्लैट और मकानों में चोरी करने वाले एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से चोरी की ज्वेलरी, नगदी और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद हुई है।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से पीली और सफेद धातु की ज्वेलरी, 8910 रुपये नगद, चोरी में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल और एक लोहे का सरिया बरामद किया है। रविवार को थाना सेक्टर-113 नोएडा पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर इस अंतर-जनपदीय चोर को पकड़ा। आरोपी की पहचान हापुड़ निवासी जितेंद्र के रूप में हुई है। उसे सर्फाबाद मुखिया मार्केट के सामने कच्चे रास्ते के पास से गिरफ्तार किया गया।

नोएडा की एडिशनल डीसीपी मनीष सिंह ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी बहुत शातिर चोर है। वह अपनी मोटरसाइकिल से एनसीआर क्षेत्र के सेक्टरों और सोसाइटियों में घूम-घूमकर रेकी करता था। जिस फ्लैट या मकान का ताला बंद मिलता था, मौका पाकर उसका ताला तोड़कर कीमती सामान चोरी कर लेता था। पकड़े गए बदमाश पर एक दर्जन से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं। फिलहाल, पुलिस इस बदमाश के अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटा रही है।

फैक्टरी के गेट का ताला तोड़कर लाखों का माल चोरी

नोएडा। सेक्टर-69 स्थित एक फैक्टरी के परिसर में लाखों का सामान चोरी होने का मामला सामने आया है। वारदात के समय फैक्टरी बंद थी। फैक्टरी मालिक ने फेज-तीन थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित पंचशील ग्रीन्स सोसाइटी में रहने वाले अजय कुमार गुप्ता ने पुलिस को बताया कि वह परिवार संग रहते हैं। उनकी सेक्टर-69 के ए ब्लॉक में कवीश क्राफ्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के नाम से फैक्टरी है। वह आठ सितंबर की रात फैक्टरी बंद कराकर घर गए थे। अगले दिन स्टाफ फैक्टरी पहुंचा तो ताला टूटा हुआ था। परिसर में सामान इधर-उधर फैला पड़ा था।

जानकारी होने पर अजय मौके पर पहुंचे। फैक्टरी परिसर से काफी सामान चोरी होने का पता चला। उन्होंने सामान को आसपास तलाश किया, लेकिन सामान नहीं मिला। अजय ने बताया कि चोरी के सामान का आकलन किया जा रहा है। लाखों रुपये का सामान चोरी होने की आशंका है। उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस से की है।

हिंडन विहार सोसाइटी में आर डब्लू ए चुनाव को लेकर हुई चर्चा

नोएडा। हिंडन विहार आर डब्लू ए के चुनाव की प्रक्रिया को लेकर एक बैठक का आयोजन रविवार को हुई। जिसमें भारी संख्या में हिंडन विहार निवासियों ने उपस्थित होकर चुनाव संबंधित अपना सुझाव पेश किया। बैठक की अध्यक्षता वीरपाल ने की। बैठक में महासचिव एम पी शुक्ला ने उपस्थित सभी लोगों का आभार प्रकट किया और सभी का स्वागत किया। सर्वसम्मति से मोहम्मद खालिद एवं महेंद्र राम को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया। चुनाव में नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 20-09-2026 है जबकि चुनाव की तिथिः 27-09-2026 रखी गई है। उपस्थित सभी हिंडन विहार निवासियों से अनुरोध किया गया कि वे आगामी आर डब्लू ए आम चुनाव में सक्रिय रूप से भाग लें और चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें। साथ ही इस बैठक की अध्यक्षता कर रहे वीरपाल ने सभी हिंडन विहार निवासियों से अनुरोध किया कि आगामी चुनाव प्रक्रिया में अधिक से अधिक संख्या में शामिल हो।

सभी मेंबर बने और अपना सहयोग एक सुदृढ़ संगठित नई कार्यकारिणी के गठन में प्रदान करें। आपके सहयोग एवं सुझाव से ही हिंडन विहार सोसाइटी को एक आदर्श कालोनी बनाया जा सकता है।

नकली सोना दिखाकर 17 लाख ठगने वाले 3 गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा की बिसरख पुलिस ने नकली सोना दिखाकर लोगों से ठगी करने वाले एक गिरोह के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक महिला भी शामिल है। पुलिस ने इनके पास से 1 लाख 20 हजार रुपये नकद, 2-2 लाख रुपये की दो स्त्रष्ठ फ्रीज की हैं। साथ ही एक पीली धातु की चेन वाली झालर भी मिली है।

करीब एक महीने पहले बिसरख थाने में अंकुल नाम के व्यक्ति ने शिकायत दी थी। उन्होंने बताया था कि दो अज्ञात पुरुष और एक अज्ञात महिला ने उनके पिता को नकली सोने के गहनों से भरा बैग देकर 17 लाख रुपये की ठगी की है। शिकायत के बाद पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर लिया था। पुलिस लगातार इन आरोपियों की तलाश कर रही थी। बिसरख पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस और सीसीटीवी फुटेज की मदद से घटना को अंजाम देने वाले मनी (महिला), मोहन (उत्तम नगर, दिल्ली) और धर्मा (गोकुलपुरी, दिल्ली) को गिरफ्तार किया। इन्हें शनिवार को चार मूर्ति से एटीएस गोल चक्कर की तरफ जाने वाले रास्ते से पकड़ा गया।

बिसरख थाना प्रभारी रंजीत सिंह ने बताया कि ये आरोपी खुद को मजदूर बताते थे। वे आम लोगों को कहते थे कि उन्हें खुदाई में सोना-चांदी मिला है और वे उसे बेचना चाहते हैं। इस तरह वे लोगों को अपने झांसे में ले लेते थे। फिर एक-दो दिन बाद उन्हें नकली सोना-चांदी दिखाते थे और बहुत कम दाम में बेचने की पेशकश करते थे। लालच में आकर लोग उनके जाल में फंस जाते थे और आरोपी ठगी करके भाग जाते थे।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले भी बिसरख पुलिस ने ऐसे ही कई लोगों को गिरफ्तार किया था। उन लोगों ने भी अलग-अलग थाना क्षेत्रों में इस तरह की ठगी की वारदातों को अंजाम दिया था।

अखिल भारतीय गुर्जर महासभा ने हाजीपुर में मनाई सम्राट मिहिर भोज जयंती

नोएडा। सेक्टर-104 स्थित ग्राम हाजीपुर में रामकेश चपराना द्वारा आयोजित गुर्जर प्रतिहार सम्राट मिहिर भोज जयंती गौरव, श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. यशवीर सिंह ने तथा संचालन अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के गौतमबुद्ध नगर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के राष्ट्रीय सचिव चौधरी जयप्रकाश छाबड़ी तथा अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री हरिश्चंद्र भाटी उपस्थित रहे। पूर्व विधायक सतवीर गुर्जर, देवेंद्र पटेल, जयप्रकाश विकल, राजकुमार चौधरी एवं ओमप्रकाश कराहना सहित अनेक गणमान्य समाजबंधुओं ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की।

वक्ताओं ने कहा कि सम्राट मिहिर भोज का गौरवशाली इतिहास हमें एकता, साहस और स्वाभिमान की प्रेरणा देता है। समाज एवं नई पीढ़ी को शिक्षा और मजबूत संगठन के माध्यम से सशक्त बनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने समाज में शिक्षा की कमी पर चिंता व्यक्त करते हुए सरकार से रोहिणी आयोग की रिपोर्ट लागू करने एवं डीएनटी से संबंधित मांगों पर कार्रवाई करने की मांग की।

वक्ताओं ने कहा कि सम्राट मिहिर भोज अपने शासनकाल के सबसे शक्तिशाली शासकों में से एक थे। समाज की आवाज बुलंद करने के लिए एकता आवश्यक है। हमें अपने महापुरुषों को सदैव याद रखते हुए उनकी वीरता और शौर्यगाथाओं से नई पीढ़ी को अवगत कराना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान आगामी 27 अक्टूबर को तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित पटेल जयंती कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया गया।

इस अवसर पर ब्रजवीर प्रमुख एडवोकेट, धर्मवीर सिंह एडवोकेट, रघुराज अवाना एडवोकेट, रामकेश चपराना, बी.सी. प्रधान, विपिन प्रधान, बेगराज गुर्जर, पंकज मावी, राजपाल चपराना, सूबेदार परशुराम, अरुण भाटी सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

कार की टक्कर से बाइक सवार दंपति घायल

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे के जीरो पॉइंट पर एक बेकाबू कार ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दंपति घायल हो गए। पुलिस ने आरोपी कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस आरोपी चालक की तलाश में जुटी है। नॉलेज पार्क थाना पुलिस के मुताबिक नोएडा के गांव नंगली में विनोद कुमार परिवार के साथ रहते हैं। विनोद ने पुलिस को बताया कि वह 29 अगस्त को पत्नी ममता को बुलंदशहर से लेकर बाइक से नोएडा लौट रहे थे। यमुना एक्सप्रेस वे के जीरो पॉइंट के समीप एक बेकाबू कार ने पीछे से उनकी बाइक में टक्कर मार दी।

हादसे में विनोद और उनकी पत्नी घायल हो गए। विनोद का एक पैर टूट गया, जबकि उनकी पत्नी को शरीर में कई जगह चोट लगी। विनोद ने अब इस मामले में पुलिस से शिकायत की है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस कार के नंबर से उसके बारे में जानकारी जुटा रही है। आरोपी कार चालक के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

क्रिप्टोकरेंसी में ट्रेडिंग के नाम पर 35 लाख रुपये की ठगी

नोएडा। क्रिप्टोकरेंसी में निवेश कर मोटी कमाई का झांसा देकर साइबर अपराधियों ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट निवासी एक व्यक्ति से 34 लाख 49 हजार रुपये की ठगी कर ली। आरोपियों ने रोयचिन ऐप के माध्यम से पीड़ित को अपने जाल में फंसाया। पीड़ित ने साइबर क्राइम थाना में शिकायत देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई और रकम वापस दिलाने की मांग की है। पुलिस को दी शिकायत में ग्रेटर नोएडा वेस्ट के इरोज सम्पूर्णम सोसायटी निवासी दीपक अग्रवाल ने बताया कि साइबर अपराधियों ने उन्हें क्रिप्टोकरेंसी में ट्रेडिंग के नाम पर निवेश करने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद आरोपियों ने रोयचिन ऐप के माध्यम से उनसे अलग-अलग समय पर रकम जमा कराई।

मई और जून 2025 के दौरान उनके साथ कुल 34 लाख 49 हजार रुपये की साइबर ठगी की गई। पीड़ित ने बताया कि ठगी का पता चलने के बाद उन्होंने राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने घटना के करीब 14 महीने बाद अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित से पुलिस ने ट्रांजेक्शन संबंधी साक्ष्य मांगे हैं। पीड़ित का कहना है मुनाफे के चक्कर में उन्होंने करीबियों से रकम उधार लेकर निवेश किया था। प्रारंभिक चरण में ठगों ने जब रकम निवेश कराई तो इस पर मुनाफा हुआ। मुनाफे समेत रकम निकल भी गई। इसके बाद विश्वास में आकर शिकायतकर्ता ने रकम ट्रांसफर की। ठगों ने जो ऐप डाउनलोड कराया था उसपर पीड़ित को रकम बढ़ती हुई दिख रही थी।

करणी सेना का सम्मेलन पुलिस ने रोका

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के मिर्जापुर में रविवार को श्री राजपूत करणी सेना के सर्व समाज का सम्मेलन पुलिस प्रशासन ने रोक दिया। पुलिस शनिवार रात से ही फार्म हाउस पर जमा हो गई थी और गेट पर ताला लगा दिया गया।

श्री राजपूत करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष धीरज ठाकुर ने बताया कि प्रशासन ने परमिशन न होने के कारण कार्यक्रम रद्द कर दिया है। इसके बावजूद दूर-दूर से काफी लोग रविवार को मिर्जापुर पहुंचे। उन्होंने पुलिस से कार्यक्रम करने की गुहार लगाई, लेकिन पुलिस ने परमिशन देने से मना कर दिया।

मौके पर आए लोग एक साथ इकट्ठा होकर अलग जगह बैठ गए और अगले कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की। उन्होंने कहा कि इस तरह से कार्यक्रमों को रोकना गलत है। इस दौरान ठाकुर धीरज सिंह ने यूजीसी के नए कानून को लेकर सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि यूजीसी का नया कानून बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह देश में समाज को बांटने का काम करेगा, जिसका जोरदार विरोध किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभी सांकेतिक विरोध हो रहा है, लेकिन जरूरत पड़ी तो श्री राजपूत करणी सेना के अलावा अन्य लोग भी सड़क पर उतरकर इसका विरोध करेंगे।

धीरज सिंह ने सरकार से इस कानून पर विचार करने और इसे तुरंत वापस लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह कानून समाज में बंटवारा करेगा।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं नोएडा की डीएम मेधा रूपम

नोएडा। राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत एक छात्र को हिरासत में लेने के मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट से फटकार मिलने के बाद गौतम बुद्धनगर की डीएम मेधा रूपम सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

उन्होंने इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा फटकार लगाने व छात्रा आकृति चौधरी को लेकर दिए फैसले को चुनौती देते हुए याचिका दायर की है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने छात्र को हिरासत लेने के मामले की सुनवाई करते कहा था कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध नागरिकों का मूल अधिकार है। यह शासन के लिए 'सेफ्टी वाल्व' की तरह काम करता है, जिसे मनमाने ढंग से दबाया नहीं जा सकता।

न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति अचल सचदेव की खंडपीठ ने यह टिप्पणी दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा आकृति चौधरी की बंदी प्रत्यक्षीकरण स्वीकार करते हुए की थी।

छात्रा पर लगा एनएसए भी रदः इलाहाबाद कोर्ट ने नोएडा के औद्योगिक क्षेत्र में मजदूरों के वेतन वृद्धि आंदोलन से जुड़े मामले में छात्रा पर लगाया गया राष्ट्रीय सुरक्षा कानून भी रद कर दिया है। कोर्ट ने पुलिस की कहानी में बड़ा विरोधाभास पाया।

दरअसल, पुलिस ने 11 अप्रैल 2026 को आकृति चौधरी को हिरासत में लिया था, जबकि नोएडा में हिंसा और आगजनी की घटना 13 अप्रैल 2026 को हुई थी। पीठ ने सवाल उठाया कि जो व्यक्ति पहले से हिरासत में है, वह बाद की हिंसा के लिए जिम्मेदार कैसे हो सकता है? कोर्ट ने कहा कि पुलिस गंभीर आरोपों के समर्थन में कोई ठोस साक्ष्य या वीडियो नहीं पेश कर सकी।

इलाहाबाद कोर्ट ने की थी टिप्पणीः इस मामले में सुनवाई के दौरान इलाहाबाद टिप्पणी की थी कि कड़े निवारक कानूनों का इस्तेमाल सामान्य जमानत रोकने के लिए नहीं किया जा सकता। बिना पुख्ता सबूत के अनुच्छेद 21 के तहत व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर हमला हुआ तो अदालतें मूकदर्शक नहीं रहेंगी।

हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी की थीम पर मनाया जा रहा 9वां राष्ट्रीय पोषण माह

गौतमबुद्धनगर। जिला कार्यक्रम अधिकारी के कुशल नेतृत्व में बाल विकास परियोजना बिसरख के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र मुबारकपुर में 09 सितंबर से 08 अक्टूबर, 2026 तक 9वां राष्ट्रीय पोषण माह आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष पोषण माह की मुख्य अवधारणा 'हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' रखी गई है। इसका उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों को पोषण, देखभाल एवं बाल विकास के लिए सामुदायिक भागीदारी एवं जन-जागरूकता का प्रमुख केंद्र बनाना है।

पोषण माह के प्रथम सप्ताह 09 से 15 सितंबर तक 'आहार विविधता एवं पर्याप्त प्रोटीन' थीम के अंतर्गत विभिन्न पोषण संबंधी गतिविधियां आयोजित की गईं। इस दौरान मिलेट्स, दालों एवं हरी सब्जियों से तैयार विभिन्न पौष्टिक व्यंजनों का प्रदर्शन, पोषण मेला, बच्चों का वृद्धि मापन तथा पोषण वाटिका की उपज के उपयोग को बढ़ावा दिया गया। अभिभावकों एवं समुदाय को बच्चों के संतुलित एवं पौष्टिक आहार के संबंध में जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम के अंतर्गत आंगनवाड़ी प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित कर आंगनबाड़ी केंद्रों के बेहतर संचालन एवं सामुदायिक सहभागिता पर चर्चा की गई। साथ ही स्हक्कमेन्यू बोर्ड का प्रदर्शन एवं स्वच्छ आंगनवाड़ी के उद्देश्य से श्रमदान अभियान चलाया गया।

इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत पात्र गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के शत-प्रतिशत पंजीकरण, डीबीटी प्रक्रिया तथा योजना के अंतर्गत मिलने वाली किश्तों के संबंध में व्यापक जन-जागरूकता अभियान संचालित किया गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा महिलाओं एवं अभिभावकों को पोषण, स्वास्थ्य, स्वच्छता तथा बाल विकास से संबंधित आवश्यक जानकारी भी उपलब्ध कराई गई।

मन्नत पूरी नहीं हुई तो पंडित को ही बनाया बंधक

नोएडा। भगवान से मन्नत मांगना आस्था है, लेकिन मन्नत पूरी न होने पर पूजा कराने वाले पंडित जी को ही बंधक बना लेना? अंधविश्वास और दुस्साहस का एक ऐसा अजीब मामला सामने आया है जिसे सुनकर कोई भी हैरान रह जाए। उत्तर प्रदेश के नोएडा और जौनपुर के बीच बुनी गई इस साजिश में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

मामला नोएडा के सेक्टर 73 के सर्फाबाद में रहने वाले पुरोहित अनिल तिवारी से जुड़ा है। आरोप है कि कुछ समय पहले जौनपुर के रहने वाले आशीष और प्रवेश नाम के व्यक्तियों ने उनसे धार्मिक अनुष्ठान करवाया था। उनका मकसद कोई खास मनोकामना पूरी करना था। लेकिन जब समय बीतने के बाद भी मनोकामना पूरी नहीं हुई, तो आरोपियों ने भगवान से शिकायत करने के बजाय पुरोहित को ही निशाना बनाया। पुरोहित को एक और पूजा के बहाने बहला-फुसलाकर 5 सितंबर को फिर जौनपुर बुलाया गया। पुरोहित जब वहां पहुंचे, तो उन्हें एक कमरे में बंधक बना लिया गया। आरोपियों का अजीब तर्क था कि पूजा में जो पैसा खर्च हुआ, वो वापस चाहिए। इसके बाद पुरोहित को छोड़ने के बदले परिजनों से 1 लाख रुपये की रंगदारी मांगी गई और जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़ित परिवार ने 9 सितंबर को नोएडा के सेक्टर-113 थाने में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने योजना बनाई और पीड़ित के बेटे ने आरोपियों से रकम नोएडा से ले जाने के लिए कहा। वहां से दो लोग पंडित जी को लेकर नोएडा आ गए। जब आरोपी फिरौती की रकम लेने पहुंचे, तो पुलिस ने सर्फाबाद के पास से दोनों को रविवार को पकड़ लिया और मामले का खुलासा किया।

आरोपियों की पहचान आशीष यादव और प्रवेश यादव के रूप में हुई है, जो जौनपुर जिले के सिकरारा थाने के मशीदा के रहने वाले हैं।

नोएडा चाइल्ड पीजीआइ में बढ़ेंगे 10 वेंटिलेटर बेड

नोएडा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बाल मरीजों को अब वेंटिलेटर पर इलाज के लिए दिल्ली के हायर सेंटर या प्राइवेट अस्पताल में चक्कर काटकर ज्यादा पैसे नहीं देने होंगे।

नोएडा सेक्टर-30 स्थित चाइल्ड पीजीआई में प्रबंधन ने एनआइसीयू (नीकू) में दस और वेंटिलेटर बेड बढ़ाने का प्रस्ताव तैयार किया है। प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के लिए शासन भेज दिया गया है। वहां से मंजूरी मिलने के बाद स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जाएगा। हालांकि, प्रबंधन ने नीकू के बराबर में ब्लड बैंक को दूसरी जगह शिफ्ट करने का काम शुरू करा दिया है।

चाइल्ड पीजीआइ में पश्चिमी उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्यप्रदेश और बंगाल और अन्य राज्यों से गंभीर बीमारी के बच्चे इलाज के लिए नोएडा आते हैं। कई बार उन्हें पीजीआइ में वेंटिलेटर की सुविधा नहीं मिलने से प्राइवेट अस्पताल या फिर दिल्ली के हायर सेंटर में जाना पड़ता है। नीकू वार्ड में कम जगह के चलते दस वेंटिलेटर के साथ संचालित कर रहा था। मगर अब प्रबंधन ने पहले तल पर नेत्र रोग विभाग को भूतल पर शिफ्ट कर ब्लड बैंक को उसकी जगह ले जाने की रणनीति तैयार की है।

पीजीआइ निदेशक प्रो डा. अरूण कुमार सिंह का कहना है कि नेत्ररोग विभाग और ब्लड बैंक से आधुनिक मशीनों को शिफ्ट करने के लिए दिल्ली व प्रदेश की टीम निरीक्षण कर मंजूरी देगी। इसके बाद गंभीर बीमारी से ग्रस्त मरीजों को इलाज देने के लिए नीकू में वेंटिलेटर युक्त दस बेड बढाने का काम तेजी से शुरू होगा।

इसी के साथ बाल मरीजों को यहां 20 वेंटिलेटर युक्त बेड पर इलाज की सुविधा मिलेगी। इसी के साथ चिकित्सक और स्टाफ की नियुक्ति भी होगी। सभी महत्वपूर्ण प्वाइंट पर प्रस्ताव तैयार कर शासन से मंजूरी मांगी गई है।

रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली एनसीआर विज़नरीज़ का भव्य स्थापना समारोह सम्पन्न

नोएडा। रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली एनसीआर विज़नरीज़ का भव्य स्थापना समारोह सेक्टर-37, नोएडा स्थित अदिरा में गरिमापूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया।

समारोह में रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3011 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर सीए रोटेरियन अजीत जालान जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट के अनेक वरिष्ठ रोटेरियन्स तथा क्लब के प्रायोजक क्लब रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली साउथ सेंट्रल के पदाधिकारी एवं सदस्य भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

समारोह के दौरान क्लब की नेतृत्व टीम का औपचारिक रूप से परिचय कराया गया

चार्टर प्रेसिडेंट - रोटेरियन ललित गर्ग

चार्टर सेक्रेटरी - रोटेरियन शोभित गुप्ता

चार्टर प्रेसिडेंट इलेक्ट - रोटेरियन गौरव मित्तल

चार्टर ट्रेज़रर - रोटेरियन अमन गर्ग

चार्टर प्रेसिडेंट रोटेरियन ललित गर्ग ने अपने संबोधन में दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में समाज सेवा के माध्यम से सकारात्मक एवं स्थायी बदलाव लाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि क्लब शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, जरूरतमंदों की सहायता तथा विभिन्न जनकल्याणकारी परियोजनाओं पर विशेष रूप से कार्य करेगा और 'स्थायी प्रभाव का सृजन' करने की भावना को आगे बढ़ाएगा।

विशेष उल्लेखनीय है कि रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली एनसीआर विज़नरीज़ ने 42 चार्टर सदस्यों के साथ अपनी शानदार शुरुआत की है। क्लब की मजबूत सदस्य संख्या एवं उत्साहपूर्ण शुरुआत की रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3011 द्वारा सराहना की गई तथा क्लब को 'प्रशंसा पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

रोटेरियन ललित गर्ग ने इस उपलब्धि का श्रेय पूरी विज़नरीज़ टीम, सभी चार्टर सदस्यों, प्रायोजक क्लब, वरिष्ठ रोटेरियन्स तथा डिस्ट्रिक्ट नेतृत्व के मार्गदर्शन एवं सहयोग को दिया।

यह स्थापना समारोह रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली एनसीआर विज़नरीज़ की सेवा, मित्रता और नेतृत्व के माध्यम से दिल्ली-एनसीआर में स्थायी प्रभाव पैदा करने की एक नई यात्रा का शुभारंभ बना।

प्रतिमाओं में प्राकृतिक सामग्री

चार राज्यों की मिट्टी से आकार ले रहे हैं गणपति बप्पा

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी में गणेश चतुर्थी की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में गणपति बप्पा की प्रतिमाएं अंतिम रूप ले रहीं हैं। इस बार इन प्रतिमाओं की खास बात यह है कि बप्पा को आकार देने के लिए देश के अलग-अलग राज्यों से मिट्टी और दूसरी प्राकृतिक सामग्री दिल्ली पहुंच रही है। चार राज्यों की मिट्टी से तैयार हो रहे बप्पा इस बार लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। कहीं बंगाल से लाई गई मिट्टी का इस्तेमाल हो रहा है तो कहीं मध्य प्रदेश से आई लकड़ी और बांस प्रतिमा को मजबूती दे रहे हैं। चार तरह की मिट्टी, पराली और दूसरी सामग्री को मिलाकर कारीगर प्रतिमाओं को ऐसा रूप दे रहे हैं कि तैयार होने के बाद भगवान गणेश का स्वरूप जीवंत नजर आता है। सागरपुर, मधु विहार, अर्जुन गढ़, सरोजिनी नगर, मुनिरका, भीकाजी कामा प्लेस, अर्जुन पार्क, कालकाजी और द्वारका समेत कई

इलाकों में गणेश प्रतिमाएं तैयार की जा रहीं हैं। इन जगहों पर करीब 100 कारीगर काम कर रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या महिला कारीगरों की है। कारीगरों के मुताबिक, प्रतिमा तैयार करने का काम गणेश चतुर्थी से करीब दो से तीन महीने पहले शुरू हो जाता है। सबसे पहले अलग-अलग तरह की मिट्टी को तैयार किया जाता है। इसके बाद पराली और दूसरी सामग्री की मदद से प्रतिमा का ढांचा बनाया जाता है। मिट्टी की परत चढ़ाकर उसे आकार दिया जाता है। सूखने के बाद प्रतिमा के अलग-अलग हिस्सों को जोड़ा जाता है। गणपति की मांग मुख्य रूप से पूजा पंडालों के लिए है, जबकि छोटे आकार की प्रतिमाएं घरों में स्थापना के लिए खरीदी जा रही हैं।

बंगाल की काली मिट्टी से बन रहे बप्पा

गणेश प्रतिमाओं के लिए पश्चिम बंगाल से लाई जाने वाली मिट्टी की मांग ज्यादा है। कलाकारों के अनुसार, बंगाल की मिट्टी से प्रतिमा के चेहरे और शरीर की बारीक आकृतियों को उभारने में मदद मिलती है। वहीं, मध्य प्रदेश से लकड़ी और बांस समेत दूसरी सामग्री मंगाई जाती है। खंडवा और खरगोन जैसे इलाकों से आने वाली सामग्री का इस्तेमाल प्रतिमा के ढांचे को तैयार करने में किया जाता है। राजधानी में अलग-अलग स्थानों पर तैयार हो रही प्रतिमाओं में छोटी मूर्तियों से लेकर 10 फुट से ज्यादा ऊंची प्रतिमाएं भी शामिल हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता कलराज मिश्र की पत्नी का निधन, नोएडा के अस्पताल में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र की पत्नी सत्यवती मिश्रा का निधन हो गया है। इसकी जानकारी खुद कलराज मिश्र ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिए दी। मिली जानकारी के अनुसार वह फेफड़ों के संक्रमण से पीड़ित थीं। नोएडा के मेट्रो हॉस्पिटल में शनिवार देर रात उन्होंने अंतिम सांस ली। कलराज मिश्र की पत्नी के देहांत पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, हाल ही में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के उप-राज्यपाल नियुक्त किए गए दिनेश शर्मा समेत तमाम राजनीति और सामाजिक हस्तियों ने शोक जताया है। अपनी पत्नी के निधन की जानकारी देते हुए कलराज मिश्र ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर उनकी एक तस्वीर भी साझा की। कलराज मिश्र ने लिखा- 'मेरी धर्मपत्नी श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी, आज अपनी जीवन यात्रा पूर्ण कर ईश्वर के श्रीचरणों में विलीन हो गईं हैं, प्रभु उनको अपने श्री चरणों में स्थान दें। ? शांति।' इस पोस्ट के सामने आने के बाद भाजपा और कलराज मिश्र के परिवार से जुड़े लोगों, उनके शुभचिंतकों और समर्थकों में शोक की लहर है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में शी चिनफिंग के भारत दौरे के खिलाफ तिब्बती संगठनों का प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में भारत मंडपम में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बीच शनिवार रात तिब्बती यूथ कांग्रेस और स्टूडेंट्स फॉर ए फ्री तिब्बत के कार्यकर्ताओं ने इंडिया हैबिटेट सेंटर के बाहर प्रदर्शन कर चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के भारत दौरे का विरोध किया। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में बैनर लेकर चीन की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की। एक बैनर पर लिखा था, 'शी चिनफिंग- नरसंहार। ' वहीं, प्रदर्शन के दौरान मौके पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को वहां से हटाया और करीब 50 लोगों को हिरासत में ले लिया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, स्थिति को नियंत्रित करने के बाद सभी प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर आवश्यक कार्रवाई की गई।

एअर इंडिया के पूर्व पायलट वसंत कुंज के एक होटल में मृत पाए गए, केस दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू

नईदिल्ली, एजेंसी। एअर इंडिया के पूर्व पायलट दिल्ली के वसंत कुंज उत्तर क्षेत्र में स्थित द ग्रैंड होटल के एक कमरे में बेहोश पाए गए। जानकारी के मुताबिक उन्होंने 10 सितंबर को होटल में चेक-इन किया था। साउथ वेस्ट पुलिस अधिकारियों के अनुसार 11 सितंबर की शाम को उनके भाई ने होटल मैनेजर को सूचना दी कि वे फोन का जवाब नहीं दे रहे हैं। मैनेजर कमरे तक गए तो दरवाजा अंदर से बंद पाया। मास्टर चाबी से कमरा खोला गया और अंदर कप्तान बेहोश पाए गए। पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जांच के लिए एक क्राइम टीम को भी मौके पर बुलाया गया। 12 सितंबर को सफदरजंग अस्पताल में पोस्टमार्टम किया गया। अंतिम पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मेडिकल राय के बाद ही मौत के सटीक कारणों का पता चलेगा। वसंत कुंज उत्तर पुलिस ने बीएनएसएस की धारा 194 के तहत जांच कार्यवाही शुरू कर दी है। आगे की जांच जारी है

दिल्ली-एनसीआर में अब कुछ दिन बारिश के आसार

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में शनिवार को आसमान में बादल छाए रहे और शहर के कई हिस्सों में बारिश दर्ज की गई। मौसम

विभाग के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में 16 सितंबर तक बारिश का यह सिलसिला जारी रहने की संभावना है। मौसम विज्ञानियों का मानना है कि वर्तमान में चल रहा यह दौर इस मानसून सीजन की आखिरी बड़ी बारिश हो सकती है। मानसून की विदाई में होगी देरी मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, इस साल दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई थोड़ी देरी से होने की संभावना है। दिल्ली से 21 सितंबर के बाद मानसून की वापसी शुरू होने की उम्मीद है।

तापमान और बारिश के आंकड़े

शनिवार को दिल्ली के कई इलाकों में हल्की बारिश देखने को मिली, लेकिन अधिकांश मौसम केंद्रों पर अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक ही बना रहा। शनिवार सुबह 8:30 बजे से शाम 5:30 बजे के बीच सफदरजंग वेधशाला में 3.4 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं, लोधी रोड और आयानगर में 0.5 मिमी बारिश हुई, जबकि पालम में केवल बूंदाबांदी दर्ज की गई। सफदरजंग में अधिकतम तापमान 36.4 डिग्री सेल्सियस (सामान्य से 2.9 डिग्री अधिक) और न्यूनतम 26.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पालम में अधिकतम तापमान 33.8 डिग्री और न्यूनतम 24.1 डिग्री सेल्सियस रहा। लगातार हो रही बारिश और मौसम में बदलाव के चलते दिल्ली की हवा साफ बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, शनिवार को राजधानी का वायु गुणवत्ता सूचकांक 62 दर्ज किया गया, जो 'संतोषजनक' श्रेणी में आता है।

ठेका देने पर उठे सवाल

एमसीडी के टोल नाके बने सिरदर्द, दिल्ली में प्रदूषण और जाम बढ़ने से घट रहा राजस्व

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में एमसीडी के टोल नाके एक तरफ प्रदूषण का कारण बन रहे हैं, तो वहीं दूसरी ओर इनसे मिलने वाला राजस्व भी घट गया है। जी हां, टोल से आने वाले राजस्व को अपनी आय का प्रमुख स्रोत बताने वाली एमसीडी का इससे राजस्व घटा है, वहीं इसके वसूलने से होने वाली परेशानी के साथ प्रदूषण भी बढ़ रहा है। बताया गया कि आए दिन प्रमुख टोल नाकों पर व्यावसायिक वाहनों से वसूले जाने वाले ईसीसी (पर्यावरण क्षतिपूर्ति शुल्क) और एमसीडी टोल के कारण जाम लगता है। जिससे प्रदूषण बढ़ता है।

वहीं, बावजूद इसके दिल्ली के नौ टोल नाके (टिकरी बॉर्डर, केजीटी-सिंघु बॉर्डर, कापसहेड़ा

बॉर्डर, आया नगर बॉर्डर, बदरपुर बॉर्डर, अप्सरा-शाहदरा बॉर्डर, न्यू मंडौली बॉर्डर, गाजीपुर बॉर्डर और रजोकरी बॉर्डर) ऐसे हैं जहां पर विशेषकर व्यावसायिक वाहनों से एमसीडी द्वारा टोल वसूली के कारण जाम लगा रहता है।

950 करोड़ सालाना ही पहुंचा

गौरतलब है कि दिल्ली में एमसीडी के 156 टोल नाके हैं, जिनसे एमसीडी को मिलने वाला राजस्व जहां 1800-2000 करोड़ पहुंचना चाहिए था और वह 950 करोड़ सालाना ही पहुंच पाया है। दरअसल, वर्ष 2017 में एमसीडी ने 1206 करोड़ रुपये के सालाना अनुबंध पर इनका ठेका एमईपी नाम की कंपनी को दिया था। शुरुआत में कुछ समय तक तो कंपनी को राजस्व आया, लेकिन कोरोना में लगे लाकडाउन में राजस्व में छूट व अन्य कारणों से भुगतान का मामला फंस गया।

एमसीडी और कंपनी के बीच विवाद बढ़ा तो एमसीडी ने 2021 में सहकार ग्लोबल नाम की कंपनी को शुरुआत में तीन वर्षों के लिए यह काम दे दिया।

वाहनों का प्रवेश अनिवार्य

यह हालत तब है जब टोल नाकों से जाम खत्म करने के लिए एमसीडी ने 100 करोड़ से अधिक खर्च कर यहां पर रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन टैग आधारित वाहनों का प्रवेश अनिवार्य कर दिया था। लेकिन उस दौरान इसे मात्र 786 करोड़ के ही सालाना राजस्व पर काम दिया था। यानी 2017 के मूल ठेके से करीब 450 करोड़ कम। टोल कंपनी के तीन वर्ष 2023 में पूरे हो गए थे, लेकिन एमसीडी की स्थायी समिति का गठन न होने का बहाना लेकर एमसीडी ने इसका एक-एक साल के लिए तीन बार विस्तार किया। अब भी नया ठेका इसी कंपनी को एमसीडी ने दिया है, लेकिन वह भी 950 करोड़ का ही है, जो कि 2017 के मूल ठेके से 250 करोड़ के करीब कम है।

दिल्ली के गांधी नगर में युवक की छत से गिरकर मौत, गली में बिना कपड़ों के मिली लाश

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के गांधी नगर इलाके में रविवार तड़के बिहार के रहने वाले 30 वर्षीय एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में एक इमारत की छत से गिरने के बाद मौत हो गई। पुलिस को उसका शव गली में निर्वस्त्र हालत में पड़ा मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। यह हत्या है या फिर आत्महत्या अभी यह पता नहीं चल सका है। पुलिस इस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

पुलिस ने बताया कि रविवार सुबह 5:20 बजे सूचना मिली कि गांधी नगर थाना अंतर्गत आने वाली नामदेव गली में एक व्यक्ति बिना कपड़ों के सड़क पर पड़ा है और उसके सिर से खून बह रहा है। गांधी नगर थाने से पुलिस की एक टीम, क्राइम और फोरेंसिक टीमों के साथ तुरंत मौके पर पहुंची और जांच शुरू की गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच में मृतक व्यक्ति की पहचान बिहार में किशनगंज जिले के पिपला के रहने वाले दीपक के तौर पर हुई है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि दीपक खुद छत से गिरा या उसे किसी ने धक्का दिया। उन्होंने कहा कि दीपक की मौत की असल वजह का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ पता चल सकता है। वहीं, दिल्ली के भलस्वा डेयरी में चोरी के शक में 18 साल के युवक की पीट-पीटकर हत्या करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने दो ट्रक ड्राइवरों को गिरफ्तार किया है। भलस्वा डेयरी थाने में बीएनएस की धारा 105 के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस ने दोनों आरोपी ट्रक ड्राइवरों मुंतियाज और नईम को गिरफ्तार किया। 12 सितंबर को पोस्टमॉर्टम किया गया। बाकी दो और संदिग्धों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस की टीमें दूसरी जगहों पर भेजी गई हैं। इस मामले की जांच जारी है।

डीटीटसी बस सर्विस को हाईटेक करेगा एआई; रूट, रखरखाव और ड्राइवर-कंडक्टर की ड्यूटी और पैसेंजर्स पर रखेंगे नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को अधिक आधुनिक और सुलभ बनाने के लिए दिल्ली सरकार एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की बस सेवा, रूट मैनेजमेंट और रखरखाव की निगरानी के लिए अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग तकनीक की मदद ली जाएगी। मौजूदा सिस्टम का होगा जीर्णोद्धार डीटीसी अपने मौजूदा बस मैनेजमेंट सिस्टम को

अपग्रेड कर पूरी तरह से एआई आधारित नया सॉफ्टवेयर तैयार करने की योजना बना रहा है। इसके लिए विशेषज्ञ कंपनियों से प्रस्ताव (आरएफपी) मांगे गए हैं। चयनित कंपनी पहले वर्तमान बस संचालन व्यवस्था का विस्तृत अध्ययन करेगी, जिसके बाद इलेक्ट्रिक, सीएनजी व अन्य बसों के प्रबंधन के लिए नया डिजिटल ढांचा तैयार किया जाएगा। वर्तमान में डीटीसी के बेड़े में 6,500 से अधिक बसें शामिल हैं, जिनका संचालन शहर के 52 डिपो से किया जाता है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने वर्ष 2028-29 तक बसों की संख्या को बढ़ाकर 14,000 करने और डिपो की संख्या 90 तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। बसों के इस बढ़ते बेड़े को नियंत्रित करने के लिए एआई आधारित मॉनिटरिंग बेहद अहम साबित होगी। प्रस्तावित नए एआई सॉफ्टवेयर को इलेक्ट्रॉनिक टिकटिंग मशीन (ईटीएम) और किराया वसूली व्यवस्था से सीधे जोड़ा जाएगा। इससे डिपो, बस, चालक और परिचालक के अनुसार ईटीएम की मैपिंग होगी।

दिल्ली के गोदाम में लगी आग

आसपा स के मकानों में भरा धुआं; बच्चों के साथ खिड़की से कूदे लोग

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली क स्वरूप नगर थाना क्षेत्र स्थित गली नंबर-2 में रविवार सुबह इमारत की पहली मंजिल पर बने बॉक्सिंग किट गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। हादसे के वक्त गोदाम में मौजूद कर्मचारी निकलने में सफल हो गए। लेकिन पड़ोस की इमारत में धुआं भरने से घबराए 6 लोगों ने खिड़की से छलांग लगा दी। घायलों बुराड़ी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

चश्मदीदों के अनुसार, आग इतनी तेजी से फैली कि उसका काला धुआं आसपास के मकानों में भर गया। धुएं के कारण लोगों का दम घुटने लगा। स्थिति बिगड़ती देख कुछ निवासियों ने अपने मासूम बच्चों के साथ मकान के पीछे की खिड़कियों से कूदकर किसी तरह अपनी जान बचाई। इस भागदौड़ में कुछ लोगों को चोटें भी आई हैं। सूचना मिलते ही स्थानीय निवासियों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचित किया और खुद राहत और बचाव कार्य में जुट गए। वहीं, स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर भारी रोष है। निवासियों का कहना है कि घनी आबादी वाले रिहायशी इलाके के बीच अवैध रूप से कमर्शियल गोदाम का संचालन किया जा रहा था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, फैक्ट्री के बगल वाली इमारत में लोगों के बीच घबराहट फैल गई, जिससे महिलाओं और बच्चों समेत छह लोग इमारत से कूद गए और घायल हो गए। उन्होंने बताया कि सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया और वे खतरे से बाहर हैं। दिल्ली फायर सर्विस ने बताया कि उन्हें सुबह 11:05 बजे आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद 15 दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं।

पुलिस ने बताया कि तुरंत आग बुझाने का काम शुरू किया गया और अब दमकल गाड़ियों ने आग पूरी तरह बुझा दी है। आग लगने की वजह और नुकसान के बारे में और जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस घटना में घायल हुए लोगों की पहचान और अन्य विवरणों की भी पुष्टि कर रही है।

अल-फलाह विश्वविद्यालय परिसर में विस्फोटक परीक्षण करते थे सफेदपोश आतंकी

नई दिल्ली, एजेंसी। लाल किला के बाहर 10 नवंबर को हुए कार ब्लास्ट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पटियाला हाउस कोर्ट में आरोप पत्र (चार्जशीट) दाखिल की है। एनआईए की चार्जशीट के अनुसार, अल-फलाह विश्वविद्यालय को देश विरोधी गतिविधियों का केंद्र बनाने की साजिश रची जा रही थी। इस 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल में विश्वविद्यालय के तीन डॉक्टरों समेत कई अन्य लोग शामिल थे। आरोप पत्र के अनुसार, आतंकी डॉक्टर उमर उन नबी, डॉक्टर मुजम्मिल शकील गनी और डॉक्टर अदील अहमद राथर ने पहले खेतों में उर्वरक आधारित विस्फोटक मिश्रणों का प्रयोग किया। बाद में उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर के एक ट्यूबवेल के पास नाइट्रोग्लिसरीन का परीक्षण किया, जिसमें जासिर बिलाल वानी नाम के छात्र ने मदद की। इसके बाद आतंकियों ने धौज, उमरगांव और फरीदाबाद की अरावली पहाड़ियों के सुनसान जंगलों में अधिक घातक विस्फोटक टीएटीपी (ट्राई-एसीटोन ट्राई-पैराक्साइड) और हथियारों का परीक्षण किया। धौज में टीएटीपी परीक्षण में प्रयुक्त पाइप के अवशेष बाद में डॉक्टर गनी के आवास से बरामद किए गए। पुलिस और आम लोगों की नजरों से बचने के लिए आतंकियों ने खोरी जमालपुर और धौज में किराए पर मकान लिए थे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में निपटाए गए 2.10 करोड़ से अधिक मामले, चेक बाउंस से वैवाहिक विवादों तक बनी बात

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर की अदालतों और ट्रिब्यूनल में मुकदमेबाजी के स्थान पर बातचीत और समझौते का माहौल रहा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) ने साल की तीसरी राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की। इसमें आपसी सहमति से 2.10 करोड़ से ज्यादा मामले सुलझाए गए। नालसा के बयान के अनुसार, 26 राज्यों और सात केंद्र शासित प्रदेशों में लोक अदालत की बेंच बनाई गई। इनमें हाई कोर्ट से लेकर तालुका कोर्ट स्तर पर न्यायिक अधिकारी, वकील, पैरा-लीगल वालंटियर और मुकदमा करने वाले शामिल हुए। शनिवार शाम सात बजे तक के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार (कर्नाटक, राजस्थान और दिल्ली को छोड़कर और कुछ अन्य क्षेत्रों से डेटा आना बाकी है), 2,10,39,112 मामले सुलझाए गए। बयान में कहा गया है कि इनमें से 1,90,75,743 मामले प्री-लिटिगेशन (मुकदमे से पहले के) थे, जिन्हें सीधे लोक अदालत के सामने लाया गया था, जबकि 19,63,369 मामले पहले से ही अदालतों में लंबित थे। कर्नाटक, राजस्थान और दिल्ली में यह आयोजन 19 सितंबर, 10 अक्टूबर और 25 अक्टूबर को होना है। मुख्य न्यायाधीश और नालसा के संरक्षक जस्टिस सूर्य कांत ने लोक अदालत से पहले अपने एक संदेश में कहा कि विवादों को सुलझाने के लिए लोग इस प्लेटफार्म का इस्तेमाल करें। नालसा के कार्यकारी अध्यक्ष जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा कि यह तरीका अदालतों में लंबित मामलों की संख्या को कम करने में मदद करता है। साथ ही यह दोनों पक्षों को ऐसे नतीजे तक पहुंचने का मौका देता है जो दोनों को मंजूर हो। इससे उन्हें लंबे मुकदमों के खर्च और देरी से बचाया जा सकता है। जिन विवादों को सुलझाया गया, उनमें चेक बाउंस के मामले, मोटर दुर्घटना के दावे, वैवाहिक विवाद, श्रम विवाद, उपभोक्ता शिकायतें, जमीन अधिग्रहण के मामले, उत्तराधिकार से जुड़े विवाद, छोटे कारोबार से जुड़े मध्यस्थता के दावे, समझौता योग्य आपराधिक मामले और ट्रैफिक चालान शामिल थे।

वेलेंटाइन डे के मैसेज से खुला राज तो रची साजिश, फिर गर्लफ्रेंड संग मिल पत्नी को मार डाला; मुंबई से मोहम्मद अरेस्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। बाहरी दिल्ली में शाहबाद डेरी के प्रहलादपुर बांगर में सबीला खातून की हत्या के मामले में पुलिस ने साजिश की परतें खोलते हुए उसके पति मोहम्मद लाल बाबू उर्फ जाहिद अली और उसकी प्रेमिका रुखसार खातून को गिरफ्तार कर लिया है। वारदात के बाद दोनों को भगाने में मदद करने वाले लाल बाबू के ममेरे भाई मोहम्मद सामा को भी गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि महिला की मौत स्लैब पर बार-बार सिर टकराने व गला घोंटने से हुई है। पुलिस उपायुक्त शोभित डी. सक्सेना ने बताया कि 29 अगस्त को शाहबाद डेरी थाना पुलिस को प्रहलादपुर गांव में सबीला की हत्या की सूचना मिली थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो घर के बाथरूम में सबीला खातून का शव मिला था। मृतका के भाई गुलाब ने पुलिस को बताया कि उसकी बहन की हत्या उसके पति लाल बाबू ने की है और वारदात के बाद वह अपने एक साल के बेटे को लेकर फरार हो गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि लाल बाबू का रुखसार खातून से प्रेम संबंध था। वह उससे शादी करना चाहता था। इस बात का पता सबीला को वेलेंटाइन डे पर आए संदेश से चला। इसको लेकर उसका पत्नी सबीला से अक्सर विवाद होता था।

इसी विवाद के चलते लाल बाबू ने रुखसार के साथ मिलकर पत्नी को रास्ते से हटाने की साजिश रची। मौका पाकर दोनों ने बाथरूम में स्लैब पर सबीला का सिर टकरा कर व गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी थी और वारदात के बाद लाल बाबू अपने बेटे को लेकर फरार हो गया था। पुलिस को मोबाइल सर्विलांस से पता चला कि आरोपी नोएडा पहुंचा था। वहां उसने अपने ममेरे भाई मोहम्मद ओसामा से संपर्क किया। ओसामा ने लाल बाबू को छिपने में मदद की और गिरफ्तारी से बचने के लिए उसे बिहार भागने का इंतजाम कराया। पुलिस ने पहले ओसामा को बिहार से गिरफ्तार कर लिया। बाद में पुलिस ने मुंबई से दिल्ली लौटे लाल बाबू को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, पूछताछ में लाल बाबू ने बताया कि वह रुखसार से शादी करना चाहता था और इसी वजह से उसने पत्नी की हत्या की साजिश रची थी।

रायबकिना ने पहली बार यूएस ओपन जीता, वर्ल्ड नंबर-1 बनीं

सबालेंका लगातार तीसरा खिताब जीतने से चूकीं, हार के बाद रैकेट तोड़ा

न्यूयॉर्क। कजाकिस्तान की एलेना रायबकिना ने बेलारूस की आर्यना सबालेंका को हराकर पहली बार यूएस ओपन खिताब जीत लिया। न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में शनिवार रात खेले गए फाइनल में रायबकिना ने सबालेंका को 6-4, 5-7, 6-2 से हराया। इस जीत के साथ रायबकिना ने अपना तीसरा विमेंस सिंगल्स ग्रैंड स्लैम खिताब जीता और सोमवार को आधिकारिक तौर पर वर्ल्ड नंबर-1 बन जाएंगी। हार के बाद निराश सबालेंका ने अपना रैकेट तोड़ दिया।

सबालेंका का लगातार तीसरा खिताब जीतने का सपना टूटा - रायबकिना की जीत से सबालेंका का लगातार तीसरी बार यूएस ओपन चैंपियन बनने का सपना टूट गया। इसके साथ ही रु ओपन में उनकी 19 मैचों की जीत का सिलसिला भी खत्म हो गया। सबालेंका पिछले 99 हफ्तों से दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी थीं।

पहले सेट में रायबकिना का दबदबा - पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, लेकिन रायबकिना ने अहम मौकों पर बेहतर खेल दिखाया और सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। इस दौरान गुस्से में गेंद स्टैंड की ओर मारने पर सबालेंका को चेतावनी भी मिली।

सबालेंका ने दूसरे सेट में की वापसी - दूसरे सेट में सबालेंका ने अपनी लय वापस हासिल की। उन्होंने रायबकिना पर लगातार दबाव बनाया और 5-5 के बाद ब्रेक हासिल कर सेट 7-5 से जीत लिया। इससे मुकाबला निर्णायक तीसरे सेट में पहुंच गया।

तीसरे सेट में फिर हावी हुईं रायबकिना - निर्णायक सेट में रायबकिना ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने 5-2 की बढ़त बना ली। इसके बाद मैच पॉइंट पर जीत कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। फाइनल 2 घंटे 21 मिनट चला।

इस साल का दूसरा ग्रैंड स्लैम - रायबकिना ने इससे पहले 2022 में विंबलडन और 2026 में ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था। ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में भी उन्होंने सबालेंका को हराया था। यूएस ओपन जीतने के बाद अब रायबकिना के पास करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने के लिए सिर्फ फ्रेंच ओपन का खिताब जीतना बाकी है।

चोट से जूझने के बाद हासिल की बड़ी सफलता

रायबकिना यूएस ओपन से पहले चोट की समस्या से जूझ रही थीं। इसके बावजूद उन्होंने न्यू यॉर्क में शानदार प्रदर्शन किया और पहली बार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचकर खिताब जीत लिया। रूस में जन्मी रायबकिना अब कजाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करती हैं।

रायबकिना को करीब 46 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि

यूएस ओपन का खिताब जीतने पर रायबकिना को 55 लाख डॉलर यानी करीब 46 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि मिली। वहीं, उपविजेता सबालेंका को 28 लाख डॉलर मिले। रायबकिना ने जीत के बाद कहा कि उनके पास अपनी भावनाएं व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं। उन्होंने बताया कि वह पिछले 10 साल से न्यू यॉर्क आ रही हैं, लेकिन यहां उन्हें कभी ऐसी सफलता नहीं मिली थी।

अनाहत सिंह ने कतर क्लासिक स्क्वॉश में उलटफेर किया

वर्ल्ड नंबर-16 फरिदा मोहम्मद को चार गेम में हराया, अब टिन्ने जिलिस से मुकाबला

नई दिल्ली। भारत की युवा स्क्वॉश खिलाड़ी और वर्ल्ड जूनियर चैंपियन अनाहत सिंह ने सीजन के पहले प्लैटिनम टूर्नामेंट कतर क्लासिक में जीत के साथ अभियान शुरू किया। विमेंस सिंगल्स के पहले राउंड में वर्ल्ड नंबर-20 अनाहत ने मिस्र की 16वें नंबर की फरीदा मोहम्मद को 13-11, 3-11, 11-7, 11-7 से हराया।

- **दूसरे गेम में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी -** मुकाबले की शुरुआत कड़ी टक्कर के साथ हुई। अनाहत ने पहला गेम 13-11 से जीता। दूसरे गेम में फरीदा ने आक्रामक खेल दिखाते हुए 11-3 से जीत दर्ज की और स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद अनाहत ने संयम बनाए रखा। उन्होंने तीसरा गेम 11-7 और चौथा गेम भी 11-7 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।
- **प्री-क्वार्टर फाइनल में टिने गिलिस से मुकाबला -** पहले राउंड में अपने से ऊंची रैंकिंग वाली खिलाड़ी को हराने के बाद अनाहत अब प्री-क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम की वर्ल्ड नंबर-9 टिने गिलिस से भिड़ेंगी।
- **मेंस कैटेगरी में अभय सिंह और वीर चोटरानी पर नजरें -** पुरुष एकल में भारत की ओर से अभय सिंह और वीर चोटरानी चुनौती पेश करेंगे। अभय वर्ल्ड रैंकिंग में 24वें और वीर 38वें स्थान पर हैं।

एशियन गेम्स में भी भारतीय टीम का हिस्सा - अनाहत सिंह हाल ही में वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियन बनी थीं। आगामी एशियन गेम्स में भारतीय स्क्वैश टीम में अनाहत के साथ अभय सिंह, वीर चोटरानी और तन्वी खन्ना भी शामिल हैं।

भारत जूनियर विमेंस एशिया कप का खिताब जीता

चीन को 1-0 से हराया, हॉकी इंडिया ने खिलाड़ियों-सपोर्ट स्टाफ के लिए कैश प्राइज का ऐलान किया

नई दिल्ली। भारत ने रविवार को चीन को 1-0 से हराकर जूनियर विमेंस एशिया कप का खिताब जीत लिया। फाइनल में जीत के तुरंत बाद हॉकी इंडिया ने हर खिलाड़ी के लिए 3 लाख रुपए कैश प्राइज का ऐलान किया। सपोर्ट स्टाफ के लिए भी कैश प्राइज घोषित किया गया।

फाइनल से पहले भारत का प्रदर्शन - भारत ने सेमीफाइनल में साउथ कोरिया को 5-1 और क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान को 19-0 से हराया। इससे पहले टीम ने मेजबान चीन के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ खेला था। भारत ने जापान को 7-0 और मलेशिया को 11-1 से शिकस्त दी। टूर्नामेंट के पहले मैच में भी भारत ने साउथ कोरिया को 4-1 से हराया था।

वर्ल्ड नंबर-1 कार्लसन की ग्लोबल चेस लीग में पहली हार

टीम फिर भी फाइनल में पहुंची, गंगेज ग्रैंडमास्टर्स से मुकाबला

बेंगलुरु। ग्लोबल चेस लीग के चौथे सीजन में मैग्नस कार्लसन को पहली हार मिली। बेंगलुरु में शनिवार को खेले गए मुकाबले में पाइपर्स का सामना गंगेज ग्रैंडमास्टर्स से होगा।

कार्लसन की चेतावनी के बाद अलीरेजा ने दी मात - टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले मैग्नस कार्लसन ने मजाकिया अंदाज में अलीरेजा फिरोजा को कम समय में हराने की चेतावनी दी थी। दोनों के बीच पहली बाजी ड्रॉ रही थी। शनिवार को अलीरेजा ने कार्लसन को हराकर टूर्नामेंट में उनकी जीत का सिलसिला तोड़ दिया। जीत के बाद अलीरेजा ने कहा, 'यह मुकाबले में त्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स के अलीरेजा फिरोजा ने उन्हें हराया। इसके बावजूद कार्लसन की टीम अल्पाइन पाइपर्स 18 मैच पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल में पहुंच गई। रविवार को खिताबी टूर्नामेंट हमारे लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा। हमारी टीम में फाइनल जीतने का दम था, लेकिन कुछ करीबी मुकाबलों ने खेल बिगाड़ दिया। दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी के खिलाफ यह जीत बेहद खास है।

मोहम्मद सिराज हैदराबाद रणजी टीम के कप्तान बने

चामा मिलिंद उपकप्तान, 11 अक्टूबर को त्रिपुरा से पहला मुकाबला

नई दिल्ली। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज 2026-27 रणजी ट्रॉफी सीजन में हैदराबाद के कप्तान होंगे। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (HCA) ने शनिवार को इसका ऐलान किया। सीजन 11 अक्टूबर से शुरू होगा। हैदराबाद का पहला मुकाबला त्रिपुरा से होगा। तेज गेंदबाज चामा मिलिंद को टीम का उपकप्तान बनाया गया है।

हैदराबाद रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप B में - हैदराबाद को रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप B में रखा गया है। इस ग्रुप में सौराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, असम और त्रिपुरा भी हैं। सिराज ने पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में भी हैदराबाद की दो मैचों में कप्तानी की थी। सिराज हाल ही में तिलक वर्मा की कप्तानी में 2026 की दलीप ट्रॉफी में साउथ जोन के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करते नजर आए थे।

रणजी ट्रॉफी की शुरुआत 11 अक्टूबर से होगी - रणजी ट्रॉफी 2026-27 11 अक्टूबर 2026 से 3 मार्च 2027 तक खेला जाएगा। यह टूर्नामेंट दो लेग में खेला जाएगा, जिसमें एलीट ग्रुप में 32 टीमें और प्लेट ग्रुप में 6 टीमें शामिल हैं। BCCI के 2026-27 के डोमेस्टिक सीजन में कुल 1,788 मैच खेले जाएंगे। इस सीजन की शुरुआत दलीप ट्रॉफी से हुई थी और रणजी ट्रॉफी के अलावा इसमें सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी जैसे टूर्नामेंट भी शामिल हैं।

श्रीलंका दौरे पर कम हुई थी रफ्तार

श्रीलंका दौरे के दौरान सिराज की रफ्तार को लेकर चिंता जताई गई थी। उनकी रफ्तार सामान्य 140 किलोमीटर प्रति घंटे के मध्य स्तर से घटकर 120 किलोमीटर प्रति घंटे के आखिरी स्तर तक पहुंच गई थी। दो मैचों की सीरीज में सिराज ने 44 ओवर गेंदबाजी की थी। उन्होंने इस दौरान चार विकेट लिए थे। दलीप ट्रॉफी फाइनल के बाद चेन्नई में सिराज ने कहा, दो महीने के ब्रेक के बाद सीधे मैच में उतरने से मेरी लय पूरी तरह नहीं बन पाई थी। मैं पूरी तरह लय पर निर्भर रहने वाला गेंदबाज हूं। अगर मैं लय में नहीं हूं, तो क्रीज से पूरी ताकत के साथ गेंद नहीं फेंक पाता। उन्होंने कहा, श्रीलंका में यही परेशानी थी। मेरा रन-अप बिखरा हुआ लग रहा था। कुछ कदम बहुत छोटे थे और कुछ बहुत लंबे। इससे मेरा प्रवाह टूट गया और मेरी रफ्तार कम हो गई।

सार-समाचार

चामिंडा वास दिल्ली कैपिटल्स के बॉलिंग कोच बन सकते हैं

टीम ने जहीर खान और कुंबले से भी बात की, युवराज बैटिंग कोच होंगे

नई दिल्ली। श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज चमिंडा वास दिल्ली कैपिटल्स के नए बॉलिंग कोच बन सकते हैं। फ्रेंचाइजी ने इस पद के लिए जहीर खान और अनिल कुंबले से भी बातचीत की थी, लेकिन बात नहीं बन सकी। युवराज सिंह को पहले ही बैटिंग कोच नियुक्त किया जा चुका है।

- **जहीर के साथ बातचीत अंतिम दौर तक पहुंची -** मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जहीर खान के साथ बातचीत सेवा की शर्तों पर सहमति नहीं बनने के कारण रुक गई। इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स ने चमिंडा वास को जिम्मेदारी सौंपने का फैसला किया।
- **युवराज सिंह पहले ही बने बैटिंग कोच -** दिल्ली कैपिटल्स ने अगले सीजन के लिए पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह को बैटिंग कोच नियुक्त किया है। पिछले दो सीजन के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद टीम अपने कोचिंग स्टाफ में बदलाव कर रही है।
- **हेड कोच की तलाश जारी -** बॉलिंग और बैटिंग कोच तय होने के बाद अब दिल्ली कैपिटल्स नए हेड कोच की तलाश में जुटी है। फ्रेंचाइजी जल्द ही इस पद पर औपचारिक घोषणा कर सकती है। चमिंडा वास के अनुभव से टीम के तेज गेंदबाजों को फायदा मिलने की उम्मीद है।

मेसी का 99वां गोल

इंजरी टाइम में गोल कर नेशविल टीम ने ड्रॉ खेला

- **इंटर मियामी को 2-2 पर रोका**

बार्सिलोना। इंटर मियामी और नेशविल के बीच रात में मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। नेशविल ने आखिरी समय में बराबरी का गोल किया। लियोनेल मेसी ने 62वें मिनट में गोल किया। मेसी का इंटर मियामी के लिए यह 99वां गोल था।

सैम सरिज ने दो गोल किए - नेशविल के लिए दोनों गोल सैम सरिज ने किए। उन्होंने चौथे मिनट में पहला गोल किया। इसके बाद इंजरी टाइम में गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इस नतीजे के बाद नेशविल मेजर लीग सॉकर के ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में इंटर मियामी से 9 पॉइंट्स आगे है। इंटर मियामी और नेशविल पिछले तीन सीजन में ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस के राइवल बन गए हैं। दोनों टीमें अहम कप मुकाबलों, प्लेऑफ और बड़े रेगुलर-सीजन मैचों में भिड़ चुकी हैं। MLS में नेशविल के खिलाफ मेसी का 14 मैचों में उनका 17वां गोल था।

सरिज का शानदार प्रदर्शन - इंग्लैंड में जन्मे स्ट्राइकर सैम सरिज ने इस मुकाबले में पूरा प्रभाव छोड़ा। शनिवार को किया गया उनका पहला गोल इस सीजन का 15वां गोल था। मेसी 19 गोल के साथ MLS गोल्डन बूट की रेस में सबसे आगे हैं। वे लगातार तीसरी MLS मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर का अवॉर्ड जीतने के सबसे मजबूत दावेदार भी हैं।

मियामी का खराब दौर - इसके बावजूद इंटर मियामी इस सीजन बेहद खराब प्रदर्शन रहा है। मुख्य कोच गिलमों होयोस के नेतृत्व में टीम पिछले 9 मैचों में सिर्फ एक बार जीती है। मेसी को इस हफ्ते 2026 बैलन डि'ओर के लिए नामांकित किया गया है। इसके बावजूद वह ड्रॉ के नतीजे से निराश दिखे।

नेशविल का मजबूत सीजन - नेशविल ने 2025 यूएस ओपन कप जीता था। 2020 में MLS में शामिल होने के बाद यह उसका पहला खिताब था। नेशविल 19 सितंबर को आत्मविश्वास से भरी शिकागो फायर टीम की मेजबानी करेगा। इंटर मियामी का अगला मैच 20 सितंबर को न्यू स्टेडियम में सैन डिएगो एफसी के खिलाफ है।

सिल्वरस्टोन रेस ट्रैक पर सीएम थलपति विजय का सरप्राइज!

दोस्त अजित कुमार को लगाया गले, तृषा संग वीडियो वायरल

चैन्नई। साउथ सिनेमा के मेगास्टार से तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बनने तक का थलपति विजय का सफर बेहद दिलचस्प और ऐतिहासिक रहा है। राजनीति में पूर्ण रूप से कदम रखने के बाद उन्होंने अभिनय की दुनिया को पूरी तरह अलविदा कह दिया और राज्य की कमान संभाली। मुख्यमंत्री बनने के बाद से ही वे अपनी भूमिका के साथ-साथ अपनी निजी और सामाजिक गतिविधियों को लेकर लगातार सुर्खियों में बने रहते हैं। हाल ही में तमिलनाडु के सीएम विजय ब्रिटेन के मशहूर सिल्वरस्टोन रेस सर्किट पहुंचे, जहां उनके वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

सिल्वरस्टोन में अजित-विजय का भावुक पल - सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि तमिलनाडु के सीएम थलपति विजय, एक्टर और पेशेवर रेसर अजित कुमार का हौसला बढ़ाने पहुंचे। अजित कुमार प्रतिष्ठित मिशेलिन ले मैन्स कप रेस में भाग ले रहे थे। वीडियो में जैसे ही विजय ने रेस ट्रैक पर अजित कुमार को देखा, वे खुशी से दौड़ते हुए आए और अपने पुराने साथी व दोस्त अजित को कसकर गले लगा लिया। दोनों सुपरस्टार्स के इस भावनात्मक और आपसी सम्मान से भरे वीडियो को फैंस इंटरनेट पर जमकर शेयर कर रहे हैं।

लंदन में विजय के साथ स्पॉट हुईं एक्ट्रेस तृषा कृष्णन - अजित कुमार की रेस के दौरान रेस सर्किट और लंदन के गलियारों से विजय के साथ मशहूर एक्ट्रेस तृषा कृष्णन की भी तस्वीरें और वीडियो सामने आए हैं। रेस से ठीक पहले तृषा कृष्णन की तस्वीरें सीनियर एक्ट्रेस राधिका सरथकुमार के साथ सामने आईं, जिसे राधिका ने खुद इंटरनेट पर शेयर किया था। इसके बाद सिल्वरस्टोन रेस ट्रैक पर भी विजय और तृषा को साथ देखा गया।

विजय और तृषा की पर्सनल लाइफ फिर चर्चा में

थलपति विजय और तृषा कृष्णन की नजदीकियों और अफेयर की खबरें पिछले कई सालों से मीडिया की सुर्खियों में बनी रही हैं, हालांकि दोनों ही कलाकारों ने कभी इन अफवाहों पर सार्वजनिक रूप से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। गौरतलब है कि जब थलपति विजय ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी, तब तृषा कृष्णन भी उस ऐतिहासिक शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुई थीं। समारोह के दौरान विजय की पहली राजनीतिक स्पीच सुनते वक्त तृषा का भावुक होना भी काफी चर्चा में रहा था। अब यूके में रेस ट्रैक से सामने आए इन नए वीडियोज ने एक बार फिर दोनों की मौजूदगी की ओर फैंस का ध्यान खींच लिया है।

शेर-ए-पंजाब टी20 लीग में आया एसआरएस के बल्लेबाज का तूफान

- **कप्तानी पारी खेलकर अपनी टीम को फाइनल में पहुंचाया**
- **सलिल अरोड़ा ने शेर-ए-पंजाब लीग में जड़ा शतक**

मोहाली। शेर-ए-पंजाब टी20 लीग 2026 के बेहद रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में लुधियाना लायंस ने जालंधर वॉरियर्स को 17 रनों से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। मोहाली के आईएस बिंद्रा स्टेडियम में खेले गए इस मैच में लुधियाना की जीत के असली हीरो कप्तान सलिल अरोड़ा रहे, जिन्होंने मुश्किल वक्त में आकर महज 56 गेंदों में 120 रनों की आतिशी शतकीय पारी खेलकर अपनी टीम को खिताबी जंग में पहुंचाया।

साहिल भास्कर की घातक गेंदबाजी - 221 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी जालंधर वॉरियर्स ने कप्तान प्रभसिमरन सिंह और हरजस टंडन के दम पर एक समय 154/3 का स्कोर बना लिया था और वे जीत की तरफ बढ़ रहे थे। लेकिन इसके बाद तेज गेंदबाज साहिल भास्कर का जादू चला। साहिल ने एक ही ओवर में 3 विकेट झटककर जालंधर के बैटिंग लाइन-अप की कमर तोड़ दी और 4 ओवर में 6/16 का करिश्माई स्पेल फेंककर जालंधर को 203/8 पर रोक दिया।

105 रन पर गिर चुके थे 5 विकेट, फिर आया सलिल का शतकीय तूफान

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लुधियाना लायंस की शुरुआत बेहद खराब रही। जालंधर के गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए लुधियाना के टॉप ऑर्डर को ध्वस्त कर दिया और टीम 105 रन के स्कोर पर अपने 5 अहम विकेट गंवाकर गहरे संकट में आ गई थी। ऐसे दबाव के समय कप्तान सलिल अरोड़ा ने मोर्चा संभाला। उन्होंने माधव पठानिया के साथ मिलकर न केवल पारी को संभाला, बल्कि जालंधर के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दीं। सलिल और पठानिया ने छठे विकेट के लिए महज कुछ ही ओवरों में 115 रनों की अटूट साझेदारी कर मैच का पासा पलट दिया। सलिल अरोड़ा अंत तक आउट नहीं हुए और उन्होंने 56 गेंदों में 120 रनों की आतिशी पारी खेली, जिसकी बदौलत लुधियाना ने 20 ओवर में 220/5 का विशाल स्कोर खड़ा किया।

रविवार को अमृतसर सूरमाओं से होगा फाइनल मुकाबला - कप्तान सलिल अरोड़ा का यह नाबाद शतक लुधियाना की जीत का मुख्य आधार बना। अब फाइनल मुकाबले में लुधियाना लायंस का सामना अमृतसर सूरमाओं से रविवार को होगा। दिलचस्प बात यह है कि दोनों टीमों ने अपने स्टार खिलाड़ियों (अर्शदीप सिंह और अभिषेक शर्मा) की अनुपस्थिति के बावजूद टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया है।